@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 23 अक्टूबर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 343 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सीबीआई ने गिरफ्तार डीआईजी भुल्लर के बैंक खाते व लॉकर खंगाले

एजेंसी

चंडीगढ़। सीबीआई ने भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किए गए पंजाब के पूर्व डीआईजी एचएस भुल्लर के बैंक खातों की जांच शुरू कर दी है। सीबीआई की टीम ने बुधवार को करीब छह घंटे तक चंडीगढ़ के बैंकों में सर्च की।

एक टीम आज सुबह सेक्टर 9 स्थित एचडीएफसी बैंक की ब्रांच पहुंची थी। यहां हरचरण सिंह भुल्लर के लॉकर की जांच की गई है। टीम को जांच के दौरान यहां से कुछ

संपत्ति के कागजात, सोना और कई चीजें बरामद हुई है, जिनको टीम ने कब्जे में लिया है। इसके अलावा अभी कुछ और लॉकरों की जांच की जानी है। सीबीआई को एक डायरी भी मिली है, जिसकी जांच की जा रही है। यह भी जानकारी सामने आ रही है कि चार अन्य लॉकर भी हैं, जिनकी अभी जांच करनी बाकी है। बैंक से अनुमति मिलने के बाद इन्हें भी खोला जाएगा। डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर के पिता एमएस भुल्लर भी पंजाब के डीजीपी रह चुके हैं। एमएस भुल्लर ने मंगलवार को देरशाम बुड़ैल जेल में अपने निलंबित डीआईजी बेटे से करीब बीस मिनट तक मुलाकात की।

प्रधानमंत्री मोदी ने दीपावली की शुभकामनाओं के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का जताया आभार

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दीपावली पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुभकामनाओं और व्यक्तिगत रूप से फोन कॉल के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने भारत-अमेरिका साझेदारी की स्थायी शक्ति, साझा लोकतांत्रिक आदर्शों तथा वैश्विक शांति और आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त प्रतिबद्धता पर बल दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप, आपके फ़ोन कॉल और दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। प्रकाश के इस पर्व पर, हमारी दोनों महान लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं

संसार को आशा की ज्योति से आलोकित करें और हर प्रकार के आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होकर खड़ी रहें।' इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित दीपावली समारोह के दौरान भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं भारत के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैंने आज ही आपके प्रधानमंत्री से बात की। बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने व्यापार के बारे में बात की, उनकी इसमें बहुत रुचि है।' राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी बताया कि बातचीत के दौरान भारत-पाकिस्तान संबंधों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा, 'हमने कुछ समय पहले इस बारे में बात की थी कि पाकिस्तान के साथ कोई युद्ध नहीं होना चाहिए। यह बहुत अच्छी बात है कि भारत और पाकिस्तान के बीच शांति बनी हुई है।' प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'वह एक महान व्यक्ति हैं और पिछले कुछ वर्षों में मेरे बहुत अच्छे मित्र बन गए हैं।'

पंजाब के पूर्व डीजीपी मुस्तफा बोले- साइकोटिक डिसआर्डर का शिकार था बेटा

कई बार नशा मुक्ति केंद्र भेजने के बावजूद नशे की लत नहीं छूटी

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक मोहम्मद मुस्तफा ने बेटे की हत्या और साजिश रचने के आरोपों को निराधार करार दिया है। मुस्तफा ने बुधवार को इस मामले की जांच में हर तरह से सहयोग देने का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। बेटे की मौत का दर्द वही समझ सकता है, जिसने अपना बेटा खोया हो। दुनिया में इससे बड़ा कोई दुख नहीं होता।

मोहम्मद मुस्तफा ने कहा कि बेटे की मौत के बाद मैं गम में था। मैंने किसी का फोन तक नहीं उठाया। मेरे अंदर हिम्मत नहीं थी। मेरे अंदर का बाप बहुत सक्रिय था। मैंने अपना 35 साल का इकलौता बेटा खोया है, लेकिन अब मैंने अपने अंदर के पिता को सुला दिया है और मेरे अंदर का सैनिक जाग गया है। झूठ के पैर नहीं होते, सच सबके सामने आएगा। पूर्व डीजीपी ने कहा कि बेटा अकील 18 साल से साइकोटिक डिसऑर्डर और नशे की समस्या से जूझ रहा था, कई बार पुलिस कस्टडी में भी रहा। इलाज के दौरान हिंसक हो जाता था और परिवार से दूर हो गया था। 27 अगस्त को उसने वीडियो पोस्ट कर दो घंटे बाद डिलीट किया, पर कुछ लोगों ने डाउनलोड कर गलत इस्तेमाल किया। साइबर थाने में

शिकायत दी गई है, आरोपियों को तलब किया जा रहा है।

पूर्व डीजीपी ने बताया कि एक बार मेरी बहू की जान जाते-जाते बची। तब मैंने खुद बेटे को पुलिस के हवाले किया था, लेकिन दोपहर तक उसकी मां, बहू और बहन रोने लगीं। इसके बाद एक बाप का दिल भी पिघल गया। रात तक शिकायत वापस ले ली। 2010 में दोबारा ऐसी ही हरकत की थी। तब भी वहां की लेडी इंस्पेक्टर बेटे को थाने लेकर गई, लेकिन फिर रात को वापस ले आए। उसका दिमाग 40 प्रतिशत तक डैमेज था। मोहम्मद मुस्तफा ने कहा कि बेटा 2006 से नशे की गिरफ्त में था, सॉफ्ट ड्रग से शुरू कर हेरोइन और एसिड तक पहुंच गया, जिससे उसका दिमाग 40 प्रतिशत तक डैमेज हो चुका था। 18 साल तक इलाज और स्कूल बदलने के बावजूद सुधार नहीं हुआ। 2024 में उसने 'आइस' ड्रग ली, तब हालत और बिगड़ गई। मैंने कई बार नशा सप्लायरों को पकड़वाया ताकि उसका सोर्स बंद हो, पर सफल नहीं हो पाया। बेटा जब भी हिंसक होता था, मैं मजबूरन पुलिस को बुलाता था।

बंगाल में SIR से पहले 1000 बूथ स्तरीय अधिकारियों को चुनाव आयोग के नोटिस, जानें किस लापरवाही के लगे आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में चुनाव संबंधी निर्देशों का पालन न करने के आरोप में करीब 1,000 बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। यह कार्रवाई जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि संबंधित सभी बीएलओ ने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) की बार-बार अपील के बावजूद ईआरओ-नेट पोर्टल पर अपने नाम दर्ज नहीं कराए थे। इसी को आधार बनाते हुए नोटिस जारी किए गए हैं। अधिकारी ने कहा, 'नोटिस में कहा गया है कि ऐसा न करना जानबूझकर की गई लापरवाही और कर्तव्य की गंभीर उपेक्षा है, जो जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 के उल्लंघन के बराबर है। इस धारा के तहत निर्वाचन कार्य में नियुक्त सभी अधिकारियों को चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है।' नोटिसों में इसका भी जिक्र किया गया है कि चुनावी कामकाज के दौरान बीएलओ भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के प्रतिनियुक्ति पर माने जाते हैं और उसके अनुशासनात्मक नियंत्रण के अंतर्गत होते हैं। इन सभी बूथ स्तरीय अफसरों से तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है कि उनके खिलाफ जानबूझकर लापरवाही और सरकारी आदेश की अवहेलना के लिए अनुशासनात्मक या दंडात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए। अधिकारी ने बताया कि तय समय सीमा के भीतर जवाब न देने की स्थिति में यह माना जाएगा कि संबंधित अधिकारी के पास कोई वैध कारण नहीं है, और फिर विभागीय नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने केरल के सबरीमाला मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेंसी

पथानामथिट्टा (केरल)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपनी चार दिवसीय केरल यात्रा के दूसरे दिन बुधवार को सबरीमाला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर के दर्शन किये। उन्होंने यहां संपूर्ण विधा-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर भगवान अयप्पा से देशवासियों की सुख-शांति के लिए कामना कीं। हालांकि, इससे पहले उनका हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गया। हेलीकॉप्टर के टायर हेलीपैड में मामूली रूप से धंस गए। इस घटना में किसी को कुछ नहीं हुआ। राष्ट्रपति सुबह-सुबह पंपाा पहुंचीं, पवित्र नदी में स्नान किया और पंपा गणपति मंदिर में पूजा-अर्चना की, जहां उन्होंने पारंपरिक केट्टुनिरा (इरुमुदिकेट्टू भरना) की रस्म निभाई। सबरीमाला मंदिर जाने से पहले उन्होंने इरुमुडी बांधने सहित अन्य पारंपरिक अनुष्ठान पूरे किए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज केरल के सबरीमाला मंदिर में पूजा-अर्चना की और समस्त देशवासियों की सुख-शांति एवं समृद्धि कीं। पारंपरिक काले परिधान पहने और इरुमुदिकेट्टू को हाथ में लिए राष्ट्रपति ने पवित्र 18 सीढ़ियां (पथिनेट्टमपदी) चढ़ीं और कड़ी सुरक्षा के बीच भगवान अयप्पा के दर्शन किए। केरल की चार दिवसीय दौरे के तहत उनकी इस ऐतिहासिक यात्रा को प्राचीन परंपराओं के प्रति श्रद्धा और महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक समानता के एक सशक्त संदेश के

रूप में देखा जा रहा है। भगवान अयप्पा के पवित्र पहाड़ी मंदिर की राष्ट्रपति की तीर्थयात्रा की योजना सुरक्षा प्रोटोकॉल और मंदिर की परंपराओं को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक बनाई गई थी। राष्ट्रपति की यात्रा के लिए सबरीमाला और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई थी। विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) और केरल पुलिस ने अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर सुरक्षा की कमान संभाली। सुरक्षा के लिए भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया।

उधर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को ले जा रहे हेलीकॉप्टर को पथानामथिट्टा के कोन्नी के प्रमदम स्थित राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में उतरते समय एक छोटी सी दुर्घटना का सामना करना पड़ा। लैंडिंग के बाद हेलीकॉप्टर के टायर हेलीपैड की ताजा बिछाई गई कंक्रीट की सतह में मामूली रूप से धंस गए। हेलीकॉप्टर को निलक्कल में उतरना था, लेकिन मौसम अनुकूल नहीं होने के कारण लैंडिंग स्थल को प्रमदम के इनडोर स्टेडियम में स्थानांतरित कर दिया गया।

टिकट बंटवारे से नाराज राजद अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के नेताओं का इस्तीफा

चुनाव से पहले आरजेडी को झटका

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में टिकट वितरण को लेकर असंतोष गहराता जा रहा है। इसी कड़ी में पार्टी के अति पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ से जुड़े करीब 50 नेताओं ने टिकट बंटवारे में उपेक्षा और पक्षपात का आरोप लगाते हुए सामूहिक इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा देने वालों में प्रदेश महासचिव भोला सहनी, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. कुमार गौरव, प्रधान महासचिव गोपाल लाल देव, जिला महासचिव श्याम सुंदर कामत और प्रदेश सचिव सुशील सहनी सहित कई प्रमुख पदाधिकारी शामिल हैं।

दरभंगा में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नाराज नेताओं ने अपनी नाराजगी खुलकर जताई और पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए। राजद

अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. कुमार गौरव ने कहा कि अति पिछड़ा समाज के लोग वर्षों से राजद के लिए मेहनत कर रहे थे, लेकिन टिकट बंटवारे में इस समाज को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पार्टी में अब विचारधारा नहीं बची, बल्कि व्यक्ति विशेष की चापलूसी और आर्थिक ताकत का दबदबा है। इसी कारण हमने सामूहिक रूप से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है। इस्तीफा देने वालों में शामिल पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष भोला सहनी ने कहा कि पार्टी में समर्पित और ईमानदार कार्यकर्ताओं का मनोबल लगातार टूट रहा है। उन्होंने कहा कि यह असंतोष आने वाले चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन पर असर डालेगा। भोला सहनी ने कहा कि अब वे सम्मानजनक राजनीति करेंगे, न कि अपमानजनक समझौते।

इस्तीफा देने वालों में जिला अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, कई प्रखंड अध्यक्ष और पंचायत स्तर के पदाधिकारी भी शामिल हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चुनाव से ठीक पहले अति पिछड़ा वर्ग से जुड़े इतने बड़े समूह का पार्टी से अलग होना राजद के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है, खासकर उत्तर बिहार के उन इलाकों में जहां यह वर्ग निर्णायक भूमिका निभाता है।

बाराबंकी में हुए सड़क हादसों में मेदांता गुरुग्राम के डॉक्टर सहित चार की मौत

चार अन्य घायल

एजेंसी

हैदरगढ़। त्योहार के उल्लास के बीच अलग-अलग जगहों पर हुए चार सड़क हादसों में डॉक्टर समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हैं। हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को हुए सड़क हादसे में एक डॉक्टर की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हैं। पुलिस के अनुसार बिहार के उत्तर चंपारण के चनापतिया के अनिकेत कश्यप (28), मोतिहारी बंजरिया के जनपुल के विजयंत कुमार (29) व हरियाणा के जींद निवासी सचिन (23) आर्टिका कार से नोएडा जा रहे थे। हैदरगढ़ इलाके में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर खड़े ट्रक में कार पीछे से टकरा गई। तीनों घायलों को सीएचसी हैदरगढ़ लाया गया, जहां अनिकेत को मृत घोषित कर दिया गया। अस्पताल पहुंचे एसडीएम राजेश कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि अनिकेत व विजयंत गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में डॉक्टर हैं।

उधर, लोनीकटरा थाना क्षेत्र के इलियासपुर गांव निवासी राम सुरेश बाइक से लोनीकटरा थाने जा रहा था। इस दौरान लखनऊ सुल्तानपुर नेशनल हाईवे पर दहिला डेरी के पास बोलेरो की टक्कर से आदित्य घायल हो गया।

का आरोप है कि मंगलवार दोपहर उनके पुत्र आदित्य उर्फ शालू (25) को दहिला शराब ठेके के पास क्षेत्र के ही लदई का पुरवा गांव निवासी साकेत, शिवम समेत दो अन्य अज्ञात लोगों ने पिटाई कर जख्मी कर दिया था। इसके बाद आदित्य शिकायत करने के लिए गंभीर हालत में पुलिस ने उसे सीएचसी त्रिवेदीगंज भिजवाया जहां मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बोलेरो को कब्जे में ले ली है। परिजनों ने बताया कि मारपीट के बाद आदित्य मानसिक रूप से विचलित था और बदहवासी में थाने की ओर निकल गया था।

समुद्री चरण पूरा करके भारतीय युद्धपोत जापान के योकोसुका बंदरगाह पर पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का पोत आईएनएस सह्याद्रि जापान के साथ समुद्री चरण का अभ्यास पूरा करके हार्बर चरण के लिए योकोसुका में बंदरगाह पर पहुंच गया है। स्वदेश निर्मित शिवालिक श्रेणी के इस गाइडेड मिसाइल स्टील्थ फ्रिगेट के साथ समुद्री चरण में उन्नत पनडुब्बी रोधी युद्ध और मिसाइल रक्षा अभ्यास शामिल थे। भारत और जापान की नौसेनाओं के बीच 'जैमेक्स' अभ्यास 'विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी' का आधार है। नौसेना के मुताबिक योकोसुका पहुंचने से पहले जापान-भारत समुद्री अभ्यास 16 से 18 अक्टूबर तक हुआ, जिसमें आईएनएस सह्याद्रि और जापानी पोत असाही, ओमी और पनडुब्बी जिनरयू ने भाग लिया। समुद्री चरण में उन्नत पनडुब्बी रोधी युद्ध और मिसाइल रक्षा अभ्यास शामिल थे, जिसमें उड़ान संचालन और चल रहे पुनःपूर्ति के माध्यम से अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाया गया। दोनों देशों के बीच यह साझेदारी हिंद-प्रशांत समुद्री क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार समारोह शुक्रवार को कोलकाता में

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार 2024 शुक्रवार (24 अक्टूबर) शाम 5 बजे कोलकाता के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भाषा भवन सभागार में आयोजित समारोह में प्रदान किए जाएंगे। साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. माधव कौशिक द्वारा ये पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। समारोह के मुख्य अतिथि प्रख्यात विद्वान प्रो. सुकांत चौधरी होंगे तथा साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष प्रो. कुमुद शर्मा समापन वक्तव्य देंगी। साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवासराव की तरफ से बुधवार को जारी की गई जानकारी के मुताबिक 25 अक्तूबर को प्रातः 10.00 बजे 'अनुवादक सम्मिलन' तथा अपराह्न 2.30 बजे 'अभिव्यक्ति' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

हमें हर हाल में राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ना होगा - पप्पू यादव

एजेंसी

पटना। बिहार के पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कहा कि हमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता उन पर भरोसा करती है।पप्पू यादव ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि बिहार में बदलाव जरूरी है और इंडिया गठबंधन की सरकार बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन सीटों पर राजद-कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं, उन सीटों पर मामला सुलझा लिया जाएगा। गुरुवार को एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। नेतृत्व तय करेगा कि क्या करना है, क्या नहीं करना है और आगे क्या होगा। हम कह रहे हैं कि हमारे नेता बिहार को बचाने के लिए कोई भी कुर्बानी देने को तैयार हैं। हम चाहते हैं कि किसी भी

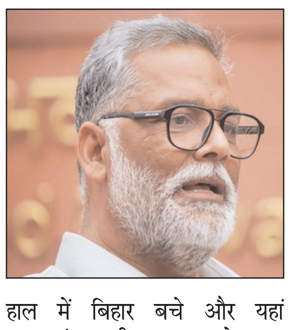

हाल में बिहार बचे और यहां महागठबंधन की सरकार बने। पप्पू यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बिहार चुनाव के लिए चेहरा बनाने पर जोर देते हुए कहा कि बिहार में दो ही चेहरे हैं, एक तरफ पीएम मोदी हैं और दूसरी तरफ राहुल गांधी। नीतीश कुमार नाममात्र चेहरा हैं। मेरी स्पष्ट राय है कि हमें हर हाल में राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ना चाहिए। बिहार के लोग, चाहे दलित हों या अति पिछड़ा वर्ग, राहुल गांधी के संघर्ष पर भरोसा करते हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि आपसी मतभेद खत्म करने के लिए 12 उम्मीदवारों को अपने नाम वापस लेने चाहिए, ताकि महागठबंधन एकजुट होकर चुनाव लड़े। बताते चलें कि बिहार की कुछ विधानसभा सीटों पर कांग्रेस ने जहां उम्मीदवार उतारे, वहां राजद ने भी अपना उम्मीदवार उतार दिया है।

रेल हादसे में पति की मौत, दो दशक बाद मिला इंसाफ; सुप्रीम कोर्ट ने ढूंढ निकाली पीड़िता, अब मिलेगा मुआवजा

एजेंसी

नई दिल्ली। 23 साल लंबी कानूनी लड़ाई के बाद एक पीड़ित विधवा को आखिर न्याय मिल ही गया। सुप्रीम कोर्ट ने विशेष पहल करते हुए यह सुनिश्चित किया कि महिला को रेलवे से मुआवजा राशि पूरी तरह मिल सके। दरअसल, सयनोक्ता देवी के पति विजय सिंह की 21 मार्च 2002 को भारतीय रेलवे की भागलपुर-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन से पटना जाने के दौरान हादसे में मौत हो गई थी। उन्होंने बख्तियारपुर स्टेशन से पटना के लिए वैध टिकट लिया था, लेकिन भीड़भाड़ के कारण ट्रेन से गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद सयनोक्ता देवी ने रेलवे से मुआवजा मांगा, लेकिन

रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल और पटना हाई कोर्ट ने यह कहते हुए मुआवजा देने से इनकार कर दिया कि मृतक मानसिक रूप से अस्वस्थ था। महिला ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी 2023 में हाई कोर्ट और ट्रिब्यूनल के आदेशों को बेतुका और कल्पनाशील बताते हुए रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि यदि मृतक मानसिक रूप से अस्वस्थ होता, तो वह न टिकट खरीद पाता, न ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करता। कोर्ट ने रेलवे को दो महीने के अंदर चार लाख रुपये मुआवजा और छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का आदेश दिया। लेकिन समस्या यहीं खत्म नहीं हुई। इस फैसले के बाद महिला के स्थानीय वकील का निधन हो गया और रेलवे की तरफ से भेजे गए पत्र गलत पते पर चले गए। सयनोक्ता देवी भी पारिवारिक परिस्थितियों में अपना ठिकाना बदल चुकी थीं। रेलवे ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह महिला को ढूंढ नहीं पा रहा है और मुआवजा नहीं दे पा रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने रेलवे को आदेश दिया कि वह अखबारों में अंग्रेजी और हिंदी में सार्वजनिक नोटिस निकाले और महिला को खोजे।

मथुरा के करीब मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतरे, दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग प्रभावित

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के निकट मंगलवार रात एक मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया। अधिकारियों ने बताया कि बेपटरी हुए डिब्बों में माल लदा हुआ था। यह घटना आगरा रेल मंडल के मथुरा-पलवल खंड में वृंदावन रोड स्टेशन और आझई स्टेशन के बीच मंगलवार रात करीब 8ः24 बजे हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और ट्रेन के चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। हालांकि, इस दुर्घटना के कारण डाउन मेन लाइन, अप मेन लाइन और तीसरी लाइन सभी बाधित हो गईं। अधिकारियों ने चेताया कि इससे दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-कोटा मार्ग पर कई ट्रेनों की आवाजाही पर गंभीर असर पड़ेगा। रेलवे विभाग ने तुरंत बचाव और पटरी सुधार का काम शुरू कर दिया है, ताकि यातायात को जल्द बहाल किया जा सके। संबंधित लाइन के रेल यात्रियों से अपील की गई है कि वे ट्रेनों की समय सारणी और अपडेट्स के लिए रेलवे की वेबसाइट या संबंधित स्टेशन से जानकारी लेते रहें।

ताज होटल में कुर्सी पर पालथी मारकर बैठने को लेकर हुआ विवाद, महिला का वीडियो वायरल

मुंबई (एजेंसी)। ताज होटल में कुर्सी पर पालथी मारकर बैठने को लेकर हुआ विवाद, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। श्रद्धा शर्मा नाम के हैंडल से महिला ने एक्स पर वीडियो शेयर कर दावा किया कि वह ताज होटल में डिनर के लिए गई थीं। महिला के अनुसार, उनके बैठने के तरीके (कुर्सी पर पालथी मारकर/पैडमासन स्टाइल में बैठना) पर होटल मैनेजर ने आपत्ति जाहिर की। मैनेजर ने कथित तौर पर महिला से कहा कि एक अमीर गेस्ट को उनके बैठने के तरीके से दिक्कत हो रही है। महिला ने अपने पहनावे (कोल्हापुरी चप्पल) पर भी आपत्ति जताने का दावा कर कहा कि मैनेजर ने उन्हें तरीके से बैठने और बंद जूते पहनने को कहा, क्योंकि यह फाइन डाइनिंग जगह है जहाँ बहुत अमीर लोग आते हैं। महिला ने होटल ताज के इस रवैये पर गुस्सा और निराशा व्यक्त कर सवाल किया कि अपनी मेहनत की कमाई से आकर सम्मान के साथ बैठने में क्या गलती है। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हो गया है, जिस पर लोग होटल के व्यवहार की आलोचना कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग फाइन डाइनिंग के शिष्टाचार का पक्ष ले रहे हैं। महिला ने अपनी पोस्ट में लिखा कि एक आम इंसान, जो मेहनत करके, अपना पैसा कमा कर, अपनी इज्जत के साथ ताज होटल में आता है, उस आज भी इस देश में जलील और अपमानित होना पड़ता है। और मेरी गलती क्या है? सिर्फ ये कि मैं बैठ गई एक 卐पालथी मारकर बैठ गई卐? क्या ये मेरी गलती है कि ताज मुझे सिखा रहा है कि कैसे बैठना चाहिए, क्या करना चाहिए ?ताज होटल की ओर से अभी तक इस घटना पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है।

अररिया की जेसीबी नहर अब बनी मौत की नहर... 48 घंटों में डूबने से सात मासूमों की मौत

अररिया (एजेंसी)। बिहार के अररिया जिले के भरगामा प्रखंड के सिरसिया हनुमानगंज स्थित जेसीबी नहर अब मौत की नहर बन गई है। नहर में डूबने से तीन बच्चियों की मौत हो गई। ये खेलते-खेलते नहर के किनारे पहुँची थीं। एक का पैर फिसलने पर बाकी दो उसे बचाने के प्रयास में डूब गईं। इस घटना से एक दिन पहले इसी नहर में डूबने से चार अन्य बच्चों की मौत हुई थी। इस प्रकार, बीते 48 घंटों में इस नहर में डूबने से कुल सात मासूमों की मौत हो चुकी है। लगातार हो रहे हादसों ने स्थानीय प्रशासन और जल संसाधन विभाग के इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नहर कई जगहों पर गहरी और असुरक्षित है, लेकिन इसके किनारों पर न तो कोई सुरक्षा घेरा है और न ही चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। ग्रामीणों की मांगों को अनसुना किया गया था। ग्रामीण अब आक्रोशित हैं और प्रशासन से इस नहर को जल्द से जल्द सुरक्षित बनाने और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। यह जिले की पहली ऐसी घटना है, जिसमें दो दिनों के भीतर एक ही जगह सात बच्चों की मौत हुई है। यह दुर्घटना स्थानीय प्रशासन को तुरंत सुरक्षा उपाय करने की आवश्यकता पर ज़ोर देती है।

गुजरात में पत्नी ने की दरिंदगी, पति के प्राइवेट पार्ट को तेजाब डालकर जला दिया

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में एक महिला ने अपने पति के साथ रुह कंपाने वाली दरिंदगी कर दी। 33 साल के एक शख्स पर पत्नी ने पहले खौलता पानी उड़ेल दिया और फिर तेजाब से शरीर के कई हिस्सों को जला दिया। डिलीवरी वर्कर के रूप में काम करने वाला शख्स अब अस्पताल में जिंदगी-मौत की जंग लड़ रहा है। एफआईआर के मुताबिक, वह सो रहा था और पत्नी अचानक उसे गालियां देने लगी। पीड़ित ने कहा, उसने अचानक मेरा कंबल खींच लिया। पहले मुझपर खौलता पानी डाल दिया। इससे पहले कि मैं कुछ कर पाता उसने तेजाब की बोतल उठाई और मुझ पर फेंका। प्राइवेट पार्ट्स पर भी तेजाब डाल दिया। सैटेलाइट पुलिस स्टेशन के जांचकर्ताओं के मुताबिक, महिला अपने पति पर शक करती थी कि उसका दूसरी महिला से भी संबंध है। इसको लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता था। पीड़ित सोला सिविल अस्पताल में गंभीर स्थिति में भर्ती है। पेट, जांघ, पीठ, हाथ और प्राइवेट पार्ट पर जख्म हैं। हमला करके भागी पत्नी के खिलाफ पीड़ित ने अस्पताल के बिस्तर से ही शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने 31 साल की पत्नी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि दोनों ने दो साल पहले कोर्ट मैरिज की थी। दोनों की यह दूसरी शादी थी।

जब सुप्रीम कोर्ट के जज सिडान कार से चलते हैं, तो लोकपाल को बीएमडब्ल्यू क्यों?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने उठाया सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में भ्रष्टाचार की जांच करने वाली सर्वोच्च संस्था लोकपाल इन दिनों अपने एक फैसले को लेकर सुर्खियों में है। दरअसल, लोकपाल ने हाल ही में सात लग्जरी बीएमडब्ल्यू कारें खरीदने के लिए टेंडर जारी किया है, जिनकी कुल कीमत करीब 5 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस फैसले पर अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

चिदंबरम ने एक्स पर पोस्ट कर सवाल उठाया कि जब सुप्रीम कोर्ट के जज सिडान कारों में चलते हैं, तो लोकपाल के चेयरमैन और छह सदस्यों को बीएमडब्ल्यू की क्या जरूरत है? जनता के पैसों से इन गाड़ियों की खरीद क्यों की जा रही है? उम्मीद है लोकपाल के कम से कम एक या दो सदस्य इन कारों को लेने से इनकार करेंगे। चिदंबरम की यह टिप्पणी एक रिपोर्ट में सामने आई, जिसमें खुलासा हुआ कि लोकपाल ने सात बीएमडब्लू कार की खरीद के लिए टेंडर जारी किया है। दस्तावेज़ों के मुताबिक इन सभी गाड़ियों का रंग सफेद होगा और इन्हें दिल्ली के वसंत कुंज स्थित लोकपाल कार्यालय में दो हफ्तों के अंदर डिलीवर करना है। टेंडर में यह भी कहा गया है कि सप्लायर को ये बीएमडब्लू कार चलाने के लिए लोकपाल के ड्राइवरों को सात दिन की खास ट्रेनिंग देनी होगी। बीएमडब्लू की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक इस सेगमेंट की सबसे लंबी और लक्ज़री कार मानी जाती है, जिसमें पीछे बैठने के लिए सबसे ज़्यादा जगह और आराम दिया गया है। एक कार की ऑन-रोड कीमत करीब 70 लाख है। लोकपाल की यह खरीद इसलिए भी सवालों के घेरे में है, क्योंकि संस्था का मकसद जनहित और पारदर्शिता से जुड़ा है। इसके सदस्यों के वेतन, भत्ते और अन्य सुविधाएं सुप्रीम कोर्ट के जजों के बराबर होती हैं। राजनीतिक हलकों में अब यह बहस छिड़ गई है कि जब देश के सर्वोच्च न्यायालय के जज सरकारी सिडान कारों से चलते हैं, तो फिर लोकपाल जैसी संस्था को इतनी महंगी जर्मन कारों की जरुरत क्यों पड़ी? अब तक लोकपाल की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन चिदंबरम का यह बयान विपक्ष के उस रुख को और मजबूत करता है जिसमें सरकार पर 'भ्रष्टाचार और फिजूलखर्ची' के दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाया जा रहा है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने दिया बयान... राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध नहीं

बेंगलुरु (एजेंसी)। आरएसएस को निशाना बनाने के आरोपों पर प्रतिक्रिया देकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिर जारी किए सर्कुलर में केवल 2013 में बीती बीजेपी सरकार से जारी आदेश को दोहराता है, जिसमें शैक्षणिक संस्थानों में सभी संगठनों को गतिविधियों के लिए अनुमति लेना जरूरी है। उन्होंने कहा कि संघ का नाम उस आदेश में कहीं नहीं है, जो स्कूल और कॉलेज परिसरों में संगठनों को गतिविधियों के लिए अनुमति लेने के बारे में है। उन्होंने कहा कि यह नियम सभी पर लागू है और किसी खास समूह को निशाना नहीं बनाया गया है। इस कदम से अटकलें थीं कि यह सार्वजनिक संस्थानों में आरएसएस के कार्यक्रमों को सीमित करने के उद्देश्य से किया गया है। बता दें, इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 'सनातनियों' से दूरी बनाकर रखने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि आरएसएस और संघ परिवार ने हमेशा डॉ. आंबेडकर और उनके संविधान का विरोध किया। वहीं मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर बीजेपी भड़क गई। बीजेपी नेताओं ने उन पर 'तानाशाही' का आरोप लगाकर कहा कि कांग्रेस सरकार संघ की गतिविधियों को रोकने के नाम पर हिंदू संगठनों को दबा रही है।

दिवाली के अवसर पर साईं बाबा को पांच करोड़ रुपये के आभूषणों से सजाया गया

शिरडी (एजेंसी)। दिवाली के अवसर पर शिरडी के साईं संस्थान द्वारा मंगलवार को साईं बाबा की मूर्ति को 5 करोड़ रुपये मूल्य के विभिन्न सोने और हीरे के आभूषणों से सुसज्जित किया गया। हर साल की तरह इस साल भी दिवाली के अवसर पर साईं बाबा मंदिर में परंपरा के अनुसार लक्ष्मी पूजन उत्सव मनाया गया। दिवाली के अवसर पर मंगलवार को शाम 5 से 5.55 बजे तक साईं बाबा समाधि मंदिर के प्रांगण में संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर और उनकी पत्नी वंदना गाडिलकर द्वारा लक्ष्मी पूजन किया गया। इस अवसर पर श्री गणेश पूजन, लक्ष्मी-कुबेर पूजन, सरस्वती पूजन और साईं धूप-नैवेद्य जैसे कार्यक्रम किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संस्थान के पदाधिकारी, शिरडी ग्रामीण और साईं भक्त उपस्थित थे। लक्ष्मी-कुबेर पूजन के बाद शाम 6 बजे श्री की धूपबत्ती की गई। धूपबत्ती के बाद साईं भक्तों के लिए दर्शन कतार शुरू कर दी गई। दिवाली के अवसर पर साईं बाबा मंदिर को बिजली से जगमगाया गया। साथ ही, साईंबाबा समाधि मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र को फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया। किंवदंती है कि द्वारकामाई में दीपक जलाने के लिए तेल नहीं था इसलिए दिवाली पर साईंबाबा ने पानी से दीपक जलाए थे। इसलिए, आज भी शिरडी में कई साईं भक्त दीपक जलाकर साईंबाबा की स्मृति को जीवित रखते हैं। देश भर के विभिन्न स्थानों से साईं भक्त शिरडी आते हैं और साईंबाबा की द्वारकामाई के सामने और लेंडी बाग के प्रांगण में दीपक जलाते हैं। दिवाली के दौरान हर जगह मीठा भोजन परोसा जाता है। साईंबाबा, जिन्होंने शिरडी में एक फकीर का जीवन व्यतीत किया, आज भक्तों द्वारा सोने और चांदी से मढ़े हुए हैं। त्योहारों और उत्सवों के दौरान, साईंबाबा को सोने की थाली में प्रसाद चढ़ाया जाता है। साईंबाबा के दर्शन करने आने वाले भक्तों के लिए व्यवस्था करने के लिए लगभग साढ़े छह हजार कर्मचारी और अधिकारी तैनात हैं। वाहन चालकों-मालिकों, लॉज मालिकों व कर्मचारियों, छोटे-बड़े व्यापारियों व मजदूरों को मिलाकर एक लाख से अधिक परिवार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बाबा की कृपा से लक्ष्मी प्राप्त करते हैं। लक्ष्मी पूजा के अवसर पर कई घरों में साईं बाबा की तस्वीर रखकर उनकी पूजा की जाती है। कुछ भक्तों ने लेंडीबाग में अपने परिवार के साथ लक्ष्मी पूजा की।

चुनावी जंग के बीच लालू परिवार को चुनौतियों ने घेरा, सीबीआई ने खड़ी कर दी गवाहों की फौज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव जीतने की जंग हर एक राजनैतिक दल लड़ रहा है। सभी अपनी जीत के लिए जनता के बीच जाकर वादे कर रहे हैं उन्हे बता रहे हैं कि आपका सबसे ज्यादा हित कौन कर सकता है। इसी बीच लालू परिवार तमाम चुनौतियों से जूझ रहा है। केंद्रीय जाँच ब्यूरो यानी सीबीआई ने आईआरसीटीसी होटल मामले में करीब एक दर्जन गवाहों की सूची अदालत को सौंपी है, जो पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ मामले में उनकी कथित संलिप्तता के बारे में गवाही देंगे।

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में ही एक विशेष सीबीआई अदालत ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ आईआरसीटीसी होटल मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए आरोप तय किए हैं। अदालत ने लालू प्रसाद के खिलाफ भ्रष्टाचार (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत), आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और अन्य आरोप तय किए हैं। राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य पर षड्यंत्र और धोखाधड़ी सहित कई अपराधों का आरोप है। हालांकि, तीनों ने अदालत में खुद को निर्दोष बताया है। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार, आरोपी इस आदेश को चुनौती दे सकते हैं।सीबीआई पहले ही इन गवाहों को औपचारिक नोटिस जारी कर चुकी है और उन्हें 27 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होने को कहा है। उस दिन से इस मामले में ट्रायल शुरू होना है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सीबीआई इन गवाहों की गवाही बिना किसी सबूत के आधार पर जल्दी से पूरा करने की कोशिश करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि उक्त गवाहों से पूछताछ के बाद, सीबीआई आरोपियों के खिलाफ अपने आरोपों को पुष्ट करने के लिए कुछ और गवाह भी पेश करेगी।13 अक्टूबर को आरोप तय करते हुए विशेष सीबीआई कोर्ट के जज विशाल गोगने ने कहा था कि वे प्रथम दृष्टया इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि लालू को पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी और उन्होंने होटलों के हस्तांतरण को प्रभावित करने के लिए हस्तक्षेप किया था। अपने आदेश में जज ने कहा, निविदा प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए थे... यह स्पष्ट संभावना के रूप में सामने आया है कि बिक्री के समय, ज़मीन के टुकड़ों का कम मूल्यांकन किया गया था और फिर वे लालू के हाथों में आ गए। न्यायाधीश ने 244 पृष्ठ के आदेश में मामले में मिलीभगत के पहलू को चिह्नित किया।बता दें कि सीबीआई ने यादव परिवार पर भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम की निविदाओं और अवैध भूमि हस्तांतरण में हेरफेर करने का आरोप लगाया था। लालू प्रसाद यादव पर रेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कोचर बंधुओं- विजय कोचर, विनय कोचर (दोनों मेसर्स सुजाता होटल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, होटल चाणक्य, पटना के मालिक) और अन्य के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचने के आरोप हैं, ताकि रांची और पुरी में रेलवे के बीएनआर होटलों को उप-पट्टे पर देने के लिए ठेके देने में फर्म को अनुचित लाभ पहुंचाया जा सके।

सीबीआई के आरोपपत्र के अनुसार, ठेके के बदले में कोचर ने कथित तौर पर पटना में एक प्रमुख भूखंड लालू प्रसाद के करीबी सहयोगी प्रेम चंद गुप्ता और उनके सहयोगियों द्वारा नियंत्रित एक कंपनी को बेच दिया और बाद में इस कंपनी को यादव के परिवार के सदस्यों ने अपने नियंत्रण में ले लिया और यह मूल्यवान संपत्ति मामूली कीमत पर उन्हें हस्तांतरित कर दी।

चिराग का राहुल और तेजस्वी पर तंज, महागठबंधन संभल नहीं रहा... बिहार संभालने का सपना देख रहे

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सुप्रीमों और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार में महागठबंधन की स्थिति पर तीखा तंज कसा है। उन्होंने महागठबंधन में एकता की कमी का दावा किया। इसके साथ ही, महागठबंधन के नेताओं पर समाज के वंचित वर्गों के साथ छल करने का आरोप लगाया। चिराग ने कहा, महागठबंधन में इतनी गड़बड़ी चल रही है, लेकिन राहुल गांधी कहां हैं? क्या यह राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की नैतिक जिम्मेदारी नहीं थी कि वे सभी के साथ बैठकर गठबंधन में अड़चनों को दूर करें? यह कांग्रेस और राहुल गांधी की गंभीरता की कमी को दिखाता है। उनका कहना है कि 14 नवंबर के बाद बिहार में एनडीए सरकार बनेगी

और लोगों ने समझ लिया है कि अगर महागठबंधन पांच पार्टियों को एक साथ नहीं रख सकता, तब वहां बिहार को कैसे एकजुट रख पाएगा। पासवान ने कहा, जो लोग गठबंधन को संभाल नहीं सकते, वे किस दुनिया में जी रहे हैं, यह सोचने वाली बात है। आज भी दूसरे चरण की नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद वे इसतरह के बयान दे रहे हैं ताकि गठबंधन की अव्यवस्था या विफलता को छुपाया जा सके। दशरथ मांझी के बेटे भागीरथ मांझी को टिकट न मिलने पर उन्होंने कहा कि यह हमेशा से कांग्रेस और महागठबंधन नेताओं का तरीका रहा है। उनका उद्देश्य वंचित वर्गों का अपमान, भ्रम और धोखा देना है और मौका मिलते ही वे सिर्फ अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति करते हैं। चिराग पासवान ने महागठबंधन में हुए पूरी तरह के टूट की ओर इशारा कर कहा, इतनी गड़बड़ी के बावजूद अगर वे सत्ता की उम्मीद कर रहे हैं, तब यह मुंगेरी लाल के सपने के समान है। इस दौरान, चिराग पासवान ने राहुल गांधी पर भी तंज कसा। उन्होंने जलेबी का जिक्र कर कहा, वे जिस तरीके से हरियाणा में औंधे मुंह गिरे, बिहार में भी यही हाल होने वाला है।

महाराष्ट्र सरकार ने फसल क्षतिपूर्ति के लिए 648 करोड़ रुपये मंजूर किए

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने इस साल मानसून के दौरान अत्याधिक बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए 648.15 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह जानकारी राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद जाधव-पाटिल ने मंगलवार को दी। मंत्री जाधव-पाटिल ने बताया कि इस वर्ष राहत योजना में बदलाव करते हुए राहत सीमा को दो हेक्टेयर से बढ़ाकर तीन हेक्टेयर कर दिया गया है। इसका उद्देश्य वर्षा और बाढ़ प्रभावित किसानों को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस संबंध में सरकारी प्रस्ताव (जीआर) जारी कर दिया गया है। जाधव-पाटिल ने कहा कि राहत एवं पुनर्वास विभाग ने चालू खरीफ सत्र के दौरान प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों की सहायता के लिए अब तक लगभग 8,139 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस नए फैसले से 6,12,177 किसानों को लाभ मिलेगा और 6,56,310.83 हेक्टेयर प्रभावित फसल क्षेत्र को राहत योजना के दायरे में शामिल किया जाएगा। मंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार किसानों की हर संभव मदद सुनिश्चित कर रही है ताकि वे प्राकृतिक आपदाओं के आर्थिक नुकसान से जल्दी उबर सकें।

दिल्ली में प्रदूषण को लेकर सियासत शुरु आप ने सरकार पर साधा निशाना

ऑडिट रिपोर्ट में मंदिर के खजाने में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भयानक स्तर पर पहुंचे प्रदूषण को लेकर अब सियासत शुरु हो गई है। आप के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार ने बड़े-बड़े दावे किए थे कि दिवाली के बाद आर्टिफिशियल रेन कराकर हवा साफ कर दी जाएगी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा, पटाखा लॉबी को करोड़ों का फायदा हुआ है। सवाल यह है कि यह फायदा किसे बांटा गया? पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में अगर प्रतिबंधित पटाखे बिके, तो यह सीधी साठगांठ का मामला है। उन्होंने पूछा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने केवल ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, तो बाकी पटाखों की बिक्री कैसे हुई?

भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अब यह लगभग तय है कि बीजेपी सरकार का पटाखा लॉबी के साथ समझौता है। उन्होंने कहा, दिवाली की रात पीएम2.5 और पीएम10 का डेटा उपलब्ध क्यों नहीं है? डीपीसीसी के कई मॉनिटरिंग स्टेशन से जानकारी गायब क्यों थी? क्या सरकार अब प्रदूषण के आंकड़ों से छेड़छाड़ कर रही है? सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, जिस सरकार की मुख्यमंत्री को एक्यूआई भी सही से बोलना नहीं आता, वो आईक्यू, एआईक्यू, क्यू पता नहीं क्या बोलती हैं। उनसे प्रदूषण नियंत्रण की क्या उम्मीद की जाए? उन्होंने कहा कि बीजेपी अब वही डिफोमिंग एजेंट यमुना में डालकर दिखावा कर रही है, जिसके इस्तेमाल पर पहले वह आम आदमी पार्टी को कोसती थी। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली के पूर्व पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भी बीजेपी सरकार को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली का प्रदूषण रेड जोन में पहुंच गया है, लेकिन सरकार सिर्फ बयानबाजी में व्यस्त है। उन्होंने कहा बीते 20 दिनों में सरकार ने न तो कोई ठोस कदम उठाया और न ही कोई प्रभावी बातचीत की। जबकि विंटर एक्शन प्लान भी देर से घोषित किया गया। गोपाल राय ने कहा कि बीजेपी के पास अब कोई बहाना नहीं बचा है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और केंद्र सभी जगह बीजेपी की ही सरकार है। उन्होंने कहा, अगर प्रदूषण बाहरी इलाकों से आता है, तो भी जिम्मेदारी उन्हीं की बनती है। बीजेपी सरकार से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि, तुरंत प्रभावी कदम उठाए, क्योंकि आने वाले दिनों में प्रदूषण का स्तर और बढ़ सकता है1

बिजली का झटका, ट्रेन की टक्कर, अवैध शिकार से तेजी से कम हो रहे देश में हाथी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बीते आठ साल में हाथियों की संख्या में 25 फीसदी की कमी हुई है। 2017 के बाद पहली बार हुई हाथियों की गणना के मुताबिक, बिजली का झटका, ट्रेन की टक्कर, अवैध शिकार और आवास का नुकसान भारत भर में हाथियों की मौत के प्रमुख कारण हैं। देश में 2017 में 29,964 हाथी जो मौजूदा समय में घटकर 22,446 रह गए हैं। भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिक कमर कुरैशी ने कहा कि हाथियों को मारने वाली चीज आवास की हानि, बिजली का झटका और खेतों के चारों ओर जवाबी बाड़ लगाना है। वैज्ञानिक कुरैशी ने ही 14 अक्टूबर को जारी पहले डीएनए-आधारित हाथी जनसंख्या अध्ययन का नेतृत्व किया था।

भारत 1992 में शुरू की गई परियोजना हाथी के तहत 150 गलियारों को मान्यता देता है। लेकिन बढ़ती संख्या में-15 हाथी रेंज राज्यों में फैले अब सड़कों, पटरियों, बिजली लाइनों, खदानों और बस्तियों द्वारा प्रतिच्छेदित हैं। पश्चिमी घाट में, जहां सबसे अधिक 12,000 हाथी हैं। मध्य भारत में, खनन पट्टों ने कभी सटे हुए वन क्षेत्रों को खा लिया है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा संसदीय प्रस्तुतियों के आधार पर, 2017 और 2025 के बीच करीब 500 हाथियों की मौत बिजली के झटके से हुई। 100 हाथियों की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई और 50 हाथियों का अवैध शिकार हुआ। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि ये आंकड़े वास्तविक संख्या से कम होने की संभावना है, क्योंकि कई प्रविष्टियों को आंकड़ा उपलब्ध नहीं के रूप में चिह्नित किया गया है। एक रिपोर्ट में 3,452 किलोमीटर के क्षेत्रीय सर्वेक्षणों के आधार पर 14 राज्यों के 77 खंडों को हाथियों के लिए उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के रूप में बताया गया था। डब्ल्यूआईआई द्वारा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रेलवे और राज्य वन विभागों के सहयोग से तैयार की गई रिपोर्ट में 705 शमन संरचनाओं के निर्माण की सिफारिश की गई थी।

किस राज्य में कितने हाथी?

ताजा गणना में केरल (2,921), असम (1,560), मेघालय (1,077), ओडिशा (1,064) और अरुणाचल प्रदेश (997) में सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई। कुछ राज्यों ने मामूली वृद्धि हुई, जिसमें टीएन (375), छत्तीसगढ़ (204), पश्चिम बंगाल (188), एमपी (90) और महाराष्ट्र (57) शामिल हैं। आईयूसीएन एशियाई हाथी विशेषज्ञ समूह के सदस्य कौशिक बरुआ ने कहा कि 2024 में अंतिम अनुमान अभ्यास के दौरान, असम ने कुल गणना पद्धति का उपयोग किया, जो हमारे इलाके के लिए सबसे उपयुक्त है।

जेल में बरसाती नाले में डूबने से दो कैदियों की मौत, तिहाड़ में हत्या की सजा काट रहे थे दोनों

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में शुक्रवार को दो कैदियों की बरसाती नाले में डूबने से मौत हो गई है। मृतकों की शिनाख्त अमित व विनय के रूप में हुई है। दोनों जेल संख्या आठ- नौ में हत्या के मामले में सजायाफ्ता थे। जेल प्रशासन सीसीटीवी कैमरे की मदद से इस बात की जांच कर रही है कि दोनों कैदी कैसे डूबे। शुरुआती जांच में लापरवाही बरतने के आरोप में जेल मुख्यालय ने उपाधीक्षक, सहायक अधीक्षक व हेड वार्डर को निलंबित कर दिया है। मामले की जांच की जिम्मेदारी जेल के डीआइजी को सौंपी गई है। घटना की न्यायिक व पुलिस जांच भी की जा रही है। जेल के अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक घटना शुक्रवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे की है। जेल में बंद अमित व विनय को बागवानी की जिम्मेदारी दी गई थी। बागवानी से जुड़े काम के लिए दोनों कैदी जेल की दो बाहरी दीवार के बीच बने रास्ते से काम करने के लिए जा रहे थे। जिस रास्ते से दोनों जा रहे थे, उस रास्ते से करीब 15 फीट गहरा बरसाती नाला गुजरता है। यह नाला ऊपर से ढका है, लेकिन जगह जगह इसमें ढक्कन लगे हैं। सूत्रों का कहना है कि कुछ जगहों पर ढक्कन पूरी तरह बंद नहीं है या ढक्कन गायब हैं। सुबह साढ़े आठ बजे जेल के वाच टावर पर तैनात आइटीबीपी के एक जवान ने इसमें एक कैदी को गिरता हुआ देखा। उन्होंने शोर मचाया। जब लोग वहां पहुंचे तो पाया कि नाले में दो कैदी अचेत पड़े हैं। दोनों को नाले से बाहर निकाला गया। इन्हें मौके पर ही सीपीआर दिया गया। इनके शरीर में थोड़ी हलचल होने पर दोनों को तुरंत जेल के अस्पताल और फिर डीडीयू अस्पताल भेजा गया, जहां दोनों ने दम तोड़ दिया। जेल सूत्रों का कहना है कि दोनों कैदी को नाले की सफाई के लिए नहीं भेजा गया था। ऐसे हालत में वह किसके कहने पर नाले के पास गए थे। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। जेल प्रशासन का कहना है कि जेल में नाले की सफाई का काम कैदी नहीं करते। यह जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग की है।

मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त चार बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के मादक द्रव्य निरोधक शाखा ने मादक पदार्थों की आपूर्ति में लिप्त चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से ब्यूप्रेनॉर्फिन की दो हजार से अधिक गोलियां और एविल इंजेक्शन की करीब दस हजार शीशियां बरामद की गई है। आरोपियों की पहचान कुलदीप कुमरा, रोहित गोयल, सतीश और सिद्धार्थ बंसवाल के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि 31 जुलाई को पुलिस को मादक पदार्थों के तस्करी करने वाले गिरोह के एक बदमाश के बारे में सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने कबीर बस्ती मलका गंज स्थित एक घर में छापा मारा। वहां से कुलदीप कुमार को गिरफ्तार किया। घर की तलाशी के दौरान ब्यूप्रेनॉर्फिन की 133 गोलियां और एविल इंजेक्शन की 420 शीशियां बरामद की गईं। पूछताछ में कुलदीप ने बताया कि उसने बरामद मादक पदार्थ संतनगर निवासी रोहित गोयल से खरीदे थे और उन्हें अवैध रूप से बेचता था। 2 अगस्त को पुलिस ने दबिश देकर रोहित गोयल को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रोहित गोयल ने बताया कि यह दवा और इंजेक्शन उसने भलस्वा डेयरी निवासी सतीश से खरीदी थी। पुलिस ने उसके निशानदेही पर सतीश को गिरफ्तार कर लिया। उसके घर की तलाशी लेने पर ब्यूप्रेनॉर्फिन रोहित गोयल, सतीश और सिद्धार्थ बंसवाल के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि 31 जुलाई को पुलिस को मादक पदार्थों के तस्करी करने वाले गिरोह के एक बदमाश के बारे में सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने कबीर बस्ती मलका गंज करीब दो हजार गोलियां और एविल इंजेक्शन की 4700 शीशियां बरामद हुईं। आरोपी सतीश कुमार ने पूछताछ में बताया कि उसने एविल इंजेक्शन चावड़ी निवासी सिद्धार्थ बंसवाल और ब्यूप्रेनॉर्फिन गोलियां बुराड़ी निवासी वंश त्यागी से खरीदी थी। 5 अगस्त को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सीता राम बाजार चावड़ी बाजार स्थित सिद्धार्थ बंसवाल के घर पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया। घर की तलाशी के दौरान एविल इंजेक्शन की कुल 4800 शीशियां बरामद हुईं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुलदीप ई-रिक्शा चलाता है और रोहित गोयल फास्ट फ़ूड बेचने का काम करता है। वहीं, सतीश अपने घर के पास एक छोटा सा मेडिकल स्टोर चलाता है। सिद्धार्थ बंसवाल एक मेडिकल स्टोर में काम करता है। चारों जल्दी अमीर बनने के चक्कर में दवाओं की तस्करी करने लगे।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी विशाल उर्फ काकू, हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिल्लू, सुमित उर्फ सिंचू और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है। इन आरोपियों में से हिमांशु, किशन और चेतन पर पहले से हत्या का एक मामला दर्ज है। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि चार अगस्त देर रात नंद नगरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि आशीष पर चार से पांच व्यक्तियों ने हमला कर दिया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि चार अगस्त को आशीष अपने दोस्तों के साथ वाल्मीकि मार्ग पर पार्टी करने के लिए गया था। पार्टी के दौरान आशीष और उसके दोस्तों में झगड़ा हो गया, जिसके बाद सभी दोस्तों ने मिलकर आशीष के साथ मारपीट की। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दोस्त उसे वहीं पर छोड़कर भाग गए। सूचना मिलने के बाद जब तक पुलिस घटनास्थल तक पहुंची तब तक आशीष के परिजन उसे जीटीबी अस्पताल ले जा चुके थे।

उपचार के दौरान आठ अगस्त को उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

दूषित भूजल से निपटने में लापरवाही पर एनजीटी की फटकार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने आवासीय सोसाइटियों में खराब और दोषपूर्ण वर्षा जल संचयन प्रणालियों (आरडब्ल्यूएच) के चलते द्वारका में भूजल प्रदूषण से निपटने में दिल्ली के अधिकारियों की तरफ से की गई अपर्याप्त कार्रवाई पर फटकार लगाई है। ऐसे में अदालत ने डीजेबी और डीपीसीसी को चार सप्ताह के अंदर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा। साथ ही, आवेदक को कानूनी सलाहकार नियुक्त करने का समय दिया। मामले में अगली सुनवाई 4 नवंबर को होगी। अदालत ने यह भी नोट किया कि मूल 2021 के आदेश में डीजेबी, डीपीसीसी और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को शामिल करते हुए संयुक्त सुधारात्मक कार्य योजना अनिवार्य की गई थी। चूंकि सीपीसीबी को मौजूदा निष्पादन कार्यवाही में पक्ष नहीं बनाया गया था, इसलिए आवेदक को इसे शामिल करने के लिए उचित कदम उठाने की अनुमति दी गई। यह मामला 2021 में दायर एक मूल आवेदन से उत्पन्न हुआ है, जिसमें द्वारका की आवासीय कॉलोनियों में दोषपूर्ण या उपेक्षित वर्षा जल संचयन बुनियादी ढांचे के कारण भूजल प्रदूषण के बारे में चिंता जताई गई थी। एनजीटी ने पहले डीजेबी, डीपीसीसी और सीपीसीबी द्वारा एक संयुक्त कार्य योजना सहित सुधारात्मक उपायों का आदेश दिया था। सुनवाई के दौरान आवेदक महेश चंद्र सक्सेना अधिकरण के सामने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने संबंधित एजेंसियों की तरफ से पूर्व में जारी किए गए उपचारात्मक निर्देशों को लागू करने में निरंतर विफलता पर जोर दिया। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने 22 जुलाई, 2025 को पुनः प्रस्तुत की गई एक नई रिपोर्ट में द्वारका में 176 आवासीय सोसाइटियों में किए गए एक सर्वेक्षण के चौंकाने वाले निष्कर्ष उचित कदम उठाने की अनुमति दी गई। यह मामला 2021 में दायर एक मूल आवेदन से उत्पन्न हुआ है, जिसमें द्वारका की आवासीय कॉलोनियों में दोषपूर्ण या उपेक्षित वर्षा जल संचयन बुनियादी प्रस्तुत किए गए। डीजेबी की रिपोर्ट से पता चला कि 115 सोसाइटियों में भूजल फीकल कोलीफॉर्म से दूषित था। चार सोसाइटियों में वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) प्रणालियां पूरी तरह से निष्क्रिय थीं। 25 सोसाइटियों में सूखे गड्ढे थे और केवल 32 सोसाइटियों में फीकल कोलीफॉर्म की कोई उपस्थिति नहीं पाई गई। अदालत ने पाया कि डीजेबी ने पहले 20 जनवरी, 2025 को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को सूचित किया था, जिसमें चूक करने वाली सोसाइटियों पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति (ईसी) लगाने की सिफारिश की गई थी। हालांकि, एनजीटी के समक्ष कोई ठोस अनुवर्ती कार्रवाई प्रस्तुत नहीं की गई, जिससे प्रवर्तन को लेकर चिंताएं पैदा हुईं।

बेटी ने तवे से पीटकर उतार दिया पिता को मौत के घाट

दिल्ली। शाहदरा जिले के मानसरोवर पार्क इलाके में बुधवार दोपहर युवती ने अपने ही पिता को रोटी पकाने वाले तवे से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। मृतक की शिनाख्त टेकचंद गोयल (55) के रूप में हुई है। दरअसल बेटी अन्नू (32) की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। पिता बेटी से दवाई खाने के लिए कह रहा था। इससे अचानक अन्नू आग बबूला हो गई और उसने पास रखा तवा उठाकर पिता पर हमला कर दिया। जब तक बाकी परिजन उसे पकड़ पाते उसने पिता के सिर पर कई वार कर दिए। पिता को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां टेकचंद को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने अन्नू को हिरासत में ले लिया है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 3.56 बजे वारदात की सूचना मिली। अस्पताल में मौजूद टेकचंद के बेटे से पुलिस ने पूछताछ की। शिवम ने पुलिस को बताया कि उनकी बहन मानसिक रूप से बीमार है। पिता उसको दवाई देने का प्रयास कर रहे थे। उस समय उसकी मां बाला देवी और शिवम की पत्नी प्रिया भी वहां मौजूद थी। अचानक अन्नू ने पिता पर तवे से हमला कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अन्नू के इलाज के पेपर भी मांगे गए हैं। इसके अलावा टेकचंद की पत्नी और बेटे शिवम की पत्नी के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। बाकी रिश्तेदारों और पड़ोसियों से भी पूछताछ की जा रही है।

खेलते हुए मेनहोल में गिरा तीन साल का बच्चा, तलाश जारी; मशीन से तोड़ी जा रही गली

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी जिला के खेड़ा खुर्द गांव में शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। तीन साल का मासूम निकुंज खेलते समय एक खुले मेनहोल में गिर गया। घटना के बाद से बच्चे की तलाश में बड़े पैमाने पर राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया है, लेकिन अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। स्थानीय पुलिस और राहत बचाव दल मौके पर मौजूद हैं। बच्चे को ढूंढने के लिए गली को अर्थ मूवर मशीन से तोड़ा जा रहा है, ताकि सीवर लाइन के अंदर फंसे बच्चे का पता लगाया जा सके। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, निकुंज सुबह खेलते समय अचानक मेनहोल में गिर गया, जो संभवतः खुला छोड़ दिया गया था। स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खुले मेनहोल की वजह से पहले भी कई बार खतरा उत्पन्न हो चुका है, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और राहत कार्यों को तेज करने के लिए लगाया जा सके। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, निकुंज सुबह खेलते समय अचानक मेनहोल में गिर गया, जो संभवतः खुला छोड़अतिरिक्त संसाधन जुटाए जा रहे हैं। बच्चे के परिजन और स्थानीय निवासी मौके पर मौजूद हैं और निकुंज की सलामती की दुआ कर रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से धैर्य बनाए रखने और बचाव कार्य में सहयोग करने की अपील की है। फिलहाल, सभी की निगाहें राहत दल की कोशिशों पर टिकी हैं, जो बच्चे को सुरक्षित निकालने के लिए जुटे हुए हैं।

कड़कड़डूमा के अस्पताल में लगी आग, एक की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में आज शनिवार को आग लगने की खबर सामने आई है। कड़कड़डूमा के कॉसमॉस अस्पताल में आग लगी है। जहां दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं। आग की घटना के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग घायल हो गए। घायलों में से सात को आनंद विहार अस्पताल में ही भर्ती कराया गया है,

पुरानी गाड़ियों पर बैन को लेकर सीएक्यूएम का बड़ा खुलासा, कोई रिसर्च नहीं की गई

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में 10 साल से पुरानी डीजल और 15 साल से पुरानी पेट्रोल गाड़ियों पर लगे बैन को लेकर अब एक अहम जानकारी सामने आई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (ष्टक्तरू) (सीएक्यूएम) ने खुद स्वीकार किया है कि इस फैसले के पीछे किसी भी तरह की वैज्ञानिक शोध या अध्ययन नहीं किया गया है। ये जानकारी पर्यावरण कार्यकर्ता अमित गुप्ता द्वारा दायर की गई एक आरटीआई के जवाब में सामने आई। जब आयोग से पूछा गया कि फिर किस आधार पर ये बैन लगाया गया, तो उन्होंने कहा कि यह फैसला नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (ह्वत्रञ्ज) (एनजीटी) के %वर्धमान कौशिक बनाम भारत सरकार% केस और सुप्रीम कोर्ट के एमसी मेहता बनाम भारत सरकार% केस के आदेशों के आधार पर लिया गया है। यानी कि यह प्रतिबंध कोर्ट के निर्देशों को मानते हुए लागू किया गया, न कि किसी नए शोध या अध्ययन के आधार पर। हाल ही में सीएक्यूएम ने एक और आदेश में कहा था कि 1 जुलाई से जो फ्यूल स्टेशन पर पुरानी गाड़ियों को पेट्रोल या डीजल न देने का निर्देश था, उसे 31 अक्तूबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। दिल्ली सरकार ने इसे लागू करने में ऑपरेशनल और इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी दिक्कतें बताते हुए वक्त मांगा था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में इस समय लगभग 62 लाख पुरानी गाड़ियां हैं, जिनमें से करीब 41 लाख दोपहिया वाहन हैं। पूरे एनसीआर क्षेत्र में ऐसे वाहनों की संख्या 44 लाख के आसपास है, जिनमें से अधिकतर गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर और सोनीपत जैसे शहरों में हैं। सीएक्यूएम का प्लान था कि इन पुरानी गाड़ियों की पहचान हक्क्र (ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकग्निशन) कैमरों के जरिए की जाए, ताकि उन्हें फ्यूल स्टेशन से पेट्रोल-डीजल देने से रोका जा सके। ये सिस्टम गाड़ी की नंबर प्लेट को पढ़कर उसे वाहन डाटाबेस से मिलाता है। लेकिन दिल्ली सरकार ने बताया कि यह सिस्टम अभी तकनीकी खामियों से जूझ रहा है। जैसे सॉफ्टवेयर की दिक्कतें, कैमरों की गलत जगहों पर फिटिंग, सेंसर खराब होना और आस-पास के राज्यों के डाटाबेस से सही तरीके से कनेक्शन न होना। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी कई बार दिल्ली-एनसीआर में पुरानी और प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों को हटाने में हो रही देरी को लेकर अधिकारियों को फटकार लगा चुके हैं। अब जबकि खुद सरकार ये मान रही है कि सिस्टम में खामियां हैं और खुद सीएक्यूएम ये मानता है कि कोई रिसर्च नहीं हुई, तो यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या सिर्फ पुराने कोर्ट ऑर्डर के आधार पर करोड़ों लोगों की गाड़ियों पर पाबंदी लगाना सही है? दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक पुनर्विचार याचिका भी दायर की है, जिसमें 2018 में लगाए गए इस प्रतिबंध पर फिर से विचार करने की मांग की गई है। अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में कोर्ट और सरकार इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाते हैं।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

PUBLIC NOTICE

I, Ifrah Badar, daughter of Badrul Hasan and Nikhath Naim, resident of E-7, Common West Nizamuddin, South Delhi – 110013, hereby declare that my date of birth has been incorrectly mentioned as 25/06/2001 in my CBSE 10th Class Marksheet (Year 2017). My correct date of birth is 25/01/2002 as per my Aadhaar Card and Passport. Henceforth, my correct date of birth shall be read as 25 January 2002 for all official and record purposes.

NAME CHANGE

I VIRENDRA SINGH DEDHA S/O VIKRAM SINGH R/O H.N0-80 GULAWALI, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201304 HAVE CHANGE MY NAME TO VIRENDRA SINGH FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, ISRAIL ANSARI S/O. ABDUL WAHID R/O HOUSE NO 165 Gali No 5, NEAR TELEPHONE EXCHANGE EXTENSION SAMALKHA, SOUTH WEST DELHI 110037, I HAVE CHANGED MY NAME MOHD ISRAIL FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I,JUGAL KISHORE, S/O, ROSHAN LAL, R/O C-1081 B,2ND FLOOR, SUSHANT LOK-1,GURGAON, HARYANA-122001,HAVE CHANGED MY NAME TO JUGAL KISHORE GUPTA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client 1. Mr. Deepak Saini 2. Mr. Suraj Saini S/o Mr. Puran Chand Saini Alias Puran Chand are the owner of Freehold Residential Built-up Property Bearing No.175-A area measuring 80 Sq. Yds. i.e. 66.88 Sq. Mtrs. out of Khasra No.12/27 Situated in the Abadi of Ram Nagar Now Known as Ram Nagar Extension in the area of Village Khureji Khas, Illaqa Shahdara, Delhi-110051., by virtue of Regd. GPA in Family & Will & Notarized Agreement to Gift dated 21.05.2025 which is duly regd., Vide Doc No.2025/4/IV/1194, Book No.4, Volume No.5171, on Page Nos.1-10, Registered on 21.05.2025, in S.R-East Geeta Colony., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Same property Gift to be his wife Mrs. Preeti Saini and Others and same has been finance by AAVAS FINANCIERS LIMITED. Branch: Gurgaon, Haryana If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I Vinod Kumar S/o Mangru Ram R/o House No-z-105, Mahendra Enclave, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed the name of my minor son Devansh Kumar aged 8 years and he shall hereafter be known as Kulvik.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Sourav Mehta S/O: Umesh Kumar Mehto, R/O House No- 47/ A, Gali No- 15, Block- A, Baba Colony, Burari, North Delhi, Delhi-110084, declare that name of my father has been wrongly written as Umesh Mehta in my OBC certificate no 90500000630164. The actual name of my father is UMESH KUMAR MEHTO, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

All concerned are hereby informed through this Public Notice that my clients; Sh. Dev Raj Sharma, S/o Late Sh. Shiv Chand & Smt. Nirmala Devi W/o Dev Raj Sharma both R/o RZ B-1/147, Ambadker Gali No.3, Vijay Enclave, Palam Village, South West Delhi, Delhi-110045, has seized all relations from his Son namely Raj Kumar S/o Sh. Dev Raj Sharma, have disowned, debarred him from all their moveable and immoveable properties as he is not under their control. My clients shall not be held responsible for any of their acts, deeds and things. Anyone dealing with them shall be dealing so as per his/her/their own risk, cost and consequences.

(Pramod Kumar) Advocate
Office at: RZF-902/1,
Shivalaya Apartment,
UG-05, Raj Nagar-II, Palam Colony,
New Delhi-110077
Contact: 8527122010
Email:
adv.pramodkr007@gmail.com

NAME CHANGE

I, NASREEN W/O SHUAIB HASSAN R/O 2658 4TH FLOOR GALI BADLIYAN CHURIWALAN DELHI-110006, HAVE CHANGED MY NAME NASREEN JAHAN.

NAME CHANGE

I, NABI AHMAD S/O MOHAMMAD ILIYAS R/O 3821 GALI HAFIZ BANE WALI CHURIWALAN DELHI-110006, HAVE CHANGED MY NAME TO NABI AHMED.

NAME CHANGE

I, ANIS AHMED S/O MOHAMMED SAEED R/O HOUSE NO.1904 GALI KOLIYAN SUIWALAN DARYA GANJ NEW DELHI-110002, HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD ANIS.

NAME CHANGE

I, AMJAD ALI S/O AKBAR ALI Residing at H NO-E-605 GALI NO 2 MASJID WALI GALICHOTI MASJID, BABARPUR, Delhi, 110032 Have Changed My Name To AMZAD ALI For All Future Purpose.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, AMITA KISHORI XESS D/O EDMOND XESS W/O VINCENT TIGGA R/O 192, THIRD FLOOR, TYPE-2, SECTOR-2. SADIQ NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110049, declare that name of mine has been wrongly written as AMITA TIGGA in my minor daughter's namely ISHA PRIYA TIGGA aged 13 years in her School Record. The actual name of mine is AMITA KISHORI XESS which may be amended accordingly.

Date of Birth Change

I, KAVITA JHA W/O LATE MANOJ KUMAR JHA R/O H NO-612 A, UGF KHASRA NO-278, FLAT NO-2, VILLAGE SAIDUL AZAIB, SOUTH DELHI, DELHI-110030 declare That my actual and correct date of birth is 02.01.1967 instead of 31.12.1965 which is wrongly mentioned in my Service records.

NAME CHANGE

I, MOHD HASIM ANSARI ALIAS MOHD HASIM S/O VALI MIYAN R/O H NO C-222 GALI NO-5 KH NO-118/21 MADHU VIHAR NEAR MASJID UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS MOHD HASIM ANSARI.

NAME CHANGE

I, ASUN BEGUM ALIAS AYSUN BEGUM W/O MOHD HASIM ANSARI R/O H NO C-222 GALI NO-5 KH NO-118/21 MADHU VIHAR NEAR MASJID UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS ASUN BEGUM .

NAME CHANGE

I, Jitendra Kumar S/o Mohan Lal R/o H.No.3245, Third Floor, Gali Door Wali Bazar, Mori Gate, Delhi-110006 have changed my name to Jitender Kumar.

NAME CHANGE

I, Mehtab Ahmad Khan S/o Hilal Ahmad Khan R/o House No.-3, D-Block-1, DDA Flats, Sarai Kale Khan, Delhi-110013 have changed my name to Mehtab Ahmed Khan.

NAME CHANGE

I Vedpal Singh, S/o sh. Randhr singh, R/o Plot no. 62A, Roshan Garden, MS Block, Najafgarh, New Delhi-110043 Debarred son Naveen Sehrawat along with his Wife Neetu from all movable and Immovable properties

NAME CHANGE

I Monu Gupta S/o Ashok Kumar R/o House No-19A Near Ramesh Atta Chakki, Jhateekara, Jhatikra, Najafgarh, South West Delhi, Delhi-110043 have changed the name of my minor daughter Khushi Goyal aged 14 years and she shall hereafter be known as Lavanya.

NAME CHANGE

I MAMTA DEDHA W/O VIRENDRA SINGH R/O H.N0-80 GULAWALI, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201304 HAVE CHANGE MY NAME TO MAMTA FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, Banashri Samanta W/o Samarendra Nath Samanta R/o 368, 2Nd Floor, Ashirwad Apartment, A-Block Kondli Gharoli, Mayur Vihar Phase-3, Delhi-110096 have changed my name to Banashree Samanta for all future purposes

NAME CHANGE

I SAMIRUL NISHA W/O MOHD AFAAK AHMAD R/O HOUSE NO-G-42B/8A RATIYA MARG SANGAM VIHAR SOUTH DELHI-110062 HAVE CHANGED MY NAME TO BEGUM SAMIRUL NISHA

NAME CHANGE

I AAFAK AHMED S/O MOHD HANEEF R/O HOUSE NO-G-42B/8A RATIYA MARG SANGAM VIHAR SOUTH DELHI-110062
HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD AFAAK AHMAD

NAME CHANGE

I CH AJIT SINGH S/O CHOUDHARY KARTAR SINGH R/O HOUSE NO-445 CHOUDHARY KARTAR SINGH FORM HOUSE GALI NO-9 JAGAT PUR VILLAGE BURARI NORTH DELHI 110084 HAVE CHANGED MY NAME TO AJIT SINGH

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that I Paramjeet Singh H No.164 3rd floor, Vinoba puri, Lajpat Nagar - 2, New Delhi - 110024 have severed all my relations with my son Satnam Singh and his wife Jaspreet Kaur (D/o Surjit Singh). I have renounced and disowned my son Satnam Singh and his wife Jaspreet Kaur from all the self-acquired moveable as well as immovable properties. I shall have no concern or relations of any sort with them. Thus anybody dealing with said Satnam Singh and his wife Jaspreet Kaur for anything shall do so at his/her on risk and it shall not be binding on me and I shall not be responsible for all their acts, deeds and things.

Paramjeet Singh

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Sukhpal Giri , Omdutt Giri Goswami in respect of First Floor without roof rights (Floor) situated at Built up Property on land area measuring 50 Sq.Yds , Khasra no. 176/4, Bearing Property No. B-202, Situated at Village Ghonda Gujran Banger , in the abadi of Gali No. 1, Mandir wali Gali, North Ghonda, Illaqa Shahdara, Delhi-110053 claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which Piramal Finance Limited will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, Deepak Kumar S/o Zile Singh R/o H.No.55, Saini Wali Gali, Near Saini Dharamshala, Rampura, Onkar Nagar, Delhi-110035 have changed my name to Deepak Saini.

NAME CHANGE

I hitherto known as Pratima Kumari W/O: Vikas, R/O 847 gali no 8, pragati vihar, khora colony PO Ghaziabad, District: Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201001, have changed my name and shall hereafter be known as PRATIBHA KUMARI.

NAME CHANGE

I, Nasir Husain Mardan Siddique s/o Mardan R/o 227/14, Ward No.18, Katoratal, Eye Hospital Road, Kashipur, Udham Singh Nagar-244713, Uttarakhand, have changed my name to Nasir Hussain for all future purposes

NAME CHANGE

I, Mohammad Nasir s/o Mardan R/o 227/14, Ward No.18, Katoratal, Eye Hospital Road, Kashipur, Udham Singh Nagar-244713, Uttarakhand, have changed my name to Nasir Hussain for all future purposes

NAME CHANGE

I, SHEETA GUPTA W/o Laxman Gupta R/o J-301/1, G/F, Gali No-11, Pusta-3, Kartar Nagar, Usmanpur, Yamuna Vihar, Delhi-110053, have changed my name to SHEELA GUPTA permanently

NAME CHANGE

I, MEENAKSHI DEVI W/o Kuldeep Singh Negi R/o B-18, Gali No.1, West Vinod Nagar, Delhi-110092 have changed my name to MEENAKSHI NEGI permanently

NAME CHANGE

I, SANGEETA NARANG W/o Rajiv Narang R/o E-233, Ground Floor, Naraina Vihar, Delhi-110028, have changed my name to SANGITA NARANG permanently

NAME CHANGE

It is for general information that I ROHIT KUMAR S/O YASH PAL SINGH Permanent resident of House No. 17, Saidpur, Husainpur Dilna, Police Station Bhojpur, Tehsil Modi Nagar, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204, Presents residence of Deelna, VTC: Saidpur Husainapur, PO: Modi Nagar, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204 declare that name of mine and my father has been wrongly written as RENU and ROHIT KUMAR in my Aadhaar Card No. 296205883601. The actual name of mine and my father are ROHIT KUMAR and YASH PAL SINGH Respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I SANJAY KUMAR S/O PADAM KUMAR JAIN R/O B- 133 , 2 ND FLOOR PUSHPANJALI ENCLAVE PITAM PURA DELHI- 110034,I have changed my name to SANJAY JAIN Permanently

NAME CHANGE

I Ansh Nasa S/O Subodh Kumar R/O. H.no-K-2/76-A/1, Block K-2, Mohan Garden, Uttam Nagar Delhi - 110059 changed my name to Ansh Nassa.

NAME CHANGE

I Ramesh Kumar S/O Shiv Nandan R/O. D-1/11A-Phase-5- Om Vihar, Uttam Nagar Delhi - 110059 changed my name to Ramesh Bhagat.

NAME CHANGE

I Sachin S/O Raju Kumar R/O. Ho.no-19, Gali No-11,Shani Bazar Sehtpur, Faridabad, Haryana 121003 changed my name to Sachin Kumar.

NAME CHANGE

I Sanjeev S/O Brijpal Singh R/O. RZ-T-1/229- Dayal park, West Sagar Pur, Delhi-110046 changed my name to Sanjeev Kumar.

NAME CHANGE

I Brij Pal S/O Jagbir Singh R/O. RZ-T-1/229- Dayal park, West Sagar Pur, Delhi-110046 changed my name to Brij Pal Singh.

NAME CHANGE

I, KIRAN DEVI PRABHA Mother of No-17002057M Rank-HAV Name-GAURI SHANKAR SINGH residing at VPO-KASMA MARAR, TEHSIL-MADHUBANI, DIST-MADHUBANI, BIHAR-847228, have changed my name from KIRAN DEVI PRABHA to KIRAN KUMARI PRABHA for all future purposes vide Affidavit dated 22/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-15426534H, Rank-HAV Name-MUNESHWAR KUMAR residing at VILL-NAUGARH, PO-NEWARI, DIST-JEHANABAD, BIHAR-804425, have changed my mother's name from LAL BADAN DEVI to LALBADAT DEVI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 05/03/1963 instead of her correct date of birth as 01/01/1955 vide Affidavit dated 22/10/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, NO-15426534H, Rank-HAV Name-MUNESHWAR KUMAR residing at VILL-NAUGARH, PO-NEWARI, DIST-JEHANABAD, BIHAR-804425, in my service records my father's (KANHAIYA LAL SHARMA) date of birth wrongly mentioned as 10/08/1957 instead of his correct date of birth as 01/01/1953 vide Affidavit dated 22/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JATIN KUMAR S/O ANAND KUMAR residence of C-1/41, GALI NO-5, RAJA PURI, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI- 110059 have changed my name to JATIN for all future purpose.

NAME CHANGE

I hitherto known as Chandra kala W/O JAI SINGH, R/O FLAT NO 67 B, RBI COLONY, Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi-110088, have changed my name and shall hereafter be known as Chanderkala.

NAME CHANGE

I,PRADEEP KUMAR DHINGRA S/o Sukhbir Singh, R/o D-5/357, Sangam Vihar, Hamdard Nagar, Delhi-110062, have changed the name of my minor son ARYAN aged 09 years and he shall hereafter be known as AARAV KUMAR DHINGRA.

NAME CHANGE

I, DEEPA wife of No.-15691430Y, Rank-NK, Name-VIKRAM SINGH residing at M K BUNGLOWS, HOUSE NO-16, MOTERA KOTESHWAR, DIST –AHMEDABAD, GUJARAT-380005, have changed my name from DEEPA to DEEPA VIKRAM SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 22/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I NAJMA BEGUM W/O MOHD YUNUS R/O 3584 GALI SANGTARASHAN BARA HINDU RAO DELHI-110006 HAVE CHANGED MY NAME TO NAGAMA

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that **Muthoot Homefin (India) Ltd.,** having its branch office at Gurgaon, Haryana, intends to extend a financial facility to Mr. Syed Thala Ali against the security of Residential Flat No. 7, on 3rd Floor, without roof rights, area measuring 396 sq. ft., Built on House No. 895/C-12, Landarea measuring 500 Sq. Yds., in Ward No. 8, out of Khasra No. 1151/3Min, (Old Khasra No. 1665), situated in the Urbanized Village Mehrauli, New Delhi-110030. The said property was previously owned by Mr. Kamran Rizwan Shaikh S/o Mohd. Rizwan & Mrs. Zakia Sultana W/o Mr. Mr. Kamran Rizwan Shaikh, who derived title thereto by virtue of a Sale Deed bearing Document No. 2250 on 30.03.2021, executed by Mr. Narender S/o Mr. Sukhbir Singh, Mr. Jatin Rana S/o Mr. Surender Kumar, Mr. Mayank Kumar S/o Mr. Sudarshan Kumar, Mrs. Saroj Sharma W/o Mr. Jag Mohan Sharma & Mrs. Farhana W/o Mr. Zahid Ali Khan. It is hereby further notified that the Original Sale Deed, duly registered as Document No. 2550 dated 30.03.2025, has been misplaced/lost and remain untraceable. In this regard, a report has been lodged with the PS Mehrauli/ E-Police Station, vide LR No. 3291021/2025, Dated 17.10.2025.
Accordingly, any person(s), individual(s), or entity (les) having any claim, right, title, interest, lien, or objection whatsoever in respect of the aforementioned property or against the proposed mortgage in favour of PNB Housing Finance Ltd., are hereby called upon to submit their claims/objections in writing, along with supporting documents, to the undersigned within seven (7) days from the date of publication of this notice. Claims or objections, if any, may be submitted to Adv. Rishi Maheshwari (Mobile No.:- +91-9340118309). In the absence of any response within the stipulated time period, it shall be presumed that there are no claims, objections, or encumbrances pertaining to the said property, and the proposed transaction shall be completed without any further reference or demur.

Rishi Maheshwari (Advocate)
Office - RZ-29, Upper Ground Floor,
Bhagwati Garden Jain Road Near
Dwarka More,
New Delhi 110059
Contact No - 09340118309

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

प्रदेश के अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया जाएगा : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की पहल पर पंचकूला जिले के नागरिकों को इस दिवाली के अवसर पर बड़ा स्वास्थ्य उपहार मिला है।राज्य की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के विशेष प्रयासों से सिविल अस्पताल पंचकूला को लगभग एक करोड़ रुपए की लागत की अत्याधुनिक कलर डॉप्लर अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध कराई गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इस आधुनिक मशीन के लगने से पंचकूला जिले के मरीजों को अब और अधिक सटीक व उच्च गुणवत्ता वाली डॉयग्नोस्टिक सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि यह मशीन गर्भवती महिलाओं, हृदय रोगियों और अन्य गंभीर बीमारियों के समय पर निदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि सिविल अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ चिकित्सकों से सुसज्जित किया जाए ताकि लोगों को सभी आवश्यक सुविधाएं अपने ही जिले में मिल सकें। आरती सिंह राव ने बताया कि यह मशीन शीघ्र ही अस्पताल में कार्य करना शुरू कर देगी, जिससे क्षेत्र के हजारों लोगों को तत्काल लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आगामी समय में भी प्रदेश के सभी अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा उपकरण और संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे।

जवानों की शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता : एसपी कुलदीप सिंह

जींद। पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक स्थल पर उन शहीदों को याद किया गया, जिन्होंने 21 अक्टूबर 1959 से लेकर अब तक अपने कर्तव्य पथ पर चलते हुए अपना जीवन देश के नाम न्यौछावर कर दिया। कर्तव्य का निर्वाह करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को जींद पुलिस लाइन में श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। पुलिस शहीद स्मृति दिवस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने शहीदों को नमन किया। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने कहा कि देश की सेवा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले जवानों की शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उनके बलिदान से हमें अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा एवं साहस की प्रेरणा मिलती है। इस समारोह में जिले के पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शहीदों के परिजनों ने भाग लिया । सभी ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र एवं पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि विगत एक वर्ष में देशभर में ड्यूटी के दौरान 191 पुलिस एवं अर्धसैनिक बलों के जवानों ने राष्ट्र सेवा में अपने प्राणों का बलिदान दिया है। इन सभी वीर सपूतों को याद किया गया और उनके नामों का उच्चारण कर श्रद्धांजलि दी गई। पुलिस अधीक्षक ने अपने संबोधन में पुलिस स्मृति दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिवस हर वर्ष 21 अक्टूबर को उन 10 वीर पुलिस कर्मियों की स्मृति में मनाया जाता है, जो 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में चीन के सैनिकों द्वारा किए गए हमले में शहीद हुए थे।

नारनौल में पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नारनौल। नारनौल में पुलिस स्मृति दिवस पर वीर शहीदों को याद किया गया। पुलिस लाइन में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने देश में अपने कर्तव्य के दौरान शहीद हुए पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ डीएसपी भारत भूषण, डीएसपी सुरेश कुमार, डीएसपी दिनेश कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी अमर जवान स्मारक पर पुष्पमालाएं और श्रद्धा सुमन अर्पित किए। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस पूरे भारत में पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है। हम देशसेवा में शहीद हुए सभी पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि देते हैं। उनके बलिदान और सेवा को हमेशा याद किया जाएगा। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक ने शहीद सूबे सिंह के पुत्र सतेंद्र को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर तथा शहीद रघुनंदन की पत्नी कृष्णा देवी को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि यह दिवस 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के 'हॉट स्प्रिंग्स' में चीनी सैनिकों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में शहीद हुए 10 भारतीय पुलिसकर्मियों के शौर्य और बलिदान की याद में मनाया जाता है।

सफाई कर्मचारियों की चेतावनी, मांगे नहीं मानी तो बंद होगा काम

सोनीपत। सोनीपत नगर निगम में ठेका सफाई कर्मचारी एकता मंच और मूलनिवासी कर्मचारी कल्याण महासंघ का धरना 21वें दिन भी जारी रहा। हटाए गए सफाई कर्मचारियों की बहाली को लेकर कर्मचारियों का रोष लगातार बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि हड़ताल को तीन सप्ताह से अधिक हो गए, परंतु निगम प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। मांगे नहीं मानी तो सफाई का काम राकेंगे। धरने की अध्यक्षता प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुकेश कर्मा ने की और संचालन कोषाध्यक्ष अनिल ने किया। मुकेश कर्मा ने कहा कि हटाए गए कर्मचारियों के प्रति प्रशासन की उदासीनता से सफाई कर्मचारियों में गहरा असंतोष है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो शहरव्यापी हड़ताल की जाएगी। कर्मचारी प्रतिनिधियों ने नगर निगम मेयर राजीव जैन से मुलाकात की।

हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह ने पुलिस शहीदी दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

पंचकूला । पुलिस शहीदी दिवस के अवसर पर हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओ.पी. सिंह ने पंचकूला स्थित पुलिस लाइन में आयोजित समारोह में हिस्सा लिया।इस मौके पर उन्होंने 'पुलिस शहीद स्मारक' पर पुष्प चक्र अर्पित कर देश और हरियाणा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि दी। समारोह में पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। डीजीपी ओ.पी. सिंह ने स्मृति परेड की सलामी ली और शहीद पुलिस जवानों के बलिदान को याद किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस शहीदों का बलिदान देश की सुरक्षा और शांति के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह दिन हमें उनके साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को सम्मान देने का अवसर देता है। हरियाणा

पुलिस के जवानों ने न केवल राज्य में, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी जान की बाजी लगाकर समाज की रक्षा की है।

पुलिस शहीदी दिवस हर साल 21 अक्टूबर को मनाया जाता है, जब 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में चीनी सैनिकों के हमले में 10 भारतीय पुलिसकर्मियों ने वीरगति प्राप्त की थी। तब से यह दिन शहीद पुलिसकर्मियों की याद में मनाया जाता है। इस अवसर पर हरियाणा पुलिस ने उन सभी जवानों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने कर्तव्य पथ पर अपने प्राणों की आहुति दी। समारोह में उपस्थित अधिकारियों और जवानों ने शहीदों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्धता दोहराई। डीजीपी के मुताबिक, हरियाणा पुलिस शहीदों के परिवारों के साथ हमेशा खड़ी है और उनकी हरसंभव मदद करेगी।

इस मौके पर पुलिस लाइन में सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस के कार्यों और शहीदों की वीरता को दर्शाया गया। स्थानीय लोगों ने भी इस आयोजन में हिस्सा लिया और शहीदों को नमन किया। यह दिन हमें याद दिलाता है कि पुलिसकर्मी अपनी जान जोखिम में डालकर समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

पराली जलाने की बजाय खेत में मिलाएं किसान: डा. सुखदेव सिंह

एजेंसी

सिरसा। उप निदेशक कृषि डा. सुखदेव सिंह ने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की टीमों द्वारा जिला में लगातार किसानों को पराली न जलाकर पर्यावरण संरक्षण में अतुलनीय योगदान देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। टीम द्वारा जागरूक किया जा रहा है कि किसान पराली का प्रबंधन कर अतिरिक्त आमदनी भी प्राप्त कर सकते हैं। सरकार द्वारा भी पराली प्रबंधन पर 1200 रुपये प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। इससे अतिरिक्त आमदनी के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहयोग मिलेगा। विभाग की विभिन्न टीमों ने जिला के गांव देसू मलकाना, केलनियां, जोधकां, मल्लेकां, मोजुखेड़ा, फतेहपुरिया, दारेवाला, गंगा आदि में जाकर किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन में योगदान के लिए प्रेरित किया। डा. सुखदेव सिंह ने

बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा पराली प्रबंधन के लिए 1200 रुपये प्रति एकड़ अनुदान दिया जा रहा है। बहुत से किसान पराली प्रबंधन कर रहे हैं। विभाग द्वारा भी किसानों की पूरी सहायता की जा रही है। विभाग द्वारा सुपर सीडर व 2बेलर पर भी सब्सिडी उपलब्ध करवाई जाती है।

आत्महत्या करने वाले एएसआई के परिजनों से मिले कैबिनेट मंत्री पंवार

एजेंसी

जींद। जुलाना कस्बे के वार्ड चार निवासी दिवंगत एएसआई संदीप लाठर के परिजनों से को राज्य के पंचायत राज एवं तथा खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार पंवार सांत्वना देने पहुंचे। मंत्री पंवार ने परिवार को न्याय मिलने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में परिवार को शक्ति मिले और परम पिता-परमात्मा दिवंगत को अपने चरणों में स्थान दें। संदीप लाठर की मृत्यु के बाद से मामले को लेकर हलचल जारी है। लाठर साइबर सेल में तैनात थेए तथा उनके द्वारा छोड़े गए सुसाइड नोट एवं वीडियो में उच्चाधिकारियों पर गंभीर भ्रष्टाचार एवं दबाव के आरोप लगाये गए थे। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने स्पष्ट कहा कि परिवार को न्याय जरूर मिलेगा और राज्य सरकार हर संभव सहायता करेगी। उन्होंने कहा कि समाज को इस दुख में एकजुट बने रहना चाहिए तथा कानून और न्याय व्यवस्था पर विश्वास बनाये रखना चाहिए। पोस्टमार्टम के समय केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने परिवार को आश्वासन दिया था कि मामले की निष्पक्ष जांच होगी। पुलिस ने अब इस प्रकरण में आईएएस अधिकारी अमनीत पी. कुमार, उनके विधायक भाई अमन रतन तथा एक

गनमैन सुशील सहित चार नामों पर एफआईआर दर्ज की है। मृतक एएसआई संदीप लाठर के परिजनों को सांत्वना देने के लिए आम आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सुशील गुप्ता पहुंचे औ परिजनों को ढांढस बंधाया। सुशील गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह फेल साबित हो रही है। रोजाना बड़ी बड़ी घटनाएं प्रदेश में घट रही हैं लेकिन सरकार अपराध पर अंकूश नही लगा पा रहा है। संदीप लाठर के परिजनों के परिजनों को एक सरकारी नौकरी और बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी सरकार दे ताकि मृतक संदीप के आश्रितों का गुजर बसर हो सके। मृतक पांच बहनों और तीन बच्चों और बुढी माता का अकेला पालनहार था। सरकार ने जो भी सहायता करने की बात कही है।

छठ पूजा पर पूर्वांचल जाने के लिए बस व ट्रेन हुई फुल

एजेंसी

झज्जर। उद्योग नगरी बहादुरगढ़ और बदली औद्योगिक क्षेत्र से छठ पूजा के लिए बिहार जाने वालों की भीड़ लगनी शुरू हो गई है। यहां काम करने वाले लोग और उनके परिजन बस, मेट्रो, रेलवे व दूसरे निजी वाहनों से पूर्वांचल स्थित अपने घरों को जा रहे हैं। यहां के टीकरी बार्डर, एमआइई, पुराना बस स्टैंड, देवीलाल पार्क, जाखौदा, रोहद आदि में स्थित टूर-ट्रैवलर कार्यालयों में पिछले दो-तीन दिन से पूर्वांचल वासियों की भीड़ जुट रही है। वे अपना सामान बैगों में पैक करके घर लौट रहे हैं। सभी लोग छठ पूजा के लिए घर जा रहे हैं। वह वहां पर अपने परिवार व सगे संबंधियों के साथ यह पर्व मनाएंगे। हर रोज पांच से सात बस प्राइवेट तौर पर जा रही हैं। 1800 से दो हजार रुपये किराया लिया जा रहा है। छठ पूजा पर्व नजदीक आने से हर रोज टूर-ट्रैवलर वाले 200 से 500 रुपये किराया बढ़ा रहे हैं। बिहार जाने वाले लोगों को सुबह ही बुला लिया जाता है और फिर यहां पर पूरी बस की सीटिंग फुल होने के बाद ही रवाना किया जाता है। इससे पूर्वांचलवासी काफी परेशान हैं। पूर्वांचल निवासी प्रदीप कुमार, शांति देवी रामदीन ने बताया कि वे सुबह से ही बस का इंतजार कर रहे हैं। सुबह 11 बजे का समय दिया था। दोपहर के एक बज गए लेकिन अब तक बस नहीं आई। ऐसे में वे समय पर बस नहीं पहुंच पाएंगे। ट्रेवलिंग एजेंसी कर्मचारी ने बताया कि बस की सीटिंग फुल होने के बाद रवाना कर दिया जाएगा। दरअसल बहादुरगढ़ में 7000 से अधिक

फैक्ट्रियां हैं। दिन में चार लाख से अधिक लोग काम करते हैं। अधिकतर कामगार पूर्वांचल के रहने वाले हैं। अपना मुख्य त्योहार है छठ पूजा मनाने के लिए हर बार की तरह इस बार भी वे घर लौट रहे हैं। गंतव्य तक पहुंचने में बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। परिवहन के तमाम साधनों में बहुत भीड़ जुट रही है। साइबर कैफे के संचालक मनोज कुमार ने बताया कि सभी गाड़ियां फुल हैं। पूर्वांचल की ओर जाने वाली किसी भी गाड़ी में सीट उपलब्ध नहीं है।

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में लगेंगी 800 गाडियां: प्रदीप दहिया

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावशाली बनाने की दिशा में निगम के प्रयासों और योजनाओं की जानकारी सांझा की। इस अवसर पर उन्होंने डोर-टू-डोर मॉडल आरएफपी के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि आरएफपी और एसडब्ल्यूएम बायलॉज निगम की वेबसाइट पर अपलोड किए जा रहे हैं, ताकि नागरिक अपने सुझाव दे सकें और स्वच्छ गुरुग्राम के निर्माण में सहभागी बन सकें। वे अपने कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे। निगमायुक्त ने बताया कि शहर में प्रतिदिन लगभग 1200 टन कचरा उत्पन्न होता है, जिसमें से करीब 40 प्रतिशत कचरा बल्क वेस्ट जनरेटर (बीडब्ल्यूजी) का होता है। निगम द्वारा इन बीडब्ल्यूजी संस्थानों को ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 के तहत अपने परिसरों में ही कचरे का निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के कई बीडब्ल्यूजी इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहे हैं और शेष बीडब्ल्यूजी को भी सक्रिय रूप से जोड़ा जा रहा है। निगमायुक्त ने बताया कि जो कॉलोनियां खुद को बीडब्ल्यूजी की श्रेणी में शामिल करना चाहती हैं, वे ऐसा कर सकती हैं और अपने स्तर पर कचरा प्रबंधन शुरू कर सकती हैं। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि नई डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था के तहत 800 वाहन तैनात किए जाएंगे, जिनमें संकरी गलियों के लिए ई-रिक्शा भी शामिल होंगे। इससे घर-घर से कचरा संग्रहण व्यवस्था और भी प्रभावी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में नगर निगम द्वारा 330 वाहनों के माध्यम से घरों से कचरा एकत्रित कर रहा है और इसके लिए कोई शुल्क नहीं ले रहा है। यदि कोई व्यक्ति शुल्क वसूलती है, तो नागरिक तुरंत निगम को सूचित करें, ऐसे मामलों में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। निगमायुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करें तथा कचरा केवल डोर-टू-डोर गाड़ी या ट्रॉली में ही डालें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ गुरुग्राम के निर्माण में हर नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी चेताया कि सीवर में पशुओं का गोबर ना बहाया जाए, क्योंकि इससे सीवर जाम होते हैं। सीवर जाम करने वालों और अवैध पेयजल कनेक्शन रखने वालों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में भी नगर निगम सक्रिय है।

14 करोड़ खर्च कर केएमपी पर बढ़ाई जाएगी हरियाली

एजेंसी

झज्जर। दिल्ली में वाहनों की भीड़भाड़ रोकने के लिए बहुत मददगार साबित हो रहे कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे को अब अधिक हराभरा बनाया जाएगा। इससे दिल्ली एनसीआर और इस विशेष मार्ग के दोनों तरफ के इलाकों में प्रदूषण कम करने में भी सहायता मिलेगी। हरियाणा राज्य औद्योगिक संरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) की ओर से इस परियोजना पर लगभग 14 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। एक्सप्रेस-वे के डिवाइडर और दोनों तरफ कुल एक लाख नौ हजार पौधे लगाए जाएंगे। इस परियोजना में पौधारोपण के साथ तीन साल तक इन पौधों की नियमित देखभाल, सिंचाई और रखरखाव भी शामिल है। एचएसआईआईडीसी ने इस संबंध में टेंडर जारी कर दिया है। इस टेंडर को जल्द ही खोला जाएगा।

टेंडर मिलने के बाद संबंधित एजेंसी को पौधे लगाने के साथ-साथ तीन वर्षों तक उनके रख-रखाव की जिम्मेदारी दी जाएगी। यदि कोई पौधा सूखता या नष्ट होता है तो उसकी भरपाई भी ठेकेदार एजेंसी को ही करनी होगी। परियोजना के तहत लगाए जाने वाले पौधों में टर्मिनलिया मॅटाली, बोगनवेलिया, बेंबू और अन्य फूलदार व सजावटी प्रजातियों को शामिल किया गया है। अब पहले के 91 हजार पौधों के अलावा 18 हजार अतिरिक्त पौधे लगाए जाएंगे, जिनका चयन क्षेत्र की जलवायु, मिट्टी की गुणवत्ता और पर्यावरणीय आवश्यकताओं के अनुरूप किया गया है। निगम अधिकारियों ने कहा कि यह पहल न केवल एक्सप्रेसवे की सुंदरता बढ़ाएगी, बल्कि आसपास के औद्योगिक और शहरी इलाकों में प्रदूषण घटाने में भी मदद करेगी।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर जिले में होगी रन फॉर यूनिटी

एजेंसी

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाएगी। इस अवसर पर हर वर्ष की भांति इस बार भी रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष यह दौड़ पुलिस लाइन से एकलव्य स्टेडियम तक आयोजित की जाएगी। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने लघु सचिवालय सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राज्य स्तरीय रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में फतेहाबाद में मुख्यअतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इससे पहले पीएससीएम अरुण कुमार गुप्ता ने प्रदेश के सभी उपायुक्तों को 31 अक्टूबर को सुबह सात बजे राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं आईजी अंबाला रेंज पंकज कुमार नैन ने भी रन फॉर यूनिटी को सफल बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 31 अक्टूबर की सुबह आयोजित होने वाली रन फॉर यूनिटी के लिए सुरक्षित व व्यवस्थित रूट प्लान तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि इस दौड़ में किसी प्रकार की प्रतियोगिता नहीं होगी।

इसका उद्देश्य केवल राष्ट्रीय एकता, भाईचारा और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी, विद्यार्थी, सामाजिक संस्थाएं, धार्मिक संगठन और आम नागरिक सभी इस कार्यक्रम में बढ़चढ़कर भाग लें। यह दौड़ हमारी राष्ट्र की एकता, अखंडता और अटूट संकल्प का प्रतीक बनेगी। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि प्रतिभागियों के लिए सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा व अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। इस अवसर पर एएसपी सोनाक्षी सिंह, सीटीएम मोनिका रानी, जिला खेल अधिकारी रामपाल हुड्डा, जिला शिक्षा अधिकारी रोहताश वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बवाली पुलिस लाइन में पुलिस स्मृति दिवस मनाया

एजेंसी

सिरसा। सिरसा जिले की डबवाली पुलिस लाइन में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। कार्यक्रक्रम में पुलिस अधीक्षक डबवाली निकिता खट्टर, उप पुलिस अधीक्षक कालांवाली संदीप धनखड़, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कपिल अहलावत सहित सभी थाना प्रबंधकों व जवानों ने भी शहीद हुए पुलिस व अर्धसैनिक बलों के जवानों का भावपूर्ण स्मरण किया और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने वीर जवानों के बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए कहा कि शहीदों के बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता । शहीदों की बदौलत ही हम आजादी की हवा में सांस ले रहे है तथा दुश्मनों से देश की सीमाएं सुरक्षित हैं

। देश में पुलिस स्मृति दिवस 21 अक्टूबर को मनाया जाता है। 21 अक्टूबर 1959 को केंद्रीय आरक्षी पुलिस बल के 10 जवानों ने लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में देश की सीमा की सुरक्षा करते हुए चीन की सेना के साथ हुई मुठभेड़ में अपने प्राण बलिदान किए थे, तभी से लेकर आज तक देश में इस दिन को पुलिस शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने सभी पुलिस कर्मियों को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपनी ड्यूटी करने का आह्वान किया। इससे पहले पुलिस गार्द द्वारा शहीदों को सलामी दी गई तथा दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने शहीद हुए सिपाही भागीरथ की पत्नी उमा रानी व सिपाही गुरदास की पत्नी सतपाल कौर को शाल ओढ़ा कर कर सम्मानित किया।

पुलिस शहीदी दिवस पर सिरसा में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित

एजेंसी

सिरसा। सिरसा पुलिस लाइन में पुलिस स्मृति दिवस श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिरसा के पुलिस अधीक्षक मयंक गुप्ता ने की। उन्होंने हरियाणा के वीर सपूतों सहित समस्त पुलिस शहीदों के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके अमर बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर एसपी गुप्ता ने सिरसा जिले के वीर शहीदों को विशेष रूप से स्मरण किया।

उन्होंने बताया कि 18 जुलाई 2003 को उग्रवादियों से मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए उप निरीक्षक हसराज और 6 दिसम्बर 2004 को अपराधियों से मुकाबला करते हुए शहीद हुए उप निरीक्षक हरनाम सिंह को श्रद्धांजलि दी और उनके परिजनों को मंच पर सम्मानित किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इन शहीदों का बलिदान पुलिस विभाग ही नहीं, पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। समारोह की शुरुआत मौन श्रद्धांजलि और शोक सलामी के साथ की गई, जिसमें जिले भर से सैकड़ों पुलिस अधिकारी एवं जवान सम्मिलित हुए। एसपी गुप्ता ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस कोई साधारण दिन नहीं, बल्कि पुलिस बल के त्याग, समर्पण

और अनुकरणीय साहस का प्रतीक है। शहीदों की शहादत अमर है और उनका ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता। इस मौके पर एएसपी फैसल खान,डीएसपी हेड क्वार्टर आदर्शदीप, डीएसपी सिरसा राजेश कुमार, थाना शहर प्रभारी संदीप कुमार, सदर थाना प्रभारी सुखदेव सिंह, सिविल लाइन प्रभारी प्रदीप कुमार, रानियां थाना प्रभारी दिनेश कुमार, ऐलनाबाद प्रभारी प्रगट सिंह, नाथूसरी चोपटा प्रभारी राधेश्याम सहित जिले के अनेक वरिष्ठ अधिकारी और पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। सभी ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

सिरसा: नौजवानों का विदेश पलायन चिंता का विषय: सैलजा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में भाजपा सरकार द्वारा थोपी गई बेरोजगारी की महामारी ने प्रदेश के युवाओं को गहरी निराशा और विवशता की स्थिति में ला खड़ा किया है। प्रदेश के नौजवान आज रोजगार के अभाव में कर्ज लेकर, खेत और मकान बेचकर विदेश जाने को मजबूर हैं। यह एक अत्यंत दर्दनाक सामाजिक सच्चाई बन चुकी है। प्रदेश के युवाओं को रोजगार और सुरक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी है, न कि उन्हें मजबूरी में अपना देश छोड़ने पर विवश करना। सांसद कुमारी सैलजा ने मीडिया को जारी बयान में कहा है कि हाल के दिनों में विदेशों में हरियाणा के युवाओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार, बर्बरता और मौतों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन सरकारें मौन हैं। करनाल जिले के हथलाना गांव के दिवंगत प्रदीप की रूस में हुई मृत्यु ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है। वे केंद्र और हरियाणा की भाजपा सरकारों से मांग करती है कि यदि उनमें जरा भी इंसानियत बची ह, तो दिवंगत प्रदीप का शव शीघ्र भारत लाकर परिजनों को सौंपा जाए, ताकि परिवार अंतिम संस्कार कर सके। हम सब ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति मिले और परिवार को यह असहनीय दुख सहने की शक्ति प्रदान हो। सांसद ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे हरियाणा के युवाओं की खबरें अत्यंत चिंताजनक और पीड़ादायक हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि बेरोजगारी ने हमारे युवाओं को किस हद तक विवश कर दिया है कि वे अपनी जान जोखिम में डालकर टंकी रूट जैसे खतरनाक रास्तों से विदेश पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। सैलजा ने केंद्र सरकार और हरियाणा सरकार से आग्रह करते हुए कहा है कि इस पूरे मामले का तत्काल संज्ञान लिया जाए और विदेशों में फंसे हरियाणा समेत सभी भारतीय युवाओं को सुरक्षित स्वदेश वापस लाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

कोविड के बाद मांग में उछाल से कंपनियों का मुनाफा तीन गुना बढ़ा

नई दिल्ली कोविड-19 के बाद कंपनियों का लाभ मांग में ज्यादा उछाल आने से बढ़ा। कंपनियों का वर्ष 2020-21 का 2.5 लाख करोड़ रुपए का लाभ 2024-25 में बढ़कर 7.1 लाख करोड़ रुपए हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक के बुलेटिन में प्रकाशित शोध पत्र के मुताबिक विनिर्माण क्षेत्र में खास तौर पर वृद्धि होने से कंपनियों का शुद्ध लाभ मार्जिन में सुधार हुआ और यह 2025-26 में दो अंकों के स्तर पर पहुंच गया। रिपोर्ट के मुताबिक 2019-20 में सुस्त निजी खपत के कारण घरेलू आर्थिक गतिविधियां सुस्त हो गई थीं और महामारी में स्थिति विकट होने के कारण बिक्री और लाभप्रदता में अहम रूप से गिरावट आई। राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों, महामारी के कारण दबी हुई मांग और प्रभावी लागत प्रबंधन से कॉरपोरेट क्षेत्र ने जोरदार वापसी की। कोविड के बाद की अवधि में आईटी क्षेत्र की गतिविधियों में मंदी और उच्च वेतन खर्च के कारण शुद्ध लाभ मार्जिन में कमी आई। उधर गैर आईटी सेवा क्षेत्र का शुद्ध लाभ मार्जिन कोविड के बाद से नकारात्मक क्षेत्र में बना रहा, जो 2023-24 में सकारात्मक क्षेत्र में लौटा। दूसरी ओर सकल स्तर पर परिचालन लाभ मार्जिन में अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव देखा गया। हालांकि गैर-आईटी क्षेत्र का परिचालन लाभ मार्जिन अस्थिर बना रहा और यह 2016-17 के 19.2 फीसदी से घटकर 2018-19 में 11.7 फीसदी हो गया। फिर 2023-24 में बढ़कर 22.4 फीसदी हो गया। यह बड़े उद्यमों के लिए आमतौर पर मजबूत स्थिति थी। दरअसल, बड़े उद्योग लगातार मध्यम और छोटे उद्यमों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे थे। कंपनियों की बिक्री वृद्धि 2021-22 में 32.5 फीसदी पर पहुंच गई, जो 2024-25 में 7.2 फीसदी पर सामान्य थी। यह तेजी से सुधार के चरण से स्थिर विकास में परिवर्तन को दर्शाती है। विनिर्माण क्षेत्र ने स्थिर लाभ मार्जिन बनाए रखा जबकि गैर-आईटी सेवाओं ने शुरुआती अस्थिरता के बाद जोरदार वापसी की। आईटी क्षेत्र की वृद्धि पूरे अवधि के दौरान स्थिर थी।

डीसीबी बैंक के शेयर्स ने एक ही दिन में इंट्रा-डे ट्रेडिंग में लगाई 15 फीसदी की छलांग

नई दिल्ली प्राइवेट बैंक डीसीबी बैंक के शेयर्स एक ही दिन में इंट्रा-डे ट्रेडिंग में 15 फीसदी से ज्यादा की छलांग लगा चुके हैं। ये चार साल में इस बैंक के शेयरों की सबसे तेज बढ़त रही, अप्रैल 2022 के बाद पहली बार ऐसी तेजी आई। बैंक ने सितंबर तिमाही यानी जुलाई से सितंबर 2025 के नतीजे जारी किए थे, जो उम्मीद से कहीं बेहतर निकले। बीएसई पर इंट्रा-डे में ये 148.90 रुपए तक पहुंच गए हैं यानी 15.61 फीसदी का उछाल। कुछ लोग प्रॉफिट बुक करके उतर गए, लेकिन दिन के अंत में भी 12.23 फीसदी की बढ़त के साथ 144.55 रुपए पर बंद हुए। डीसीबी बैंक की ब्याज से नेट इनकम, जो एनआईआई कहते हैं, साल भर पहले की तुलना में 17 फीसदी बढ़कर 509 करोड़ से 596 करोड़ रुपए हो गई। नेट प्रॉफिट भी 19 फीसदी चढ़कर 184 करोड़ रुपए पहुंच गया। पिछली तिमाही से तुलना करें तो प्रोविजन्स आधी रह गईं, मतलब बैंक को कम रिजर्व रखने पड़े। सबसे अच्छी बात, नेट इंटेरेस्ट मार्जिन यानी एनआईएम 3 बेसिस प्वाइंट्स बढ़कर 3.23 फीसदी हो गया। आरबीआई ने रेपो रेट काटा था, लेकिन फिर भी मार्जिन मजबूत रहा। बैंक का प्लान है इसे 3.5 से 3.65 फीसदी तक ले जाना। शेयरों के उछाल की दो बड़ी वजहें रहीं। पहली तो क्रेडिट कॉस्ट का गिरना, जो पिछली तिमाही के 0.59 फीसदी से घटकर 0.31 फीसदी रहा। ये बैंक के लिए राहत की सांस है, क्योंकि कम कॉस्ट मतलब ज्यादा प्रॉफिट। दूसरी बैंक ने आगे की क्रेडिट कॉस्ट को 45 से 55 बेसिस प्वाइंट्स तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा। ये सुनकर निवेशकों का भरोसा और बढ़ गया। वैसे एक साल पहले मार्च 2025 में ये शेयर 101.35 रुपए के निचले स्तर पर था, लेकिन तीन महीने में ही 48.69 फीसदी चढ़कर जून 2025 में 150.70 रुपए के हाई पर पहुंच गया।

रूस तेल पर सख्ती के चलते रिलायंस ने मुस्लिम देशों से खरीदा 2.5 मिलियन बैरल तेल

नई दिल्ली

भारत की प्राइवेट सेक्टर की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पिछले हफ्ते पश्चिम एशिया से कच्चा तेल खरीदा। कंपनी आगे भी ऐसे और ऑर्डर दे सकती है।

यह कदम इस बात का संकेत है कि रूसी तेल पर पश्चिमी देशों का बढ़ता दबाव अब रिलायंस की खरीद रणनीति को प्रभावित कर रहा है। जानकार सूत्रों के मुताबिक रिलायंस ने कम से कम 2.5 मिलियन बैरल तेल खरीदा है, जिसमें इराक का बसरा मीडियम, अल-शाहीन और कतर लैंड शामिल हैं। हालांकि रिलायंस पहले भी इन देशों से तेल खरीदती रही है, लेकिन इस बार खरीदारी सामान्य से कहीं ज्यादा की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेडर्स का कहना है कि रिलायंस अब ऐसे देशों से भी तेल खरीदने की संभावनाएं तलाश रही है, जिनका कच्चा तेल रूसी तेल जैसी क्वालिटी का हो। अब तक रिलायंस भारत में रूस के तेल की सबसे बड़ी खरीदार कंपनी रही है और अपनी रिफाइनरी के संचालन के लिए उस पर काफी हद तक निर्भर रही है।

अमेरिका का दबाव भारत को कैसे प्रभावित कर रहा है?

अमेरिका लगातार भारत पर रूसी तेल आयात घटाने का दबाव बना रहा है, ताकि यूक्रेन युद्ध में रूस की वित्तीय ताकत कम की जा सके।

इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा था कि भारत ने रूस से तेल

खरीदना बंद करने पर सहमति जताई है, हालांकि भारत सरकार ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है। भारतीय रिफाइनरियों ने संकेत दिया है कि वे रूसी तेल की खरीद घटा सकते हैं, लेकिन उसे पूरी तरह बंद नहीं करेंगे।

एनआरआई जमा योजना में धन की आवक अप्रैल-जुलाई में घटकर 4.7 अरब डॉलर

नई दिल्ली विदेश में रह रहे प्रवासी भारतीयों के प्रवासी (एनआरआई) जमा योजना में धन की आवक अप्रैल-जुलाई 2025 में घटकर 4.7 अरब डॉलर रह गई है, जो पिछले साल की समान अवधि में 5.8 अरब डॉलर थी। आरबीआई के ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि यह गिरावट प्राथमिक रूप से फॉरेन करेंसी नॉन रेजिडेंट बैंक जमा में आई कमी के कारण है। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई 2025 के आखिर तक एनआरआई जमा 167.86 अरब डॉलर था, जो एक साल पहले के 168.32 अरब डॉलर की तुलना में कम है। एनआरआई जमा योजना में फॉरेन करेंसी नॉन रेजिडेंट (एफसीएनआर) जमा, नॉन रेजिडेंट एक्सटर्नल (एनआरई) जमा और नॉन रेजिडेंट ऑर्डिनरी (एआरओ) जमा शामिल है। एफसीएनआर बैंक खातों में अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान 7.72 करोड़ डॉलर जमा हुए, जो अप्रैल-जुलाई 2024 के 2.8 अरब डॉलर की तुलना में कम है। एफसीएनआर (बी) खातों में जमा राशि जुलाई के अंत में 33.58 अरब डॉलर रही। बहरहाल एनआरई जमा में अप्रैल-जुलाई 2025 में 2.41 अरब डॉलर आए हैं, जो अप्रैल-जुलाई 2024 के 1.78 अरब डॉलर की तुलना में ज्यादा है।

बैंक बिना पूर्व अनुमति बना सकेंगे सहायक कंपनियां, आरबीआई कर रहा विचार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। वाणिज्यिक बैंकों को सहायक इकाइयां स्थापित करने के लिए संभवतः अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से अनुमति लेना जरुरी नहीं होगी। उच्च पदस्थ सूत्रों ने यह जानकारी दी। हालांकि अगर सहायक इकाई बीमा या संपत्ति प्रबंधन से जुड़ी हुई है तो बैंक को संबंधित नियामकों से मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। केंद्रीय बैंक इस मसले पर विचार कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि बैंकों की कारोबार सुगमता के लिए इस पर विचार किया जा रहा है। नियामक वित्तीय क्षेत्र के लिए नियमों को सुव्यवस्थित कर रहा है, ताकि कारोबार करने में आसानी हो और यह उसी दिशा में एक कदम है। बैंकिंग रेग्युलेशन ऐक्ट में उन व्यवसायों का ब्योरा है, जिनमें स्टैंडर्ड बैंकिंग से आगे बढ़कर बैंक काम कर सकता है। अगर बैंकों को मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होती है, तो यह मौजूदा प्रथा से उल्लेखनीय बदलाव होगा। करीब 2 दशकों से रिजर्व बैंक ने किसी बैंक को सहायक इकाई स्थापित करने की अनुमति नहीं दी है। इसके पहले तमाम बड़े निजी बैंकों ने नियामक से कारोबार के लिए सहायक इकाई बनाने की अनुमति के लिए अनुरोध किया था, जिसमें लेंडिंग और इन्फ्रा फाइनेंस जैसे व्यवसाय शामिल हैं। रिजर्व बैंक ने इसके लिए मंजूरी नहीं दी। इसके अलावा बैंकों द्वारा किए गए व्यवसायों के तरीकों को लेकर रिजर्व बैंक मसौदा मानक पेश करेगा। इसमें यह प्रस्ताव दिया जाएगा कि बैंकों की शाखाएं उस तरह की उधारी देने से दूर रहें, जैसा मूल बैंक करता है। इसके बजाय शाखाओं को उन सेग्मेंट पर ध्यान देना होगा, जिस क्षेत्र में मूल बैंक की मौजूदगी नहीं है। सूत्र ने कहा कि उदाहरण के लिए अगर कोई बैंक आवास ऋण पर ध्यान दे रहा है तो उसकी सहायक इकाई सस्ते आवास या संपत्ति पर ऋण देने पर ध्यान केंद्रित कर सकती है। इसके पीछे विचार यह है कि काम का दोहराव नहीं होना चाहिए।

सितंबर में खुदरा महंगाई सबसे नीचे आई, खाने-पीने की चीजों के गिरे दाम

आरबीआई रिपोट: वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद ग्रोथ रफ्तार रहेगी बरकरार

नई दिल्ली

दुनिया भर में मंदी की आहट है, व्यापारिक तनाव बढ़ रहा है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत खड़ी है। आरबीआई रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद हमारी ग्रोथ की रफ्तार बरकरार रहेगी और ये सब घरेलू ताकत से हो रहा है। मतलब बाहर की ट्रेड टेंशन चाहे कितनी तेज चलें, हमारा देश आगे बढ़ रहा है। पहली बड़ी राहत महंगाई की है। सितंबर में खुदरा महंगाई जून 2017 के बाद सबसे नीचे आ गई है। ये सब जीएसटी में कटौती के चलते खाने-पीने की चीजों के दाम गिरने से हुआ, लेकिन कोर महंगाई थोड़ी बढ़ी है। इसकी वजह है सोने की कीमत और हाउसिंग, लेकिन कुल मिलाकर महंगाई काबू में है।

आरबीआई को ग्रोथ पर फोकस करने का मौका मिल गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि पॉलिसी स्पेस बन गई है यानी ब्याज दरें घटाने की गुंजाइश है। अगर एमपीसी मीटिंग में रेट कट होता है, तो होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन सब सस्ते हो जाएंगे। ईएमआई कम होगी, लोग ज्यादा खर्च करेंगे, दुकानें चलेंगी, फैक्टरियां तेज दौड़ेंगी। त्योहारी सीजन में जीएसटी कटौती भी मदद करेगी, चीजें सस्ती होंगी, मांग बढ़ेगी। दूसरी खुशखबरी घरेलू मांग की मजबूती की है। हाई फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर्स बता रहे हैं कि शहरों में डिमांड वापस लौट आई है, गांवों में तो पहले से दमदार है। कृषि सेक्टर ने कमाल किया, ज्यादा बारिश, खरीफ की बंपर बुवाई, जलाशय रिकॉर्ड लेवल पर, मिट्टी में नमी भरपूर रबी सीजन भी धांसू रहेगा।

मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज दोनों में कंपनियां फ्यूचर को लेकर उत्साहित हैं।

ये सब मिलकर अर्थव्यवस्था को बूस्ट देगा। दुनिया भी तारीफ कर रही है, आईएमएफ ने 2025 की जीडीपी ग्रोथ 6.6 फीसदी अनुमानित की, 20 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर। ओईसीडी ने 6.7 फीसदी, 40 बेसिस प्वाइंट ऊपर। वर्ल्ड बैंक 6.5 फीसदी और आरबीआई की एमपीसी ने 2025-26 के लिए 6.8 फीसदी, 30 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर। मतलब भारत की इकोनॉमी रेसिलिएंट है, यानी मजबूत है।

ये रिपोर्ट बताती है कि देश की ताकत अंदर से है, गांव-शहर की मांग, किसान की मेहनत, कारोबारियों का कॉन्फिडेंस। महंगाई कम होने से लोन सस्ते होंगे, खर्च बढ़ेगा, नौकरियां आएंगी। इसके साथ आम आदमी को फायदा भी कई चीजों से होगा जैसे सस्ती ईएमआई, सस्ती चीजें, बेहतर ग्रोथ।

भारत का लग्जरी गुड्स मार्केट 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 12.1 अरब डॉलर तक पहुंच सकता

नई दिल्ली

ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत का लग्जरी गुड्स मार्केट 2025 तक 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 12.1 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जिससे भारत की ग्लोबल लग्जरी मार्केट में एक स्ट्रॉन्ग प्लेयर के रूप में मौजूदगी दर्ज होगी। रिपोर्ट के अनुसार, लग्जरी रिटेल परिदृश्य की पुनर्कल्पना की जा रही है, जहां ब्रांड लेन-देन के दायरे से आगे बढ़कर क्यूरेटेड लाइफस्टाइल अनुभव प्रदान कर रहे हैं। लग्जरी गुड्स मार्केट की वृद्धि में दक्षिण अफ्रीका 15 प्रतिशत, भारत 10 प्रतिशत और संयुक्त अरब अमीरात 9 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अग्रणी देशों में शामिल हैं।

रिपोर्ट में बताया गया हैं कि भारत के पूर्वानुमानित अवधि में 74 प्रतिशत की सीएजीआर वृद्धि प्राप्त करने की उम्मीद है, जो लग्जरी इकोसिस्टम में इसके बढ़ते महत्व को दिखाता है। भारत के विकास में योगदान देने वाला प्रमुख कारक धनी व्यक्तियों की बढ़ती संख्या है। 2025 में फिजिकल लग्जरी स्टोर में पर्सनल लग्जरी गुड्स की बिक्री का 81 प्रतिशत हिस्सा रहा, जो इस सेक्टर की मजबूती और व्यक्तिगत जुड़ाव के निरंतर महत्व को दर्शाता है।

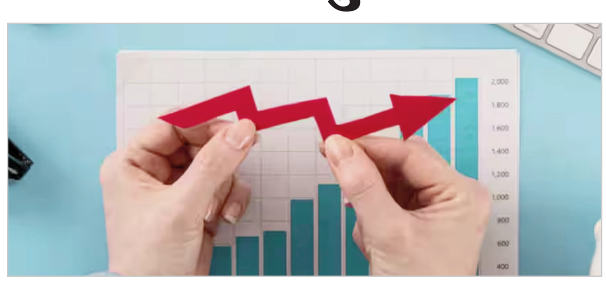

ग्लोबल लग्जरी मार्केट का मूल्य 2025 में 1.5 ट्रिलियन डॉलर रहा, जो कि निरंतर व्यापक आर्थिक और भू-राजनीतिक व्यवधानों के बावजूद मजबूत बना हुआ है। यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल में लग्जरी गुड्स के लिए ग्लोबल इनसाइट मैनेजर फ्लूर रॉबर्ट्स ने कहा, बाजार की अनिश्चितता के बीच, उद्योग एक गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जो उत्पाद-केंद्रित मॉडल से अनुभव-संचालित जुड़ाव की ओर बढ़ रहा है। फिजिकल लग्जरी स्टोर विशिष्टता और आतिथ्य के माध्यम से पहचान की अभिव्यक्ति बन रहे हैं। ये वातावरण उच्च-स्तरीय आतिथ्य को दर्शाते हैं।

सेवा निर्यात में भारत की छलांग, वैश्विक केंद्र बनने की ओर बढ़ता देश

नई दिल्ली भारत वैश्विक सेवा निर्यात के क्षेत्र में तेजी से अग्रणी स्थान की ओर बढ़ रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के अनुसार देश का सेवा निर्यात 14.8 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक दर (सीएजीआर) से बढ़ रहा है, जो वस्तु निर्यात की तुलना में कहीं अधिक है। यह प्रगति तकनीकी नवाचार, संरचनात्मक सुधारों और जनसांख्यिकीय लाभ का परिणाम मानी जा रही है। वर्तमान में भारत की वैश्विक सेवा निर्यात में हिस्सेदारी 4.3 फीसदी है, जिससे वह दुनिया में सातवें स्थान पर पहुंच गया है। टेलीकॉम, आईटी और बिजनेस सेवाएं कुल सेवा निर्यात का लगभग 75 फीसदी योगदान देती हैं। अकेले टेक्नोलॉजी सेवा निर्यात ने वित्त वर्ष 2024-25 में 200 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। भारत अब ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। वित्त वर्ष 2019 में इनकी संख्या 1,430 थी, जो वित्त वर्ष 2024 में बढ़कर 1,700 हो गई और वित्त वर्ष 2030 तक इसके 2,200 तक पहुंचने की उम्मीद है। इन केंद्रों में लगभग 26 लाख पेशेवर कार्यरत होंगे। इस प्रगति के पीछे जीएसटी, आईबीसी, रेरा, कॉर्पोरेट टैक्स कटौती, सरल श्रम कानून जैसे अनेक संरचनात्मक सुधार जिम्मेदार हैं।

बारिश ने कर दिया नुकसान..............प्याज, टमाटर, आलू, अनार सारी फसल हो गई बर्बाद

▸▸ ग्रामीण बाजार सूने हैं और लोगों के पास दीया खरीदने तक के पैसे नहीं

मुंबई

महाराष्ट्र के किसानों के लिए यह साल बेहद कठिन साबित हो रहा है। लगातार बारिश ने फसलें बर्बाद कर दी है और जो थोड़ी-बहुत बची हैं, उनकी कीमतें काफी गिर गई हैं कि इसलिए बेचने पर भी किसानों को घाटा हो रहा है। प्याज, टमाटर, आलू, अनार और सोयाबीन जैसी फसलें इस बार किसानों की कमर तोड़ रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, किसान सुदाम इंगले ने पूरी मेहनत से प्याज की खेती की और करीब 66,000 रुपए खर्च किए लेकिन जब उन्होंने 7.5 क्विंटल प्याज मंडी में बेची, तब सिर्फ 664 रुपए ही हाथ आए। किसान इंगले ने कहा, अब प्याज को खाद बना देना ही बेहतर है, बेचने में भी नुकसान है। सिर्फ प्याज ही नहीं, अनार और सीताफल उगाने वाले किसान भी भारी नुकसान झेल रहे हैं। किसान माणिकराव ने अनार पर 1.5 लाख रुपए और सीताफल पर 1 लाख रुपए खर्च किए लेकिन बारिश ने फसलें बर्बाद कर दीं। उन्हें मजबूरी में फसल जोतनी पड़ी क्योंकि बाजार में बिकने से घाटा और बढ़ रहा था। एशिया की सबसे बड़ी प्याज मंडी लासलगांव में हालत चिंताजनक है। यहां प्याज की कीमतें 500 से 1,400 रुपए प्रति क्विंटल तक हैं यानी औसतन 10-11 रुपए प्रति किलो। मार्च-अप्रैल में हुई बंपर फसल और लगातार बारिश ने प्याज की गुणवत्ता बिगाड़ दी। नासिक के अधिकारी के अनुसार, यहां की 80 प्रतिशत प्याज की फसल बर्बाद हो चुकी है। शहरों में दिवाली की चमक है लेकिन गांवों में स्थिति बहुत ही खराब है। ग्रामीण बाजार सूने हैं और लोगों के पास दीया खरीदने तक के पैसे नहीं हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस बार दिवाली केवल शहरों तक सीमित रह गई है। महाराष्ट्र में उत्तर प्रदेश और गुजरात से आयातित प्याज और आलू भी आ गए हैं, जिससे स्थानीय किसानों का नुकसान और बढ़ गया। सोयाबीन की फसल भी बारिश से बर्बाद हुई है। किसान और व्यापारी सरकार की नीतियों से नाराज हैं।

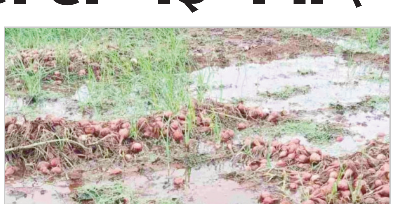

वीआई अब कॉस्ट कटिंग और 'मेक इन इंडिया' की राह पर

▸▸ 4जी और 5जी विस्तार के लिए भारतीय कंपनियों पर लगा रही दांव

नई दिल्ली

वोडाफोन आइडिया (वीआई) अब अपनी 4जी और 5जी सर्विस के विस्तार के लिए भारतीय कंपनियों पर दांव लगा रही है। कंपनी ने लागत घटाने और नेटवर्क रोलआउट की रफ्तार बढ़ाने तेजस नेटवर्क्स, एचएफसीएल और एचसीएलटेक जैसी घरेलू टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ साझेदारी शुरू की है। सूत्रों के मुताबिक वीआई ने तेजस नेटवर्क्स के 4जी और 5जी उपकरणों का ट्रायल एक सर्कल में शुरू किया है। अगर नतीजे अच्छे रहे तो कंपनी जल्द ही बिजनेस ऑर्डर दे सकती है। वोडाफोन आइडिया पहले से ही तेजस के राउटर्स और ऑप्टिकल ट्रांसमिशन गियर का इस्तेमल कर रही है और अब ऑर्डर की मात्रा बढ़ा रही है। वहीं एचसीएलटेक को कंपनी ने सेल्फ ऑप्टिमिसिंग नेटवर्क टेक्नोलॉजी उपलब्ध कराने के लिए चुना है, जबकि एचएफसीएल को 5जी नेटवर्क के लिए आईपी/एमपीएलएस राउटर्स सप्लाई करने का अनुबंध मिला है। तेजस नेटवर्क्स के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर ने बताया कि कंपनी अब निजी टेलीकॉम ऑपरेटरों के साथ भी जुड़ रही है। उनका कहना है कि 2026 से निजी कंपनियों द्वारा तेजस और टीसीएस के 4जी-5जी स्टैक को अपनाने की प्र वीआई इस समय देश के 17 प्रमुख सर्कल्स में 4जी और 5जी नेटवर्क के विस्तार पर काम कर रही है। कंपनी ने 2024 में नोकिया, ऐरिससन और सेमसंग के साथ 3.6 अरब डॉलर का सौदा

किया था। वोडाफोन आइडिया का चालू वित्त वर्ष 2026 के लिए पूंजीगत खर्च का लक्ष्य 7,500 से 8,000 करोड़ रुपए रखा गया है, जिसमें से करीब 5,000 करोड़ रुपए पहले ही खर्च हो चुके हैं। कंपनी ने अब तक 16,500 साइट्स पूरी कर ली हैं और अगले दो क्वार्टर में 8,000-10,000 नई साइट्स जोड़ने की योजना है।

कई हफ्तों की तेजी के बाद सोना-चांदी में आई गिरावट

नई दिल्ली

सोने चांदी की कीमतों में भारी गिरावट आ गई है। कई हफ्तों की तेजी के बाद मंगलवार को सोना चार साल की सबसे बड़ी एक दिन की गिरावट में फिसला है, ऐसे में रेट करीब 4 फीसदी तक नीचे आ गए। सोमवार को रिकॉर्ड 4381 डॉलर प्रति औंस पर पहुंचा था, लेकिन मंगलवार को 4187 डॉलर तक गिरा यानी 3.8 फीसदी की कमी। बुधवार को भी गिरावट जारी रही, सोना 2.9 फीसदी और नीचे जाकर 4004.26 डॉलर के आसपास पहुंचा, जबकि मंगलवार को तो 6.3 फीसदी तक की गिरावट हो गई थी जो दस साल से ज्यादा की सबसे बड़ी इन्ट्राडे गिरावट थी। चांदी में भी गिरावट देखने को मिली, मंगलवार को 7 फीसदी फिसली और बुधवार को 2 फीसदी से ज्यादा नीचे जाकर 47.6 डॉलर प्रति औंस पर आ गई, जबकि पहले 54 डॉलर थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहला तो अमेरिकी डॉलर मजबूत हो गया है, जिससे विदेशी निवेशकों के लिए सोना चांदी महंगा हुआ। दूसरा अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर में नरमी के संकेत मिल रहे हैं, राष्ट्रपति ट्रंप और शी जिनपिंग की अगले हफ्ते मुलाकात होने वाली है, ट्रेड डील की उम्मीद से सेफ हेवन वाली मांग कम हो गई। तीसरा

टेक्निकल इंडिकेटर्स जैसे आरएसआई ओवरबॉट जोन में पहुंच गए थे, मतलब कीमतें बहुत तेज चढ़ गईं, करेक्शन तो बनता था। सैक्सो बैंक के एक्सपर्ट ओले हैनसन कहते हैं कि ट्रेडर्स सावधान हो गए थे, मार्केट ऊपर जा चुका था, अब ये करेक्शन असली ताकत दिखाएगा, लेकिन लंबे निवेशक अभी भी इंटरेस्टेड हैं, गिरावट सीमित रह सकती है।

चौथा ईटीएफ मार्केट में हलचल, दुनिया के सबसे बड़े गोल्ड ईटीएफ एसपीडीआर गोल्ड शेयर्स में ऑप्शन वॉल्यूम रिकॉर्ड तोड़ दिया, पिछले हफ्ते दो दिनों में 20 लाख से ज्यादा कॉन्ट्रैक्ट्स ट्रेड हुए। ट्रेडर्स गिरावट पर हेजिंग कर रहे हैं या प्रॉफिट बुक कर रहे हैं। चांदी में इस साल 80 फीसदी रैली के बाद 7 फीसदी गिरावट, लंदन में शॉर्टेज, शंघाई से आउटफ्लो, न्यूयॉर्क स्टॉकपाइल घटे। पांचवां अमेरिकी सरकार शटडाउन से सीएफटीसी की साप्ताहिक रिपोर्ट नहीं आई, हेज फंड्स की पोजीशन का पता नहीं चल रहा है, ट्रेडर्स अंधेरे में ट्रेडिंग कर रहे हैं, स्पेकुलेटिव लॉन्ग पोजीशन बढ़ गईं, मार्केट वल्नरेबल हो गया है।

मारुति सुजुकी ने की विक्टोरिस एसयूवी लॉन्च

नई दिल्ली

पिछले महीने भारत में मारुति सुजुकी ने अपनी विक्टोरिस एसयूवी लॉन्च की। इस मॉडल में पहले से ही स्टैंडर्ड 1.5 लीटर नैचुरल पेट्रोल इंजन, सीएनजी बाई-फ्यूल वर्जन और टोयोटा से लिया गया 1.5 लीटर पेट्रोल-इलेक्ट्रिक हाइब्रिड ऑप्शन उपलब्ध हैं। अब कंपनी इस लाइनअप में चौथा पावरट्रेन ऑप्शन जोड़ने जा रही है बायोगैस (सीबीजी) वेरिएंट। विक्टोरिस एसयूवी का यह बायोगैस वर्जन 2025 जापान मोबिलिटी शो में पेश किया जाएगा। सीबीजी का दहन सीएनजी की तरह होगा, लेकिन यह एक रिन्यूएबल ईंधन है। बायोगैस कार्बनिक अपशिष्ट के क्षय से उत्पन्न मीथेन गैस से बनता है और इसे कम समय में तैयार किया जा सकता है। इसके विपरीत, सीएनजी प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला नॉन-रिन्यूएबल फॉसिल फ्यूल है, जो बनने में लाखों साल लेता है और इसके सीमित भंडार के कारण लंबे समय तक इस्तेमाल करना चुनौतीपूर्ण होता है। नए बायोगैस वर्जन में सीएनजी वर्जन के समान अंडर-बॉडी स्टोरेज टैंक और संरचना दी जाएगी। साथ ही, 1.5 लीटर 4-सिलेंडर के15 नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन बरकरार रहेगा। हालांकि, बायोगैस के स्वच्छ दहन को सुनिश्चित करने के लिए इंजन में कुछ मैकेनिकल बदलाव किए जाएंगे। इसका उद्देश्य न केवल प्रदर्शन को बनाए रखना है, बल्कि इसे पर्यावरण के अनुकूल बनाना भी है। कंपनी ने संकेत दिया है कि मारुति विक्टोरिस बायोगैस वर्जन सीएनजी वर्जन के करीब होगा, लेकिन फिलहाल इसे भारत में स्वतंत्र प्रोडक्ट के रूप में लॉन्च करने की संभावना कम है। शुरुआती रूप में इसे केवल एक कार्यशील प्रोटोटाइप के रूप में जापान मोटर शो में प्रदर्शित किया जाएगा।

दीपावली के त्यौहारी मौसम में भारतीय अर्थव्यवस्था को लगे पंख

प्रहलाद सबनानी

भारतीय इतिहास में, दीपावली के त्यौहारी मौसम में, इस वर्ष सबसे अधिक रिकार्ड कारोबार सम्पन्न हुआ है। भारत में नागरिक अब बाजार में दुकानों पर आकर उत्पादों की पूछ परख कर ही उत्पादों की खरीद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी कारण से इस वर्ष के दीपावली त्यौहारी मौसम में भारतीय बाजारों में दुकानों पर बहुत अधिक भीड़ दिखाई दी है।

वैसे तो प्रतिवर्ष ही भारत में धनतेरस एवं दीपावली के शुभ अवसर पर भारतीय नागरिकों द्वारा विभिन्न उत्पादों विशेष रूप से स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों की खरीद को शुभ माना जाता है। अतः इस त्यौहारी मौसम में विभिन्न उत्पादों की भारत में बिक्री बहुत बढ़ जाती है। परंतु, इस वर्ष तो केंद्र सरकार द्वारा लिए गए कुछ निर्णयों के चलते भारतीय बाजार में सोने एवं चांदी सहित विभिन्न उत्पादों की बिक्री में बेतहाशा वृद्धि दर्ज हुई है।

केंद्र सरकार द्वारा आयकर योग्य राशि की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख कर दिया गया है। यदि आज किसी नागरिक की आय 12 लाख रुपए तक प्रतिवर्ष है तो उसकी आय पर आयकर नहीं लगने वाला है। साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर की दरों को भी तर्कसंगत बनाया गया है जिसे जीएसटी2.0 का नाम दिया जा रहा है। अब 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दर से ही वस्तु एवं सेवा कर लागू होगा। पूर्व में, 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरें लागू होती थी। अब 12 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरों को समाप्त कर दिया गया है। इससे उपभोक्ताओं को वस्तु एवं सेवा कर की दरों में लगभग 10 प्रतिशत तक का लाभ मिला है। चार पहिया वाहनों पर तो लगभग 60-70,000 रुपए प्रति वाहन तक की बचत हुई है। इस तरह, इस वर्ष दीपावली के त्यौहारी मौसम में भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़े हुए उपभोग का सहारा मिला है।

भारतीय इतिहास में, दीपावली के त्यौहारी मौसम में, इस वर्ष सबसे अधिक रिकार्ड कारोबार सम्पन्न हुआ है। भारत में नागरिक अब बाजार में दुकानों पर आकर उत्पादों की पूछ परख कर ही उत्पादों की खरीद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी कारण से इस वर्ष के दीपावली त्यौहारी मौसम में भारतीय बाजारों में दुकानों पर बहुत अधिक भीड़ दिखाई दी है। कनफेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) द्वारा सम्पन्न किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के 35 नगरों के वितरण केंद्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष लगभग 5.4 लाख करोड़ रुपए का व्यापार दीपावली के त्यौहारी मौसम में सम्पन्न हुआ है। वर्ष 2021 में इसी त्यौहारी मौसम में 1.25 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2022 में 2.50 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2023 में 3.75 लाख करोड़ रुपए एवं वर्ष 2024 में 4.25 लाख करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न हुआ था। इस वर्ष अभी आगे आने वाले समय में गोवर्धन पूजा, भाई दूज, छठ एवं तुलसी विवाह आदि त्यौहार भी उत्साह पूर्वक मनाए जाने हैं। ऐसा अनुमान किया जा रहा है कि इस वर्ष इस दौरान भी लगभग 80,000 करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। इस प्रकार इस वर्ष भारत में त्यौहारी मौसम में कुल व्यापार का आंकड़ा 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने की प्रबल सम्भावना है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में सम्पन्न हुए व्यापार के आंकडें की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है।

इस वर्ष भारत के नागरिकों में स्वदेशी उत्पाद खरीदने की होड़ सी रही हैं। इसी प्रकार, एक अनुमान के अनुसार, इस वर्ष धनतेरस त्यौहार के दौरान सोने चांदी के गहनों, सिक्कों एवं अन्य वस्तुओं के कारोबार का स्तर भी 60,000 करोड़ रुपए के आसपास रहा है। बाजार में हालांकि इस वर्ष सोने एवं चांदी के भाव आसमान छू रहे हैं। वर्ष 2024 की दीपावली पर सोने का भाव लगभग 80,000 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो इस वर्ष बढ़कर 130,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, अर्थात लगभग 62 प्रतिशत अधिक। चांदी का भाव भी वर्ष 2024 में 98,000 रुपए प्रति किलोग्राम था जो इस वर्ष बढ़कर 180,000 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है, अर्थात लगभग 83 प्रतिशत अधिक। एक अन्य अनुमान के अनुसार, दीपावली के इस त्यौहारी मौसम में भारत में स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों की कुल मिलाकर 1.35 लाख करोड़ रुपए की बिक्री हुई है। भारतीय बाजारों में लगभग 46 टन सोने की बिक्री हुई है।

दीपावली के पावन पर्व पर इस वर्ष 600,000 वाहन एक दिन में बिके हैं। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। इससे यह भी सिद्ध हो रहा है कि है कि भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प कह रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था डेड है, भारतीय अर्थव्यवस्था में लगातार तेज हो रही विकास दर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयानों को झुठला रही है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम तिमाही, अप्रेल-जून 2025, में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7.3 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है। जबकि, द्वितीय तिमाही जुलाई-सितम्बर 2025 में एवं तृतीय तिमाही अक्टोबर-दिसम्बर 2025 में भी भारतीय अर्थव्यवस्था के रिकार्ड स्तर पर आर्थिक विकास दर हासिल करने की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। भारत में द्वितीय तिमाही में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम (दुर्गा उत्सव, दशहरा, धनतेरस एवं दीपावली, आदि) में विभिन्न उत्पादों की रिकार्ड वृद्धि दर्ज होती हुई दिखाई दी है। यह प्रवाह तीसरी तिमाही में भी जारी रहने की प्रबल सम्भावना दिखाई दे रही है क्योंकि त्यौहारी मौसम अभी इस अवधि में भी जारी रहेगा जो 25 दिसम्बर (क्रिसमस) एवं 31 दिसम्बर (नव वर्ष) तक जारी रहेगा। साथ ही, शादियों का मौसम भी आने वाला है, इस मौसम में भारत में लाखों की संख्या में शादियां सम्पन्न होती हैं, और शादियों के इस मौसम में विभिन्न उत्पादों (स्वर्ण, चांदी, कार, टीवी, रेफ्रीजरेटर, एसी, आदि) की मांग में बेतहाशा वृद्धि दर्ज होती है। इस बीच भारत में धार्मिक पर्यटन भी अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। अयोध्या, वाराणसी, चार धाम, वैष्णो देवी, महाकाल मंदिर, तिरुपति बालाजी, मीनाक्षी मंदिर आदि में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे धार्मिक पर्यटन से भी उत्पादों का उपभोग बढ़ रहा है, जो अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक हो रहा है एवं रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित कर रहा है।

भारत में अब देश में ही निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, इस कार्य में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वदेशी अपनाने की अपील पर भारतीय नागरिक अपना भरपूर सहयोग कर रहे हैं। भारत में ही निर्मित उत्पादों के उपभोग का स्तर सकल घरेलू उत्पाद के 60-70 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसी कारण से भारत को देशीय उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था कहा जा रहा है। भारत में आंतरिक उपभोग के लगातार मजबूत होने के चलते भारत अब दुनिया के कई देशों के निवेशकों के लिए निवेश के केंद्र के रूप में उभर रहा है, क्योंकि भारत की 140 करोड़ आबादी इन निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। भारत में ही निर्मित किए जाने वाले उत्पादों के लिए भारत में ही बहुत बड़ा बाजार उन्हें उपलब्ध है। आगे आने वाले समय में भारत के वित्तीय एवं बैंकिंग क्षेत्र में 50,000 करोड़ रुपए से अधिक का विदेशी निवेश भारत में आने जा रहा है। अमेरिकी कम्पनी ऐपल अपना पूरा उत्पादन सिस्टम भारत में ला रहा है एवं स्मार्ट मोबाइल फोन का भारत में उत्पादन कर उसे विश्व के अन्य देशों को भारत से निर्यात किया जाएगा।

भारत के विशाल बाजार को देखते हुए आज विश्व के कई देश भारत के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न करने के लिए लालायित दिखाई दे रहे हैं। भारत का अभी हाल ही में ओमान, कतर, यूनाइटेड किंगडम और यूरोप के चार देशों के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न हुआ है। यूरोपीयन यूनियन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौता के सम्बंध में वार्ताएं सफलता पूर्वक आगे बढ़ रही हैं एवं इसके शीघ्र ही सम्पन्न होने की सम्भावना है। साथ ही, भारत और अमेरिका के बीच भी द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता नवम्बर 2025 तक सम्पन्न होने की सम्भावनाएं अब दिखाई देने लगी है। सम्भव है कि नवम्बर 2025 माह में अमेरिका के राष्ट्रपति डानल्ड ट्रम्प भारत आकार इस समझौते की घोषणा करें।

रूस के राष्ट्रपति श्री बलादिमिर पुतिन भी शीघ्र भारत आ रहे हैं और रूस के भारत के साथ व्यापार बढ़ाने पर जोर दिए जाने की प्रबल सम्भावना है। भारत अभी रूस से भारी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कर रहा है एवं रूस को भारत से निर्यात होने वाले उत्पादों की मात्रा अभी बहुत कम है। इस तरह भारत का रूस के साथ व्यापार घाटा बहुत अधिक हो गया है। चीन के साथ भी भारत का व्यापार घाटा बहुत अधिक मात्रा में है, जिसे कम करने के लिए चीन के साथ भी भारत की बातचीत चल रही है।

कुल मिलाकर आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक विकास दर के तेज होने की प्रबल सम्भावना है, जो 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक के आंकडें को भी छू सकती है।

संपादकीय

त्योहार के मौसम में सफर

दीपावली और छठ पर्व करीब आते ही राजधानी दिल्ली सहित देशभर के कई रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। खासतौर से उत्तर प्रदेश और बिहार के हजारों प्रवासी अपने घर लौटने के लिए देश भर के रेलवे स्टेशनों पर दिखाई दे रहे हैं। गुजरात के सूरत से एक हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 6 से करीब दो किलोमीटर दूर तक यात्रियों की लंबी लाइन लगी थी। स्टेशन परिसर में और परिसर के बाहर लिम्बायत इलाके में यात्रियों की लंबी $कतारें लग गई थीं। 12-14 घंटों तक लोग लाइनों में लगे रहे ताकि उन्हें ट्रेन में चढ़ने मिल जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने जब से देश की सत्ता संभाली है, उन्होंने लोगों को कतारों में खड़ा करने का काम शुरू कर दिया है। पहले नोटबंदी के वक्त लोग इसी तरह घंटों लाइन में लगे रहते थे। फिर कोरोना के समय लॉकडाउन कर दिया तो लोग घर लौटने के लिए बस, ट्रेन के इंतजार में लाइन में लग गए। बीमार हुए तो अस्पतालों में बिस्तर कम होने के कारण भर्ती के इंतजार में लाइन में लगे और बिस्तर मिल गए तो ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए लाइन में लगे। हालांकि इसके बाद भी राहत नहीं मिली, क्योंकि फिर अपने मृत परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए भी कतारों में लगने का दर्द लोगों को सहना पड़ा है। पांच साल में देश-दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है। लेकिन भारत जैसे वहीं का वहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार सत्ता में आ गए। वे अब भी यहां-वहां ट्रेनों को हरी झंडियां दिखा रहे हैं, नए विमानतलों का उद्घाटन कर रहे हैं। उनका दावा अब भी वही है कि मैं हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में यात्रा करते देखना चाहता हूं। लेकिन हकीकत ये है कि न नई ट्रेनों का लाभ आम आदमियों को मिल रहा है, न हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करने का सुख पा रहे हैं। बल्कि पहले से अधिक असुविधा और अपमानजनक रवैया का शिकार हो रही है।

चिंतन-मनन

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं।

महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया।

भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं। अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं।

भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढ़ने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शाछ्वाह में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

बहुत ही नाजुक डोर से बंधा पाक-अफगान सीजफायर

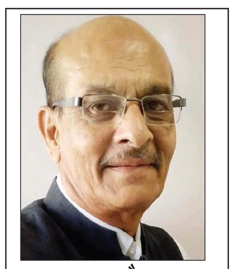

सनत जैन

दुनियां आज उस दौर से गुजर रही है, जहां चारों ओर बारुद के ढेर पर खड़े होकर आग का तमाशा दिखाने और देखने वालों का मजमा लगा हुआ है। ऐसे में शांतिप्रिय देशों और उनके लीडरों को आगे आना चाहिए, ताकि तृतीय विश्वयुद्ध की आशंकाओं से दुनियां को बाहर निकाला जा सके। यह अलग बात है कि जो देश और लीडर शांति स्थापित करने में अहम भूमिका अदा कर सकते हैं वो भी किसी न किसी रुप में युद्ध में उलझे नजर आते हैं। चिंता की बात तो यह भी है, कि जो शक्तिसंपन्न राष्ट्र हैं वो भी बात तो शांति की करते हैं, लेकिन युद्ध को जारी रखने और ज्यादा भयावह बनाने के लिए जरुरत से ज्यादा जंग का साजो-सामान मुहैया कराने से गुरेज भी नहीं कर रहे हैं। नतीजा यह, कि विकासशील और अविकसित छोटे-छोटे देश भी कर्ज लेकर खुद को सामरिक तौर पर मजबूत बनाने में लगे हुए हैं। इस स्थिति में शांति के साथ दुनियां को बेहतर भविष्य देने वालों का हाल क्या होगा, आसानी से समझा जा सकता है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि बारुद के ढेर को उड़ाने के लिए माचिस की एक तिली ही काफी होती है, लेकिन उस आग को काबू पाने में तमाम कोशिशें नाकाम साबित हो जाती हैं। इसलिए बारुद का ढेर बनाने और उस पर नाचने वालों को रोकना होगा। इसके लिए सबसे पहले जरुरी हो जाता है कि पड़ोसी मुल्क जंग में उतरने की बजाय मानवता के नाम पर शांति और सहअस्तित्व को अपनाते हुए शांतिपथ पर अग्रसर हों। फिर चाहे वह रुस और यूक्रेन की जंग हो या फिर गाजा में इजराइल और हमास के बीच शांति समझौते के बाद हो रहे हमले हों, इन्हें रुकना ही चाहिए। जहां तक पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष की बात है तो इसे भी समय रहते रोका जाना चाहिए, क्योंकि इसकी आंच पड़ोसी देशों तक पहुंचने में देर नहीं करेगी। राहत की बात यह है, कि हाल ही में हुए खूनी संघर्ष के बाद दोनों देशों ने एक अस्थायी युद्धविराम (सीजफायर) पर सहमति तो बना ली है, लेकिन यह समझौता उतना ही कमजोर और अस्थिर है जितनी कि किसी नाजुक डोर पर तेज हवा में अठखेलियां करती पतंग। पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया है कि यह सीजफायर बहुत नाजुक लाइन पर टिका हुआ है। वहीं अफगानिस्तान ने साफ शब्दों में कहा है, कि पाकिस्तान अपने ही राजनीतिक विरोधियों को आतंकवादी कहकर बदनाम करता है और अपने अंदर झांकने को तैयार नहीं है। दरअसल, इस्लामाबाद और काबुल के बीच का समझौता तुर्की और कतर की मध्यस्थता में हुआ, जिसमें यह तय हुआ कि दोनों देश एक-दूसरे की सीमाओं का उल्लंघन नहीं करेंगे और किसी भी प्रकार की घुसपैठ को रोकेंगे। इस समझौते के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, कि यह सीजफायर तभी कायम रहेगा जब अफगान की तालिबान सरकार पाकिस्तान पर हमला करने वाले समूहों पर सख्ती से लगाम लगाएगी। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, अफगानिस्तान से आने वाली कोई भी चीज इस समझौते का उल्लंघन होगी। सब कुछ इसी एक लाइन पर टिका है। कुल मिलाकर ख्वाजा आसिफ का यह बयान बताता है कि पाकिस्तान को तालिबान पर भरोसा नहीं है। एक वजह यह हो सकती है कि पाकिस्तान डरा हुआ है, कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल उसके खिलाफ करने की साजिशें फिर से शुरू हो सकती हैं। खासकर पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) जैसे संगठन, जो वर्षों से इस्लामाबाद के लिए सिरदर्द बने हुए हैं, उनकी गतिविधियों पर पाकिस्तान की चिंता लाजमी है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान ने भी पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने चेताते हुए कहा, सभी पक्षों को समझौते के हर प्रावधान का पालन करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा, काबुल इन शर्तों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है, लेकिन अगर पाकिस्तान अपने दायित्वों को पूरा नहीं करता है, तो इससे समस्याएं पैदा होंगी। यह अलग बात है कि याकूब ने मध्यस्थ देशों तुर्की और कतर से इस समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन में मदद करने की भी अपील कर दी है। इसका मतलब साफ है कि अफगानिस्तान नहीं चाहता कि संघर्ष हो और खून-खराबे की नौबत आए। वैसे भी अफगानिस्तान दशकों से युद्ध की विभीषिका को झेलता आया है, ऐसे में अब वह शांति के साथ आगे बढ़ना और बेहतर जिंदगी को तलाशना चाहता है। इसलिए अफगान मंत्री ने पाकिस्तान के उस आरोप को भी सिरे से खारिज किया, कि भारत, अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ करता है। उन्होंने कहा कि ये सभी दावे बेबुनियाद और निराधार हैं। इस संबंध में याकूब मुजाहिद का कहना था, कि हमारी नीति कभी भी अपने क्षेत्र का उपयोग किसी अन्य देश के खिलाफ करने की नहीं रही है। हम भारत सहित सभी देशों के साथ स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में संबंध बनाए रखना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य संबंधों का विस्तार करना है, तनाव पैदा करना नहीं। बहरहाल पाकिस्तान जहां लगातार अफगानिस्तान पर आतंकियों को शरण देने का आरोप लगाता आया है, वहीं अफगानिस्तान का मानना है कि पाकिस्तान खुद अपनी घरेलू असफलताओं का दोष दूसरों पर मढ़ता है। दरअसल, तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अफगानिस्तान ने खुद को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की कोशिश की है। वहीं पाकिस्तान, जो लंबे समय तक अफगान मामलों में मददगार की भूमिका निभाता आया है, अब खुद को धीरे-धीरे हाशिए पर महसूस करने लगा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच रिश्ते बेहद संवेदनशील और अविश्वास के धरातल पर टिके हुए हैं। सीजफायर का यह समझौता फिलहाल क्षेत्र में शांति की एक क्षणिक उम्मीद बनकर जरूर उभरा है, लेकिन इसके स्थायी बने रहने के लिए जरूरी है कि दोनों देश अपने राजनीतिक और सामरिक एजेंडे से ऊपर उठकर वास्तविक सहयोग की भावना दिखाएं। अन्यथा, यह नाजुक डोर कभी भी टूट सकती है, और तब दक्षिण एशिया में अस्थिरता की नई लहर उठ खड़ी होगी।

स्नेह, त्याग और विश्वास की उजली परंपरा भाई दूज

योगेश कुमार गोयल

आमतौर पर दीपावली के दो दिन बाद अर्थात कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाए जाने वाले भाई दूज पर्व को 'यम द्वितीया' व 'भ्रातृ द्वितीया' के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि इस वर्ष दीवाली 20 अक्तूबर को मनाई गई और भाई दूज पर्व 23 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। पंचांग के अनुसार इस साल कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि 22 अक्तूबर को रात 8 बजकर 17 मिनट पर शुरू हो रही है और 23 अक्तूबर को रात 10 बजकर 47 पर समाप्तं होगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार भाईदूज का पर्व 23 अक्तूबर को मनाया जाएगा और शुभ मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 5 मिनट से 2 बजकर 54 मिनट तक रहेगा। बहुत से भाई इस दिन सौभाग्य तथा आयुष की प्राप्ति के लिए इस दिन यमुना अथवा अन्य पवित्र नदियों में साथ-साथ स्नान भी करते हैं। भैया दूज मनाने के संबंध में कई किवंदतियां प्रचलित हैं। एक कथा यमराज और उनकी बहन यमुना देवी से संबंधित है।

भगवान सूर्यदेव की पत्नी छाया की कोख से यमराज और यमुना का जन्म हुआ था। यमुना अपने भाई यमराज से बहुत स्नेह करती थी और अक्सर उनसे अनुरोध करती रहती थी कि वे अपने इष्ट मित्रों सहित उसके घर भोजन के लिए पधारें लेकिन यमराज हर बार उसके निमंत्रण को किसी न किसी बहाने से टाल जाते। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यमुना ने यमराज को एक बार फिर भोजन के लिए आमंत्रित किया। उस समय यमराज ने विचार किया कि मैं तो अपने कर्त्तव्य से बंधा सदैव प्राणियों के प्राण ही हरता हूं, इसलिए इस चराचर जगत में कोई भी मुझे अपने घर नहीं बुलाना चाहता लेकिन बहन यमुना तो मुझे बार-बार अपने घर आमंत्रित कर रही है, इसलिए अब तो उसका निमंत्रण स्वीकार करना ही चाहिए।

यमराज को अपने घर आया देख यमुना की खुशी का ठिकाना न रहा। उसने भाई का खूब आदर-सत्कार करते हुए उनके समक्ष नाना प्रकार के व्यंजन परोसे। बहन के आतिथ्य से यमराज बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने उसे कोई वर मांगने को कहा। इस पर यमुना ने उनसे अनुरोध किया कि आप प्रतिवर्ष इसी दिन मेरे घर आकर भोजन करें और मेरी तरह जो भी बहन इस दिन अपने भाई का आदर-सत्कार करे, उसे तुम्हारा भय न रहे। यमराज ने बहन यमुना को उसका इच्छित वरदान दे दिया। ऐसी मान्यता है कि उसी दिन से ह्यभाई दूजह्ल का पर्व मनाया जाने लगा।

भाई दूज के संबंध में और भी कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक अन्य कथा के अनुसार, एक ब्राह्मण की दो ही संतानें थी-एक पुत्र एवं एक पुत्री। पुत्री बहुत समझदार एवं गुणवती थी। वह अपने भाई से जी जान से प्यार करती थी। एक दिन उसका भाई उससे मिलने उसकी ससुराल पहुंचा। उस समय वह सूत कातने में व्यस्त थी। अतः उसे भाई के आने का पता ही न चल सका। भाई भी बिना कुछ बोले चुपचाप एक ओर बैठा रहा। जब थोड़ी देर बाद बहन की नजर उस पर पड़ी तो भाई को अपने घर आया देख उसे बेहद खुशी हुई। उसने भाई का भरपूर आदर-सत्कार किया। अगले दिन भाई को वापस लौटना था, अतः रास्ते के लिए वह आटे के पकवान बनाने के उद्देश्य से चक्की में आटा पीसने लगी। अनजाने में चक्की में बैठा सांप भी आटे के साथ पिस गया। उसी आटे के पकवान एक पोटली में बांधकर उसने भाई को विदा किया और उसके घर से जाने के बाद जब उसे यह मालूम हुआ कि आटे में सांप पिस गया है तो अपने पुत्र को पालने में ही सोता छोड़कर वह अपने भाई के प्राणों की रक्षा के लिए दौड़ी।

कुछ दूर जाने पर उसे एक पेड़ की छांव में अपना भाई सोता दिखाई दिया। उसने अभी तक पोटली में से कुछ भी नहीं खाया था। उसने भगवान का शुक्रिया अदा किया और पोटली उठाकर दूर फैंक दी तथा भाई के साथ मायके की ओर चल दी। रास्ते में उसने देखा कि भारी-भारी शिलाएं आकाश में उड़ रही हैं। उसने एक राहगीर से इस रहस्य के बारे में जानना चाहा तो उसने बताया कि जो बहन अपने भाई पर कभी नाराज न होती हो और उसे दिलो-जान से चाहती हो, उस भाई की शादी के समय ये शिलाएं उसकी छाती पर रखी जाएंगी। थोड़ी दूर चलने पर उसे नाग-नागिन दिखाई दिए। नाग ने बताया कि ये शिलाएं जिस व्यक्ति की छाती पर रखी जाएंगी, हम उसे डस लेंगे। जब बहन ने इस विपत्ति से बचने का उपाय पूछा तो नाग-नागिन ने बताया कि अगर भाई के विवाह के समय उसके सभी कार्य बहन स्वयं करे, तभी भाई की जान बच सकती है।

जब उसके भाई के विवाह के लग्न का शुभ मुहूर्त आया तो वह भाई को पीछे धकेलती हुई स्वयं ही लग्न चढ़वाने के लिए आगे हो गई और घोड़ी पर भी स्वयं चढ़ गई। परिवारजन और संबंधी उसके इस विचित्र व्यवहार से हैरान तथा क्रोधित थे। उसके घोड़ी पर चढ़ते ही शिलाएं उड़ती-उड़ती आई लेकिन घोड़ी पर किसी पुरूष की जगह एक महिला को बैठी देख वापस मुड़ गई। जब सुहागरात का समय आया तो वह भाई को पीछे कर खुद भाभी के साथ सोने उसके कमरे में चली गई। परिवार के सभी सदस्य तथा सभी रिश्तेदार उसके इस अजीबोगरीब व्यवहार से बेहद आश्चर्यचकित और खफा थे। उन्हें उस पर गुस्सा तो बहुत आ रहा था लेकिन उसके जिद के समक्ष सभी विवश थे। सुहागरात पर नियत समय पर नाग-नागिन उसके भाई को डसने कमरे में पहुंच गए लेकिन उसने नाग-नागिन को मारने की सारी तैयारी पहले ही कर रखी थी। आखिरकार उसने नाग-नागिन का काम तमाम कर ही दिया और उसके बाद वह निश्चिंत होकर सो गई।

सुबह होने पर सभी मेहमानों को विदा करने के बाद परिवार वालों ने सोचा कि अब इस बला को भी कुछ बचा-खुचा देकर यहां से चलता कर दिया जाए लेकिन नींद से जागने पर जब उसने पूरी घटना के बारे में सब को विस्तार से बताया कि किस प्रकार वह अपने बच्चे को पालने में ही सोता छोड़कर दौड़ी-दौड़ी भाई के प्राण बचाने के लिए उसके पीछे चली आई और सभी को नाग-नागिन के मृत शरीर दिखाए तो सभी की आंखों में आंसू आ गए और भाई के प्रति उसका असीम प्यार तथा समर्पण भाव देखकर उसके प्रति सभी का हृदय श्रद्धा से भर गया। भाई-भाभी तथा माता-पिता ने उसे ढ़ेर सारे उपहारों से लादकर बड़े मान-सम्मान के साथ खुशी-खुशी ससुराल विदा किया। भाई-बहन के बीच इसी प्रकार के पावन संबंध, प्रेमभाव तथा उनके दिलों में आपसी संबंधों को मजबूत बनाने के लिए ही 'भाई दूज' पर्व मनाया जाता है।

साने ताकाइची ने रचा इतिहास, बनीं जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री

टोक्यो, एजेंसी। जापान की संसद ने मंगलवार को अति-रूढ़िवादी साने ताकाइची को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री चुना। इसके साथ ही साने ने जापान में एक नया इतिहास लिख दिया। 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' की प्रमुख 64 वर्षीय ताकाइची प्रधानमंत्री के रूप में शिगेरु इशिबा की जगह लेंगी, जिन्हें दो बार चुनावी हार के बाद मजबूरन इस्तीफा देना पड़ा था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार जापान की संसद के निचले सदन में साने ताकाइची को 237 वोट मिले हैं, जो 465 सीटों वाले सदन में बहुमत से अधिक है। वह आज शाम जापान के 104वें प्रधान मंत्री के रूप में शपथ लेंगी।

जापान की आयरन लेडी

जापान की संसद सदस्य तीन दशकों से अधिक का अनुभव रखने वाली ताकाइची आर्थिक सुरक्षा मंत्री समेत कई अहम जिम्मेदारियां निभा चुकी हैं। कट्टर रूढ़िवादी छवि की वजह से आलोचक उन्हें लेडी डोनाल्ड ट्रंप कहने लगे हैं, तो पूर्व प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कथित तौर पर उन्हें 'तालिबान ताकाइची' तक कह दिया था। वह मार्गरेट थैचर की तरह जापान की आयरन लेडी के नाम से मशहूर हैं।

एक मजबूत सेना की समर्थक हैं ताकाइची

साने ताकाइची की छवि एक अति-रूढ़िवादी नेता की है। उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के रूढ़िवादी दृष्टिकोण की समर्थक माना जाता है। लिबरल डेमोक्रेट्स पार्टी एक पुरुष प्रधान पार्टी है और ताकाइची इस पार्टी की पहली महिला अध्यक्ष हैं। ताकाइची साल 1993 में पहली बार अपने गृहनगर नारा से सांसद चुनी गई थीं। उन्होंने आर्थिक सुरक्षा, आंतरिक मामलों और लैंगिक समानता मंत्री सहित कई अहम सरकारी पदों पर काम किया है। ताकाइची एक मजबूत सेना, सैन्य खर्च बढ़ाने, परमाणु संलयन को बढ़ावा देने, साइबर सुरक्षा और आव्रजन पर सख्त नीति की समर्थक हैं। ताकाइची शाही परिवार में केवल पुरुषों के उत्तराधिकार की समर्थक हैं, वे समलैंगिक विवाह का विरोध करती हैं और 19वीं सदी के नागरिक कानून में संशोधन का विरोध करती हैं।

एंकर से देश की पीएम बनने तक का सफर

साने ताकाइची का जन्म सात मार्च 1961 को जापान के नारा राज्य में हुआ था। उनके पिता टोयोटा कंपनी में कर्मचारी थे, तो मां पुलिस में। स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद ताकाइची निजी विश्वविद्यालय से पढ़ाई करना चाहती थीं, लेकिन छोटे भाई की पढ़ाई में कोई व्यवधान न आए, इसलिए उन्होंने कोबे विश्वविद्यालय से बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने टीवी एंकरिंग समेत अन्य काम किए। 1984 में ताकाइची ने मात्सुशिता इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नमेंट एंड मैनेजमेंट में प्रवेश लिया। तीन साल बाद, उन्हें एक कार्यक्रम के तहत वाशिंगटन डीसी भेजा गया। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के अमेरिकी प्रतिनिधि पैट श्रोएडर के लिए कांग्रेसनल फेलो के रूप में काम किया। 1989 में उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस में अपने अनुभव पर एक किताब भी लिखी।

शिंजो आबे से सीखी राजनीति

अमेरिका से लौटने के बाद ताकाइची ने राजनीति में सक्रियता बढ़ा दी। उन्होंने 1992 में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव?लड़ा, लेकिन हार गईं। इसके एक साल बाद ही और अच्छी तैयारी के साथ फिर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में संसदीय चुनाव मैदान में उतरीं और जीत दर्ज की। 1996 में वह दक्षिणपंथी एलडीपी से जुड़ गईं और अब तक संसद सदस्य हैं। 2000 के दशक में ताकाइची शिंजो आबे की सहयोगी बन गईं, जो लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने आबे के मार्गदर्शन में राजनीति के दांव-पेच सीखे। 2021 और 2024 में एलडीपी की शीर्ष नेता का चुनाव हार गईं, लेकिन इस बार शिगेरू इशिबा के इस्तीफे के बाद पार्टी अध्यक्ष के चुनाव में उन्होंने कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी को हराया। वह सिर्फ एक बार चुनाव हारी हैं और दस बार संसद सदस्य चुनी गई हैं।

एलडीपी की पहली महिला अध्यक्ष

64 वर्षीय साने ताकाइची एलडीपी की पहली महिला अध्यक्ष बनने के साथ ही देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने वाली हैं। वह नारा प्रांत की पहली ऐसी व्यक्ति होंगी, जो प्रधानमंत्री बनेंगी। इसके साथ ही द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद प्रधानमंत्री पद पर पहुंचने वाली भी वह ऐसी पहली व्यक्ति बन जाएंगी, जिसका किसी राजनीतिक खानदान से ताल्लुक न हो। वह चीन के सैन्य और आर्थिक प्रभाव बढ़ाने के प्रयासों की एक प्रमुख आलोचक रही हैं और उन्होंने जापान से अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए और अधिक प्रयास करने का आह्वान किया है। उन्होंने प्रवासियों से भी अपने देश 'जापान लौटने' का आह्वान किया है।

ड्रम वादक और कार चालक

ताकाइची को कॉलेज के समय से ही ड्रम बजाने का शौक है। वह इतनी तेजी से ड्रम बजाती थीं कि स्टिक ही टूट जाती, इसलिए वह अपने पास अतिरिक्त स्टिक रखती थीं। वह मोटरसाइकिल और कार चलाने की भी शौकीन हैं, तो स्कूबा डाइविंग में उन्हें महारत हासिल है। वह जब पहली बार संसद का चुनाव जीतीं, तो उन्होंने टोयोटा कंपनी की कार खरीदी, जिसे उन्होंने लंबे समय तक चलाया, अब वह उनके छोटे म्यूजियम का हिस्सा है। वह गाना गाने और जापानी रॉक सुनने की शौकीन हैं और बेसबाल टीम हनशिन टाइगर्स और घुड़दौड़ की प्रशंसक हैं।

कट्टर, फिर भी प्रगतिशील

ताकाइची महिला सशक्तीकरण की हिमायती हैं, लेकिन कुछ मामलों में वह कट्टर परंपरावादी हैं। उनका मानना है कि जापान के शाही परिवार का उत्तराधिकारी पुरुष ही होना चाहिए, तो वह समलैंगिक विवाह के खिलाफ हैं। वह शादी के बाद फूफू बेसेई या विवाहित जोड़ों के लिए अलग उपनाम के विचार का विरोध करती हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि यह परंपरा के विरुद्ध है। वह जापानी मूल्यों के संरक्षण पर जोर देती हैं।

व्हाइट हाउस में चलेगा बुलडोजर! ईस्ट विंग की जगह बनेगा नया भव्य बॉलरूम

ट्रंप ने किया निर्माण कार्य का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास और कार्यालय व्हाइट हाउस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान किया है कि व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग को तोड़कर वहां एक नया, भव्य प्रेसिडेंशियल बॉलरूम बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट पूरी तरह निजी रूप से फंडेड है और इससे अमेरिकी करदाताओं पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। ट्रंप ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर के दी। उन्होंने बताया कि यह बॉलरूम राजकीय यात्राओं, बड़े आयोजनों और आधिकारिक कार्यक्रमों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा और भविष्य की पीढ़ियों के लिए काम आएगा। ट्रंप ने कहा कि 150 वर्षों से हर राष्ट्रपति यह सपना देखता रहा है कि व्हाइट हाउस में एक बॉलरूम हो। मुझे गर्व है कि मैं इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट को शुरू करने वाला पहला राष्ट्रपति बना। बता दें कि इस नए बॉलरूम का आकार लगभग 90,000 वर्गफुट होगा और इसकी अनुमानित लागत 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। यह ट्रंप की लंबे समय से चली आ रही इच्छा का हिस्सा है कि व्हाइट हाउस में आधुनिक और आलीशान इवेंट स्पेस बनाया जाए, जो उनके निजी क्लबों की तरह भव्य दिखे। व्हाइट हाउस द्वारा जारी तस्वीरों में इस बॉलरूम को क्रिस्टल और गोल्ड झूमरों, सोने से सजे कॉलम, सुंदर नक्काशीदार छत और चेकर्ड मार्बल फ्लोर से सजाया गया दिखाया गया है। इसका डिजाइन व्हाइट हाउस की शास्त्रीय वास्तुकला के अनुरूप होगा और यह एक साथ 650 मेहमानों को बैठाने की क्षमता रखेगा, जो वर्तमान में सबसे बड़े ईस्ट रूम की क्षमता से तीन गुना ज़्यादा है। इस बॉलरूम में दक्षिण लॉन की ओर खुलने वाली तीन दीवारों पर मेहराबदार खिड़कियां भी होंगी, जिससे भव्यता के साथ प्राकृतिक दृश्य भी मिलेंगे। ट्रंप इससे पहले भी व्हाइट हाउस परिसर में कई बदलाव कर चुके हैं, जिनमें बड़े फ्लैगपोल लगवाना, रोज गार्डन का नया डिज़ाइन और ओवल ऑफिस में गोल्डन सजावट शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

मिसाइलें नहीं मिलीं पर उम्मीद बाकी, ट्रंप से मुलाकात के बाद जेलेंस्की बोले- बातचीत सकारात्मक रही

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी हालिया मुलाकात सकारात्मक रही, भले ही उन्हें उम्मीद के मुताबिक टॉमहॉक मिसाइलें नहीं मिल सकीं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका अब भी यूक्रेन के साथ आर्थिक साझेदारी को लेकर दिलचस्पी रखता है। यह बैठक ऐसे समय हुई जब ट्रंप की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बातचीत के कुछ घंटे बाद ही दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। जेलेंस्की ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि ट्रंप ने रूस के साथ तनाव बढ़ाने से फिलहाल इनकार किया है। उन्होंने कहा, मेरे विचार में ट्रंप नहीं चाहते कि पुतिन से मुलाकात से पहले कोई बड़ा सैन्य तनाव बढ़े। यूक्रेन टॉमहॉक मिसाइलों की खरीद के लिए प्रयासरत था, जिससे उसकी रक्षा क्षमता में बड़ा सुधार होता, पर यह अनुरोध ट्रंप द्वारा खारिज कर दिया गया। इस निर्णय से यूक्रेन को निराशा हुई, लेकिन जेलेंस्की ने अपनी प्रतिक्रिया में कूटनीतिक संयम बनाए रखा।

अमेरिकी सहायता और पैट्रियट सिस्टम की मांग : यूक्रेन सरकार 25 पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम अमेरिकी कंपनियों से खरीदना चाहती है। इसके लिए वह जमे हुए रूसी फंड और सहयोगी देशों की मदद से संसाधन जुटाने की योजना बना रही है। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने ट्रंप से उत्पादन प्रक्रिया को तेज कराने और यूरोपीय सहयोगियों के माध्यम से इसे जल्द उपलब्ध कराने में मदद मांगी। हालांकि, उन्होंने माना कि इन सभी प्रणालियों की डिलीवरी में समय लगेगा।

पुतिन के रुख और वार्ता का अगला चरण : बैठक में ट्रंप ने दोहराया कि रूस की मांग अब भी वही है। यूक्रेन को अपने पूरे डोनेट्स्क और लुहान्स्क क्षेत्रों को छोड़ना होगा। इसके बावजूद जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप का रवैया कुल मिलाकर सकारात्मक था क्योंकि उन्होंने वर्तमान मोर्चा-रेखा पर युद्धविराम की संभावना को समर्थन दिया। ट्रंप आगामी हफ्तों में हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में पुतिन से मिलने वाले हैं। उनका मानना है कि यह बैठक यूक्रेन युद्ध के समाधान की दिशा में एक कदम साबित हो सकती है।

बुडापेस्ट मीटिंग और ऑर्बन पर कटाक्ष : जेलेंस्की ने बुडापेस्ट को संभावित वार्ता स्थल मानने से असहमति जताई। उन्होंने कहा कि मैं नहीं मानता कि वह प्रधानमंत्री जो हर मोर्चे पर यूक्रेन का विरोध करता है, हमारे लिए कोई संतुलित योगदान दे सकता है। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि अगर वार्ता निष्पक्ष होगी तो वह उसमें भाग लेने पर विचार करेंगे। उन्होंने पुतिन के प्रस्ताव पर भी सवाल उठाए, जिसमें रूस ने खेरसॉन और जापोरिझिया के कुछ हिस्से छोड़ने की पेशकश की थी, बशर्ते यूक्रेन डोनेट्स्क और लुहान्स्क से पीछे हट जाए। जेलेंस्की ने आगे कहा कि हमें अब तक रूस की मंशा साफ नहीं दिखी, लेकिन सभी पक्ष अब थोड़ा करीब जरूर आए हैं।

अमेरिका की आर्थिक दिलचस्पी और गैस प्रोजेक्ट : जेलेंस्की ने यह भी खुलासा किया कि अमेरिका यूक्रेन में गैस और ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश को लेकर दिलचस्पी रखता है। दोनों देशों के बीच ओडेसा में एलएनजी टर्मिनल निर्माण सहित कई ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर बातचीत हुई है। इसके अलावा परमाणु ऊर्जा और तेल क्षेत्र में भी साझेदारी की संभावनाएं तलाशने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि ट्रंप मध्य पूर्व में काफी कुछ हासिल कर चुके हैं, और अब वह उसी रफ्तार से रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की कोशिश करना चाहते हैं।

हूती विद्रोहियों ने यमन के पांच कर्मियों को मुक्त किया

सना, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों ने यमन के पांच संयुक्त राष्ट्र (यूएन) कर्मचारियों को रिहा कर दिया। विद्रोहियों ने 15 अंतरराष्ट्रीय कर्मियों को सना स्थित यूएन परिसर में स्वतंत्र रूप से आने-जाने की अनुमति दी। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि हूती सुरक्षा बल परिसर से हट गए हैं। बता दें कि हूती लंबे समय से यूएन और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों को निशाना बनाते रहे हैं। उन पर जासूसी के आरोप भी लगे हैं जिन्हें यूएन ने खारिज किया है। कर्मियों को मुक्त करने के अलावा हूती विद्रोहियों ने अपने सैन्य प्रमुख मेजर जनरल मोहम्मद अब्दुल करीम अल-गमारी का अंतिम संस्कार भी किया।गमारी हाल ही में इस्राइली सेना के हवाई हमले में मारे गए थे। हजारों लोग सना की सड़कों पर दिखे और इस्राइल के खिलाफ नारे भी लगाए। हूती समर्थित मीडिया के अनुसार, अल-गमारी के अलावा उनके 13 वर्षीय बेटे और कई सहयोगी भी मारे गए। बता दें कि अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने अल-गमारी पर कई प्रतिबंध लगाए थे। गमारी पर यमन और सऊदी अरब पर हमलों के संचालन का आरोप भी लगा था। बता दें कि इस्राइल और अमेरिका हूती हमलों के जवाब में संयुक्त सैन्य अभियान चला रहे हैं। अमेरिका में पाकिस्तान के एक हथियार तस्कर को पांच आरोपों में दोषी ठहराए जाने बाद 40 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। उस पर ईरान से यमन में हूती विद्रोहियों तक बैलिस्टिक मिसाइल के पुर्जे पहुंचाने का आरोप था। जियो न्यूज के अनुसार, दोषी मोहम्मद पहलवान (49) को अमेरिकी सैन्य बलों ने पिछले साल जनवरी में अरब सागर से उस वक्त पड़ा, जब वह मछली पकड़ने वाली नाव के जरिये इन कलपुर्जों को ले जा रहा था।

पत्रकार ने पूछा- ट्रम्प और पुतिन की बैठक की जगह किसने चुनी, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता बोलीं- तुम्हारी मां ने

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने सोमवार को हफिंगटन पोस्ट के पत्रकार एसवी डीटे पर नाराजगी जताई। लीविट ने उन्हें लेफ्ट-विंग हैक कहा। दरअसल एसवी डीटे ने लीविट को मैसेज कर ट्रम्प और पुतिन की संभावित बैठक से जुड़ा सवाल किया। उन्होंने पूछा कि इस बैठक के लिए जगह किसने चुनी। इस पर लीविट ने जवाब देते हुए कहा कि, तुम्हारी मां ने चुनी।

पत्रकार एसवी डीटे ट्रम्प की आलोचनात्मक कवरेज के लिए जाने जाते हैं। लीविट ने बाद में अपना यह जवाब ङ्ग पर शेयरकरते हुए लिखा कि एसवी डीटे तथ्य में रुचि रखने वाले पत्रकार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह वर्षों से ट्रम्प पर लगातार हमला कर रहे हैं।

बुडापेस्ट में होने वाली बैठक में ट्रम्प, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन युद्ध को खत्म करने पर चर्चा करेंगे। लेविट कैरोलिन ने जवाब में तीखा तंज कसते हुए लिखा, आपकी मां ने किया। इसके बाद उन्होंने अपने इस जवाब का स्क्रीनशॉट एक्स पर शेयर किया और लिखा, हफिंगटन पोस्ट के एसवी डेट फैक्ट में रुचि रखने वाले पत्रकार नहीं हैं। वह एक वामपंथी हैक हैं, जिन्होंने वर्षों से लगातार राष्ट्रपति ट्रंप पर हमला बोला है और मेरे फोन पर डेमोक्रेटिक बातों को बार-बार भेजते रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, डेट का एक्स फीड देखिए, यह ट्रंप विरोधी निजी डायरी की तरह लगता है। कार्यकर्ता जो खुद को असली पत्रकार बताते हैं, वे इस पेशे को बदनाम करते हैं।

बुडापेस्ट में हो सकती है मीटिंग

ट्रंप प्रशासन ने ट्रंप-पुतिन शिखर सम्मेलन की सटीक तारीख या जगह की पुष्टि नहीं की है। संभावना है कि यह अगले दो हफ्तों में बुडापेस्ट में यह होगा। दोनों नेताओं की पिछली बैठक 15 अगस्त को अलास्का में हुई थी, जो पुतिन की ओर से ट्रंप के तत्काल युद्धविराम प्रस्ताव को ठुकराने के बाद बिना किसी प्रगति के समाप्त हुई। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने पिछले हफ्ते वाशिंगटन में ट्रंप से मुलाकात की थी, उन्होंने अपनी बातचीत को सकारात्मक बताया। जेलेंस्की ने कहा, ट्रंप और उनकी टीम के साथ 2 घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुई। उनका संदेश मेरे विचार से सकारात्मक है। हम मोर्चे पर जहां हैं, वहां डटे रहेंगे।

25 साल के बिपिन को नेपाल की अंतरिम पीएम सुशीला कार्की ने दी श्रद्धांजलि

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के 25 वर्षीय छात्र बिपिन जोशी, जिन्हें 2023 में हमास के आतंकियों ने इस्राइल से अगवा कर लिया था, आखिरकार दो साल बाद स्वदेश लौटे लेकिन ताबूत में। काठमांडू पहुंचने के बाद नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने बिपिन को राष्ट्रीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूरा देश शोक में डूबा नजर आया। बिपिन जोशी इस्राइल में लर्न एंड अर्न कार्यक्रम के तहत कृषि की पढ़ाई कर रहे थे। सात अक्तूबर 2023 को जब हमास ने इस्राइल के दक्षिणी इलाके किब्बुत्ज़ अलुमीम पर हमला किया, तब

हमास की कैद में हुई थी मौत

बिपिन समेत 17 नेपाली छात्रों को अगवा कर लिया गया था। शुरुआती दिनों में माना गया कि वह जीवित हैं और हमास की कैद में हैं। पर दो वर्षों तक उनके बारे में कोई खबर नहीं मिली।

मौत की पुष्टि और शव की पहचान : बीते सप्ताह हमास के सैन्य विंग क़स्साम ब्रिगेड ने चार बंधकों के शव इस्राइल को सौंपे, जिनमें बिपिन जोशी का शव भी शामिल था। शव की पहचान टेल अवीव के फॉरेंसिक विभाग ने डीएनए जांच से की। इस्राइल डिफेंस फोर्स ने बताया कि बिपिन को अगवा करने के एक महीने बाद उनकी हत्या कर दी गई थी। हालांकि, हमास का दावा है कि बिपिन इस्राइली हवाई हमले में मारे गए।

अंतिम यात्रा और नेपाल में श्रद्धांजलि : रविवार को तेल अवीव के बेन गुरियन एयरपोर्ट पर बिपिन को श्रद्धांजलि दी गई। समारोह में इस्राइली अधिकारी, नेपाली राजनयिक और प्रवासी नेपाली समुदाय के सदस्य शामिल हुए। सोमवार दोपहर उनका पार्थिव शरीर नेपाल पहुंचा। काठमांडू में राष्ट्रीय ध्वज में लिपटे ताबूत पर प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने पुष्प अर्पित किए और उन्हें देश का वीर पुत्र बताया। इसके बाद शव को कंचनपुर स्थित उनके गांव ले जाया गया, जहां हजारों लोगों ने अंतिम दर्शन किए।

कूटनीतिक और मानवीय पहलू : हमास और इस्राइल के बीच जारी युद्धविराम और शांति प्रक्रिया के तहत बंधक अदला-बदली का समझौता हुआ था, जिसमें बिपिन का शव सौंपा गया। अमेरिकी मध्यस्थता से बने इस समझौते के पहले चरण में जीवित 20 बंधकों को रिहा किया गया था। बिपिन के परिवार को भेजे गए पत्र में बताया गया कि उनकी मौत सिर में गोली लगने से हुई। नेपाल सरकार ने इसे राष्ट्रीय त्रासदी बताते हुए विदेश मंत्रालय से अगवा नेपाली छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

बोलिविया में पलटी सत्ता, रॉड्रिगो पाज की ऐतिहासिक जीत; अमेरिका के साथ रिश्तों में करेंगे नई शुरुआत?

सूक्रे, एजेंसी। बोलिविया में बीते 20 वर्षों में पहली बार एक दक्षिणपंथी नेता राष्ट्रपति चुने गए हैं। रॉड्रिगो पाज ने रविवार को हुए चुनाव में 54.5% वोट पाकर चौंकाने वाली जीत दर्ज की। यह नतीजा देश में लंबे समय से चली आ रही वामपंथी सरकार के युग के अंत का संकेत भी माना जा रहा है। अपनी जीत के बाद पाज ने सोमवार को कहा कि वह अमेरिका के साथ रिश्ते सुधारने और विदेशी निवेश लाने पर ध्यान देंगे। उन्होंने वॉशिंगटन के साथ पहले से बातचीत शुरू कर दी है ताकि 8 नवंबर को पदभार संभालने के बाद ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

अमेरिका के साथ नए संबंधों की शुरुआत : अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाज की जीत को दोनों देशों के लिए एक नए युग की शुरुआत बताया। पाज ने भी कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने सहयोग के स्पष्ट संकेत दिए हैं और अब दोनों देश निवेश, सुरक्षा और आव्रजन जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करेंगे।

तेल की किल्लत और बिगड़ी अर्थव्यवस्था : बोलिविया की अर्थव्यवस्था गहरे संकट में है। देश के केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा लगभग खत्म हो चुकी है, जिससे पेट्रोल और डीजल जैसी जरूरी चीजों का आयात मुश्किल हो गया है। शहरों में ईंधन के लिए लंबी लाइनें लग रही हैं और सितंबर में महंगाई दर 23% तक पहुंच गई, जो 1991 के बाद सबसे ज्यादा है।

आईएमएफ से नहीं लेंगे मदद : चुनाव में पाज ने अपने प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज तूतो किरोगा को हराया, जो आईएमएफ से कर्ज लेकर

आर्थिक संकट सुलझाना चाहते थे। पाज ने इस विचार को ठुकरा दिया क्योंकि बोलिविया में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रति अविश्वास गहरा है।

जनता से जुड़ने में लारा की अहम भूमिका : पाज की लोकप्रियता में बड़ी भूमिका उनके उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार एडमैन लारा की रही। पूर्व पुलिस अधिकारी लारा ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सोशल मीडिया पर आवाज उठाई थी और खासकर गरीब और ग्रामीण मतदाताओं में काफी लोकप्रिय हुए। उन्होंने पेंशन बढ़ाने और नकद सहायता जैसी लोकलुभावन घोषणाएं कीं, जिससे वामपंथी मतदाताओं का समर्थन भी मिला।

संविधान में बदलाव की योजना? : पाज ने कहा कि वो सबसे पहले देश की व्यवस्था सुधारेंगे। इसके लिए संविधान में बदलाव की भी योजना है। हालांकि इससे देश की बहुसंख्यक आदिवासी आबादी में चिंता है क्योंकि मौजूदा संविधान ने उन्हें राजनीतिक पहचान दी थी। पाज ने भरोसा दिलाया कि आदिवासी समुदाय का सम्मान बरकरार रहेगा और न्यायपालिका में राजनीतिक हस्तक्षेप खत्म करने के लिए तुरंत कदम उठाए जाएंगे।

ट्रम्प के लिए मृत मां का वोट डालने वाली महिला को निबंध लिखने की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में एक महिला को अपनी मृत मां के नाम से वोट डालने के मामले में अदालत ने सजा के रूप में निबंध लिखने और मतदान पर किताब पढ़ने का आदेश दिया है। नैशवॉक इलाके में रहने वाली 51 वर्षीय डेनियल क्रिस्टीन मिलर ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में अपनी मां के नाम से डोनाल्ड ट्रम्प को वोट दिया था।

अमेरिका ने वीजा नियमों में दी बड़ी राहत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सिटिजनशिप ऐंड इमिग्रेशन सर्विस डिपार्टमेंट ने एच 1 बी वीजा होल्डर्स को बड़ा राहत देते हुए स्पष्ट किया है कि जिनके पास पहले से वीजा है उन्हें केवल स्टेस बदलवाने के लिए 1 लाख डॉलर का शुल्क नहीं देना होगा। गाइडलाइन्स के मुताबिक एफ-1 वीजा वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों और एल-1 वीजा वाले प्रफेशनल्स को 1 स्टेटस बदलवाने के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा। इसके अलावा जिनके पास एच 1 बी वीजा है उन्हें भी इसे रिन्यू करवाने के लिए 1 लाख डॉलर की फीस नहीं देनी पड़ेगी। बता दें कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 20 सितंबर को एच-1बी वीजा के लिए एक लाख डॉलर के शुल्क का ऐलान किया था। 21 सितंबर से एच-1बी वीजा अप्लाई करने वालों को इसके लिए 1 लाख डॉलर की फीस देनी पड़ रही है।

आपको न पसंद करता हूं, न करूंगा, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री के सामने ही ट्रंप ने की पूर्व प्रधानमंत्री की बेइज्जती

वॉशिंगटन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज अमेरिका के दौरे पर हैं। सोमवार को उन्होंने वाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ रेयर अर्थ मिनरल्स डील पर दस्तखत किए। इस दौरान ट्रंप ने ऑस्ट्रेलिया के राजदूत और वहां के पूर्व प्रधानमंत्री केविन रुड के प्रति सार्वजनिक तौर पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उस वक्त केविन रुड भी वाइट हाउस में कैबिनेट की मेज पर आमने-सामने बैठे थे। यह वाकया तब हुआ, जब एक रिपोर्टर ने ट्रंप से पूछा कि केविन रुड की पिछली आलोचना उन्हें कैसी लगी? इस पर ट्रंप ने कहा, शायद वह माफ़ी मांगना चाहेंगे। इसके बाद अपने बगल में बैठे अल्बानीज की ओर मुड़ते हुए, ट्रंप ने कहा, वह कहाँ हैं? क्या वह अब भी आपके लिए काम कर रहे हैं? तभी अल्बानीज ने अजीब तरह से मुस्कुराते हुए रुड की ओर इशारा किया, जो ट्रंप के ठीक सामने बैठे थे। इसी बीच, केविन रुड ने ट्रंप को समझाना शुरू किया, राष्ट्रपति महोदय, यह मेरे इस पदभार ग्रहण करने से पहले की बात है।

हंस पड़े सभी लोग

तभी ट्रंप ने उनकी बात को काटते हुए कहा, मैं भी आपको पसंद नहीं करता। आप मुझे पसंद नहीं है और शायद कभी भी नहीं करूँगा। तभी दोनों सहयोगी देशों के अधिकारी हँस पड़े। फिर रिपोर्टर ने जल्दी से एक नया सवाल पूछ लिया। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने बाद में ट्रंप की इस टिप्पणी को एक मजाक बताकर टालने की कोशिश की। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के नाइन नेटवर्क से कहा, हमने हंसी सुनी। हम जानते हैं कि हमारी बैठक बहुत सफल रही और इसका पूरा श्रेय केविन को ही जाता है।

क्या है मामला?

अल्बानियाई लेबर पार्टी के पूर्व प्रधानमंत्री केविन रुड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति पद से हटने के बाद सोशल मीडिया पोस्ट उनकी तीखी आलोचना करते रहे थे। केविन रुड ने ट्रंप, जिनके समर्थकों ने 2020 के चुनाव में उनकी हार के बाद अमेरिकी संसद के बाहर दंगा किया था, को इतिहास का सबसे विनाशकारी राष्ट्रपति और पश्चिम का गद्दार तक कहा था। रुड ने कहा था कि ट्रंप अमेरिका और लोकतंत्र को कीचड़ में घसीट रहे हैं।

ट्रंप ने भी कहा था टिक नहीं पाएंगे रुड

मंडारिन भाषा बोलने वाले पूर्व राजनयिक रुड को जो बाइडेन के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान अमेरिका में ऑस्ट्रेलिया का राजदूत नियुक्त किया गया था। ऑस्ट्रेलिया को उम्मीद थी कि चीन पर उनकी विशेषज्ञता वॉशिंगटन में उनका प्रभाव बढ़ाएगी। पिछले वर्ष चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने कट्टर दक्षिणपंथी ब्रिटिश राजनीतिज्ञ निगेल फैराज के साथ एक साक्षात्कार में रुड को बुरा कहा था और कहा था कि वह राजदूत के रूप में अधिक समय तक अमेरिका में नहीं टिक पाएंगे।

प्रेसबायोपिया: अपनी उम्र को आंखों की रोशनी के कमजोर होने का कारण न बनने दें

प्रेसबायोपिया या लेंस के सामंजस्य की क्षमता का खत्म हो जाना उम्र के साथ होने वाला सामान्य परिवर्तन है, जोकि लोगों को 40 की उम्र के बाद प्रभावित करता है हालांकि, मोबाइल फोन और इसी तरह के गैजेट्स का प्रयोग करने से कई बार अब यह उम्र से पहले ही नजर आने लगा है। यह नजदीक में केंद्रित कर पाने को कठिन बना देता है, खासकर छोटे अक्षरों और कम रोशनी में। शुरुआती चरण में व्यक्ति फोन या किताब को कुछ दूर तक रख सकता है लेकिन कुछ स्थितियों में, यहां तक कि लंबे हाथों वाले व्यक्ति भी लंबे समय तक मेन्यू के छोटे अक्षरों को नहीं पढ़ सकते। साथ ही, नजदीक का काम करने जैसे कढ़ाई या हाथों से लिखने पर उन लोगों को सिरदर्द, आंखों पर दबाव या थकान महसूस हो सकती है। और इसके बाद यह वह स्थिति होती है जब लोगों को मदद की या फिर नेत्ररोग विशेषज्ञ से मिलने की आवश्यकता हो जाती है।

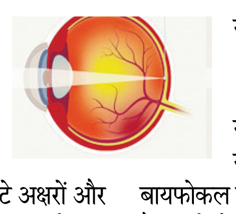

प्रेसबायोपिया का क्या होता है कारण?

जब हम बूढ़े हो जाते हैं, तो लगभग सारी चीजें कठोर या कड़ी होने लगती हैं और हमारी आंखें भी अपवाद नहीं हैं। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, आंखों के लेंस कड़े होने लगते हैं और वे अपना लचीलापन खोने लगता है। इसके परिणामस्वरूप नजदीक की चीजों पर केंद्रित या फोकस करने की क्षमता धीरे-धीरे बिगड़ती चली जाती है, जो प्रेसबायोपिया कहलाता है।

जांच

आपके नेत्ररोग विशेषज्ञ प्रेसबायोपिया की जांच आंखों के विस्तृत परीक्षण के रूप में कर सकते हैं। इसके साथ ही आंखों की अन्य समस्याओं के लिए वे आपके प्रेसबायोपिया की गंभीरता की जांच प्रमाणिक दृष्टि परीक्षण का प्रयोग करके करेंगे।

प्रेसबायोपिया का इलाज

प्रेसबायोपिया को ठीक करने के लिए कोई भी बेहतर तरीका नहीं है। इसमें सुधार का सबसे सही तरीका आपकी आंखों और आपकी जीवनशैली पर निर्भर करता है। आपको अपने नेत्ररोग विशेषज्ञ से अपनी जीवनशैली के बारे में जरूर चर्चा करनी चाहिए, ताकि यह निर्णय लिया जा सके कि कौन-सा सुधार आपके लिए सबसे अधिक उपयुक्त हो सकता है।

चश्मा

बायफोकल या प्रोग्रेसिव लेंस के साथ वाले चश्मे प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए सबसे आम होते हैं। बायफोकल का मतलब है, जिसमें दो फोकस होते हैं: चश्मे के लेंस का प्रमुख भाग दूरदृष्टि दोष के सुधार के लिए होता है, जबकि लेंस का निचला हिस्सा निकट दृष्टि दोष की अत्यधिक परेशानी में निकट का काम करने के लिए होता है।

कॉन्टैक्ट लेंस

प्रेसबायोपिया के लिए मल्टीफोकल कॉन्टैक्ट लेंस या मोनोविजन चुना जा सकता है, जिसमें एक आंख में दूरदृष्टि में सुधार के लिए पहना जाता है और दूसरे को निकट दृष्टिदोष के लिए पहना जाता है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि आपके आंखों की जांच नियमित रूप से होती रहे, खासकर 50 वर्ष की आयु के बाद।

सर्जरी

प्रेसबायोपिया का उपचार करने के लिए कंडक्टिव कैरेटोप्लास्टी या कॉर्नियल इन-लेज जैसे सर्जरी के विकल्प मौजूद हैं। लेजर का प्रयोग मोनोविजन तैयार करने के लिए किया जा सकता है, जिसमें एक आंख के निकट दृष्टि दोष को ठीक किया जाता है, जबकि दूसरी आंख दूरदृष्टि के लिए मजबूत बनाई जाती है। हाल में प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए आए इंट्राऑक्यूलर लेंस के साथ कुछ लोगों में जो मोतियाबिंद की सर्जरी करवाने जा रहे हैं, हो सकता है ताकि वे सभी प्रकार की दूरी में स्पष्ट देखने में सक्षम हो पाएं।

लक्षण

प्रेसबायोपिया धीरे-धीरे विकसित होता है। आप इसके संकेतों और लक्षणों को सबसे पहले 40 वर्ष की आयु के आस-पास देख सकते हैं। अक्षर स्पष्ट नजर आएं इसके लिए पाठ्य सामग्री दूर पकड़कर रखने की आदत।

- डॉ शारदिनी व्यास

लिपस्टिक खरीदते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

आपके पास अगर मेकअप करने का ज्यादा टाइम नहीं बचा है, तो आप काजल और लिपस्टिक लगाकर भी अपना लुक कम्पलीट कर सकती हैं। बस, लिपस्टिक लगाते वक्त आपको ख्याल रखना है कि आपके स्किन टोन और कपड़ों से मैच करती हुई लिपस्टिक ही लगाएं। लिपस्टिक खरीदते वक्त ये बातें आपको सही शॉपिंग में मदद करेंगी।

जानें चेहरे के हिसाब से कैसे चुनें शेड

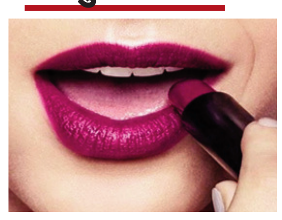

रेड

रेड क्लासिक ब्राइडल कलर है। यह बोल्ड भी है और स्टाइलिश भी। अगर आपने हेवी आई मेकअप नहीं किया है तो आप बोल्ड रेज लिपस्टिक ट्राई कर सकती हैं।

न्यूड

न्यूड लिपस्टिक आपको क्लासिक लुक देगा। फेयर स्किन टोन पर यह काफी सूट करते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहती हैं कि आपका आई मेकअप और ड्रेस ज्यादा हाइलाइट हों तो आप न्यूड लिपस्टिक ही चुनें।

पिंक

मीडियम स्किन टोन पर पिंक लिपस्टिक जचती है। यह आपके लुक को एक रोमांटिक टच देता है। पिंक में भी कई तरह के शेड्स अवेलेबल हैं जिनमें से आप अपनी पसंद की लिपस्टिक चुन सकती हैं।

लिपस्टिक पैटर्न का भी रखें खास ख्याल

मैट आपको ड्रैमेटिक और बोल्ड अपियरेंस देता है। अगर आपको पाउट वाले फोटोज खिंचाना पसंद है तो आपको मैट लिपस्टिक ही यूज करें। अगर आपके ड्राई लिप्स हैं तो ग्लॉस का इस्तेमाल करें। अगर आप किसी तरह के फ्लॉ से बचना चाहती हैं तो भी ग्लॉस आपके लिए सही ऑप्शन है।

लिप साइज

सही लिपस्टिक चुनने में लिप का साइज भी अहम है। अगर आपके होंठ पतले हैं तो आपको डार्क कलर्स से बचना चाहिए। वहीं बड़े होठों पर डार्क कलर्स आपके मेकअप में चार चांद लगा देंगे।

आप लिपस्टिक के कई शेड और पैटर्न अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा से भी खरीद सकते हैं। यहां कई बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हैं।

चना साग

सामग्री

■ चने का साग- 250 ग्राम ■ पालक- 250 ग्राम ■ मेथी के पत्ते- 100 ग्राम ■ मूंग की दाल- 250 ग्राम (बिना छिलके वाली) ■ लहसुन- 5-6 कलियां ■ अदरक- आधा इंच टुकड़ा (कद्दूकस किया) ■ हरी मिर्च- 2 (कटी हुई) ■ हींग- चुटकीभर ■ मक्के का आटा- 2 टेबलस्पून ■ हरी धनिया- बारीक कटी हुई ■ बटर- 1 टीस्पून ■ साबूत लाल मिर्च- 2 ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- 2 टेबलस्पून

विधि

चने के पत्तों को अच्छे से धोने के बाद काट लें। एक बाउल में मक्के का आटा और पानी मिलाकर अच्छे से मिक्स कर पेस्ट बना लें। फिर एक बाउल में मूंग की दाल को पानी में भिगोकर आधा घंटा रख दें। आधे घंटे बाद पानी से छानकर अच्छे से सूखा लें। इसके बाद प्रेशर कुकर में चने का साग, पालक, मेथी के पत्ते, 2 कप पानी, अदरक, हरा धनिया, नमक और मक्के के आटे का पेस्ट डालकर तीन सीटी आने तक पका लें। अब इसे थोड़ा ठंडा होने दें। फिर मेशर की मदद से मैश कर लें। कढ़ाई में तेल गरम करें। तेल जब गर्म हो जाए, तब इसमें जीरा, लहसुन और हरी मिर्च डालकर एक मिनट तक भून लें। फिर इसमें हींग, लाल मिर्च, मूंग की दाल और मैश किया हुआ साग डालकर लगातार चलाते हुए दो मिनट तक भून लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर इसका पानी सुखने तक लगातार चलाते हुए पका लें। फिर इसमें ऊपर से हरा धनिया डालकर मिक्स कर लें और दो मिनट तक पका लें। इसे सर्विंग बाउल में निकालें और ऊपर से बटर डालकर गरमा गरम रोटी के साथ सर्व करें।

मटर कोफ्ते

सामग्री

■ 1 कप मटर के दाने ■ 2 उबले आलू ■ 1 टीस्पून अरारोट या बेसन ■ 1 टुकड़ा कसा हुआ अदरक ■ 1-2 हरी मिर्च ■ नमक स्वादानुसार। ■ 3 मध्यम आकार के टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ 1 इंच टुकड़ा अदरक ■ 2 टीस्पून तेल या घी ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 2 टीस्पून मलाई ■ लाल मिर्च ■ 1/2 टीस्पून गर्म मसाला ■ बारीक कटा हरा धनिया।

विधि

मटर को उबाल कर दरदरा पीस लें। आलू मैश करें। कोफ्ते की सारी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ी सामग्री अलग करें और बाकी सामग्री से नींबू के आकार के गोले बनाकर तैयार कर लें। कोफ्तों को ब्राउन होने तक तलकर अलग रखें।

ग्रेवी के लिए: टमाटर, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट बना लें। फ्राइंगपैन में तेल डालकर जीरा, हल्दी और धनिया पाउडर डालें। अब मसाले का पेस्ट डालें और उसे तेल छोड़ने तक भूनें। मसाले में मलाई डालकर 2 मिनट भूनें। नमक, लाल मिर्च, गर्म मसाला डालें। ग्रेवी को जितना गाढ़ा करना चाहती हैं, उतना ही पानी डालें। उबाल आने के बाद 2 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी में कोफ्ते डालकर 2 मिनट ढककर रख दें। बारीक कटे हुए धनिये से गार्निश करें। चावल या रोटी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1846

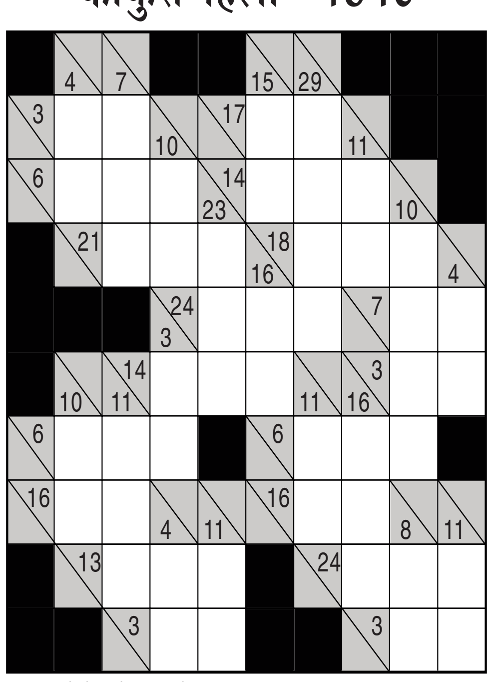

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

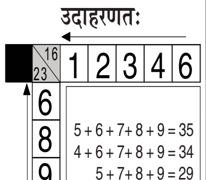

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 1845 का हल

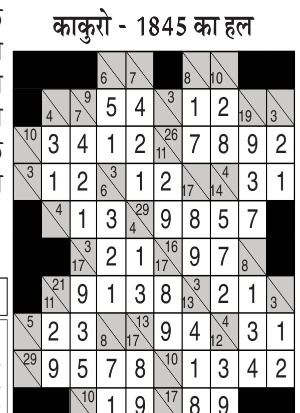

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा- 'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा- 'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला- 'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला- 'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा- 'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला- 'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता- 'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता- 'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 1846

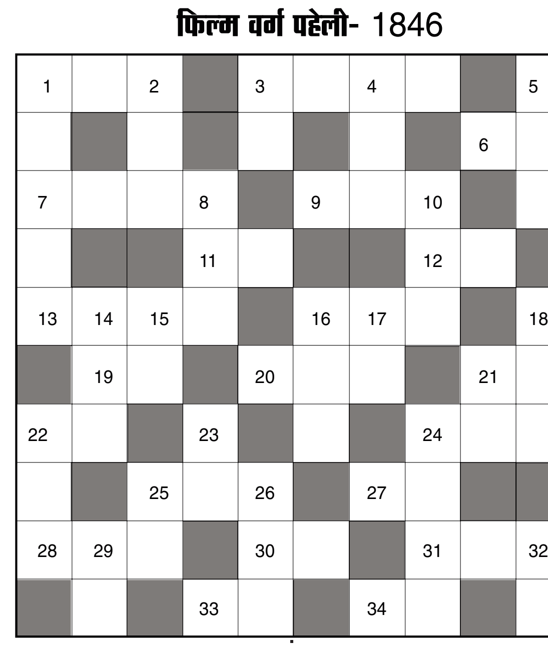

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1845

उ	म	रा	व	जा	न		आ	गा	ज
मं		हु		न		र	ति		मा
ग	ज	ल		शी	बा		श	बा	ना
	मी		अ	न	जा	ना		रू	
स	र	ग	म		र		स	द	मा
हे		द	ला	ल		सु	र		ई
ली	ड	र		ज्वा		ख		खे	ल
	कै		का		सो		आ		व
रा	त	औ	र	दि	न		रो		
खी			वॉ		म	न	प	सं	द

सूडोकु -1846

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1845 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 1846

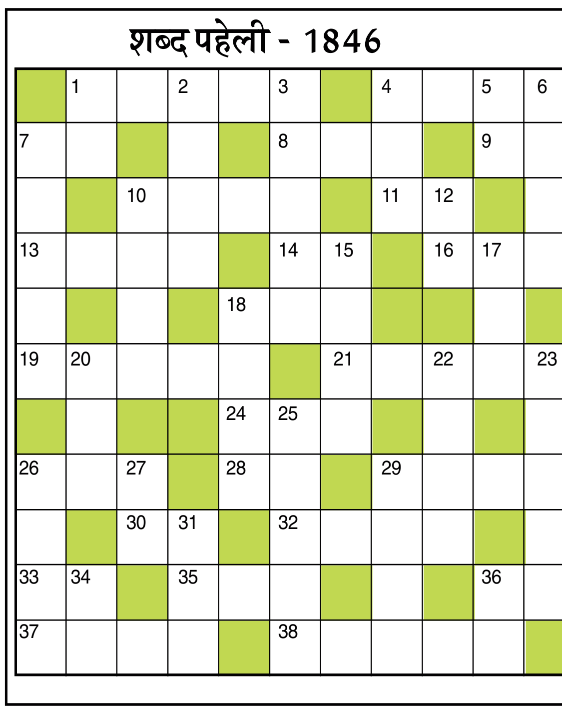

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली - 1845 का हल

अ	रा	ज	क	ता			म	वा	ली	
स	म		ल		चा	ला	न		ख	त
मा			प	ना	ह		न			म
न	ज	रा	ना			म		क	या	स
ता		व		ना	ला	य	क		प	
	प्रा	ण		म		खा		जा	न	
	रु		आ	ज	मा	ना		हि		म
स	प	ना		द			ब	ल	वा	न
र			स		ल	की	र			भा
ल	व		न	सी	ब		सा		दा	व
	ध	म	की			इ	त	मी	ना	न

दो दिवसीय दौरे पर 7 नवंबर को असम आएंगी केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमन

एजेंसी

बिश्वनाथ (असम)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन 7 और 8 नवंबर को दो दिवसीय दौरे पर असम आएंगी। केंद्रीय वित्त मंत्री 8 नवंबर को बिश्वनाथ जिलांतर्गत गहपुर के भोलागुड़ी में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। केंद्रीय मंत्री सीतारमन पहली असमिया फिल्म 'जयमती' के निर्माण स्थल भोलागुड़ी में निर्मित होने वाले शहीद कनकलता बरुवा विश्वविद्यालय का शिलान्यास करेंगी। लगभग 740 बीघा भूमि में बनने वाले इस राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय के लिए असम सरकार पहले चरण में 350 करोड़ रुप4 खर्च करेगी। इस कड़ी में आज असम सरकार की वित्त मंत्री अजंता नेओग और राज्य के मुख्य सचिवभोलागुड़ी में पहुंचकर आवश्यक तैयारियों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि भोलागुड़ी में बनने वाला स्तरीय विश्वविद्यालय इस क्षेत्र के लोगों के लिए शिक्षा के नये द्वार खोलेगा।

महाराष्ट्र के धाराशिव में दो कारों की टक्कर में 4 की मौत, दो घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के धाराशिव जिले के उमरगा तहसील में सोलापुर-हैदराबाद हाइवे पर दलिंब गांव के पास सुबह दो महंगी लग्जरी कारों की टक्कर में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई । इस घटना में दो लोग घायल हो गए, दोनों घायलों का इलाज सोलापुर के सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना की छानबीन स्थानीय पुलिस कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे में मारे गए चारों लोग आज सुबह धाराशिव जिले से खासमपुर बीदर की ओर जा रहे थे। तभी सामने से आ रही एक और कार ने उसे ज़ोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में बीद की ओर जा रही कार में सवार चार लोगों की मौत हो गई। जबकि दूसरी कार में सवार दो लोग घायल हुए हैं। इस घटना की जानकारी मिलते ही धाराशिव पुलिस स्टेशन की टीम तत्काल मौके पर पहुँची और चारों मृतकों का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि दोनों घायलों को सोलापुर के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया है। इस घटना में अभी तक मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है, मामले की छानबीन जारी है।

छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस आशुतोष सिंह सीबीआई के नए पुलिस अधीक्षक होंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ कैडर के 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी आशुतोषसिंह को केंद्र सरकार ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) में पुलिस अधीक्षक (एसपी) पद पर नियुक्त करने की औपचारिक मंजूरी प्रदान की है। भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि अशुतोष सिंह को पांच वर्षों की अवधि के लिए या अगले आदेश तक इस पद पर पदस्थ किया जाएगा। पत्र में राज्य सरकार से कहा गया है कि अशुतोष सिंह को इस आदेश के जारी होने की तारीख से तीन सप्ताह के भीतर रिलीव किया जाए, ताकि वे जल्द ही वे अपनी नई जिम्मेदारी सीबीआई मुख्यालय में संभाल सकें।

शोपियां जिले में मिली आईईडी को सुरक्षित रूप से नष्ट किया गया

शोपियां। सुरक्षाबलों ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के हेफ इलाके में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का पता लगाकर उसे सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में नियमित सुरक्षा अभियान के दौरान गश्त कर रहे सुरक्षाकर्मियों ने आईईडी का पता लगाया। इस खोज के बाद एहतियात के तौर पर पास की सड़क पर यातायात तुरंत रोक दिया गया और बम निरोधक दस्ते को घटनास्थल पर बुलाया गया। मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, दस्ते ने नियंत्रित विस्फोट में विस्फोटक उपकरण को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया, जिससे कोई नुकसान या किसी को भी चोट नहीं पहुंची। पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया यह अभियान इलाके की पूरी तरह से सफाई के बाद समाप्त हुआ। इसके तुरंत बाद सामान्य वाहनों की आवाजाही बहाल कर दी गई। पुलिस ने घटना के संबंध में एक मामला दर्ज किया है और विस्फोटक लगाने की कोशिश के पीछे किसका हाथ था, इसका पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

गैंगस्टर महिला के वेश में गिरफ्तार, 25,000 का था इनाम

बीजपुर। जिला पुलिस कोटपूतली-बहरोड़ ने संगठित अपराधों के खिलाफ एक निर्णायक प्रहार किया है। पुलिस ने 25,000 के ईनामी और रोहित गोदारा गैंग के सक्रिय शूटर अभिषेक उर्फ बटार को गिरफ्तार किया है। अपराधी पुलिस से बचने के लिए ग्रामीण महिला का वेश घाघरा-लूगड़ी धारण कर भागने की कोशिश कर रहा था। एसपी देवेंद्र बिश्नोई ने बताया कि कोटपूतली थाने के एक गंभीर मामले में वांछित यह कुख्यात अपराधी गिरफ्तारी के डर से वेश बदलकर बहरोड़ में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। पुलिस की क्यूआरटी टीमों ने आसूचना संकलन के आधार पर सटीक कार्रवाई की। गिरफ्तारी के समय पुलिस ने अभिषेक उर्फ बटार के कब्जे से 03 देशी पिस्टल, 12 ज़िंदा कारतूस और एक अतिरिक्त मैगज़ीन सहित भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किए हैं। एसपी विश्नोई ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त अभिषेक उर्फ बटार पुत्र पप्पू राम गुर्जर (21) निवासी मोलाहेड़ा थाना पनियाला का आपराधिक इतिहास रहा है।

राज्यपाल ने बाबा केदार और बदरी विशाल की पूजा-अर्चना की

एजेंसी

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने केदारनाथ और बदरीनाथ धाम पहुंचे। राज्यपाल ने पहले बाबा केदार के दर्शन कर रुद्राभिषेक किया। इसके बाद राज्यपाल ने बदरीनाथ धाम पहुंचकर बाबा बदरी विशाल के दर्शन किए और विशेष पूजा की। राज्यपाल ने विश्व कल्याण, मानवता की समृद्धि और उत्तराखंड के सतत विकास के लिए आशीर्वाद मांगा।

राज्यपाल गुरमीत सिंह मंगलवार सुबह 8.45 केदारनाथ धाम पहुंचने पर अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा और मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने हेलीपैड पर

उनका स्वागत किया। राज्यपाल ने भगवान केदारनाथ का अभिषेक, पूजन-अर्चना किया और मानव कल्याण और राज्य की उन्नति की मनौती मांगी। यहां राज्यपाल ने कहा कि केदारघाटी का प्रत्येक कण शिवमय है। यहां के पर्वतों में भगवान शिव की उपस्थिति का अनुभव होता है। इस पवित्र भूमि पर कदम रखते ही मन ध्यानमग्न हो जाता है। पूजन के उपरांत राज्यपाल ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और बाबा के जयकारे लगाए।

उन्होंने धाम में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी मंदिर समिति विजय थपलियाल, उप जिलाधिकारी अनिल शुक्ला, केदार सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, महामंत्री राजेंद्र तिवारी, मंत्री अंकित प्रसाद सेमवाल आदि थे।

ऑफिसर्स वॉइस-2025 के विजेता बने दिल्ली विधानसभा के सचिव रणजीत सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन और आईडीएफसी समिति द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'ऑफिसर्स वॉइस-2025' का भव्य समापन नई दिल्ली स्थित एनसीयूआई ऑडिटोरियम में हुआ। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल ने विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। पहला पुरस्कार दिल्ली विधानसभा के सचिव रणजीत सिंह ने हासिल किया है। कार्यक्रम में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि ÷पहले अधिकारी सुनने के लिए आया करते थे, लेकिन आज 'ऑफिसर्स वॉइस' सुनने के लिए अधिकारी, उनके परिवार और नेता सभी उपस्थित हैं। ऐसे कार्यक्रम अधिकारियों के जीवन में आने वाले तनाव को दूर करते हैं और उनमें नई ऊर्जा भरते हैं।' उन्होंने सभी विजेताओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।उन्होंने विशेष रूप से कहा कि विधानसभा के सचिव रणजीत सिंह ने अपनी प्रतिभा और समर्पण से विधानसभा का नाम पूरे भारत में रोशन किया है। इस मौके पर न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल ने कहा कि 'यह कार्यक्रम मजाक-मजाक में शुरू हुआ था, लेकिन आज जिस विशाल रूप में 'ऑफिसर्स वॉइस' हमारे सामने है, उसकी कल्पना भी नहीं की थी। यह केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अधिकारियों की भावनाओं, संवेदनाओं और रचनात्मकता का मंच है।' कार्यक्रम संयोजक राजीव निशान ने बताया कि इस वर्ष 50 से अधिक अधिकारियों ने 'ऑफिसर्स वॉइस' में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों की आवाज उनके दिल से निकली थी, और यही इसकी सबसे बड़ी खूबी रही। फाइनल राउंड में चयनित प्रतिभागियों में विजय सिंह (आईपीएस), रणजीत सिंह, संजीव ऋषि (आईआरएस), डॉ. ज्ञान प्रकाश गुप्ता और आशीष शर्मा शामिल रहे।

जुबीन गर्ग की मौत के मामले में सिंगापुर पुलिस से मुलाकात करेगी असम एसआईटी, इकट्ठा करेगी सबूत

एजेंसी

गुवाहाटी । असम के लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग की अचानक मौत के मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) अब सिंगापुर में पड़ताल कर रही है। एसआईटी के दो वरिष्ठ अधिकारी, सीआईडी के विशेष डीजीपी मुन्ना प्रसाद गुप्ता और एसपी रैंक के अधिकारी तरुण गोयल सोमवार को सिंगापुर पहुंचे। इन अधिकारियों की सिंगापुर पुलिस से मुलाकात तय है।माना जा रहा है कि दोनों अधिकारी जुबीन गर्ग के आखिरी दिनों की जानकारी, होटल की सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूत जुटाने की कोशिश करेंगे। जुबीन गर्ग का निधन 19 सितंबर को हुआ था, जब वह सिंगापुर में असम एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने गए थे। वह एक यॉट पर थे, जहां उनके साथ उनके मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, बैंड के सदस्य शेखरज्योति गोस्वामी और अमृतप्रभा महंत, आयोजक श्यामकानु महंत और उनके चचेरे भाई संदीपन गर्ग मौजूद थे। अब इन सभी को जुबीन की मौत के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है और फिलहाल ये सभी बकसा जिला जेल में बंद हैं।

इन गिरफ्तारियों के बाद असम में जनभावनाएं उफान पर हैं। बीते सप्ताह जब सभी पांच आरोपियों को

भारी पुलिस सुरक्षा में बकसा जिला जेल लाया गया, तो जेल के बाहर भारी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। प्रदर्शनकारियों की भीड़ आक्रोशित हो उठी और उन्होंने मांग की कि जुबीन गर्ग के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और कार्यक्रम आयोजक श्यामकानु महंत को जनता के सामने पेश किया जाए।

स्थिति उस वक्त और बिगड़ गई जब भीड़ ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस हिंसा में एक महिला पुलिस अधिकारी घायल हो गई और पुलिस के कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हालात को संभालने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। इस बढ़ते तनाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने तत्काल कड़े कदम उठाए। जिला मजिस्ट्रेट गौतम दास ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर बकसा जेल के 500 मीटर के दायरे में सभी प्रकार की भीड़, रैली, प्रदर्शन और जुलूस पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके अलावा, लाठी, चाकू, भाले, तलवार जैसे हथियार और पत्थर या ज्वलनशील वस्तुएं जैसे पटाखे आदि ले जाने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। प्रशासन का कहना है कि जेल परिसर के पास हालात बेहद संवेदनशील हैं और शांति व्यवस्था भंग होने की पूरी आशंका है। ऐसे में कोई भी व्यक्ति अगर इन नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में किसान तेजी से इनोवेशन और क्लीन एनर्जी को अपना रहे : प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय न्यू और रिन्यूएबल एनर्जी मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान तेजी से इनोवेशन और क्लीन एनर्जी को अपना रहे हैं।इसके साथ केंद्रीय मंत्री ने एक सक्सेस स्टोरी भी साझा की और बताया कि कैसे एक किसान खेत में सोलर पैनल लगाकर 25,000 यूनिट्स बिजली का प्रतिदिन उत्पादन कर रहा है। इसके साथ ही, इन पैनल्स के नीचे खेती को भी जारी रखा है। जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'ऊपर लगे सौर पैनलों से प्रतिदिन 25,000 यूनिट बिजली पैदा होती है, जबकि नीचे उन्हीं खेतों में हरी-भरी फसलें लहलहाती है। यह इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि कैसे भारत के किसान प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में इनोवेशन और स्वच्छ ऊर्जा को अपना रहे हैं।'

इससे पहले, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत ने इस वर्ष अप्रैल-सितंबर की अवधि में रिकॉर्ड 25 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़ी है और लगभग 125 गीगावाट सौर क्षमता के साथ, भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'भारत ने अप्रैल-सितंबर 2025 (वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही) में रिकॉर्ड 25

गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़कर स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उज्जवल और टिकाऊ भविष्य के दृष्टिकोण को दर्शाती है और इसके जरिए देश रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर अपनी यात्रा को गति दे रहा है।'

वर्तमान में देश में स्थापित कुल बिजली क्षमता में गैर-जीवाश्म स्त्रोतों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक हो गई है, जिससे भारत ने अपने रिन्यूएबल एनर्जी लक्ष्यों को निर्धारित समय से पांच वर्ष पहले ही पूरा कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के 8वें सत्र के उद्घाटन समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की सफलता की कहानी केवल संख्या की नहीं, बल्कि लोगों की है। यह आयोजन 27 से 30 अक्टूबर तक राष्ट्रीय राजधानी में होने वाला है।

मप्र के इंदौर के गौतमपुरा में हुआ हिंगोट युद्ध,पांच योद्धा घायल

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के गौतमपुरा में दीपावली के दूसरे दिन धोक पड़वा पर वर्षों से चली आ रही परंपरा के मुताबिक हिंगोट युद्ध हुआ। इस दौरान गौतमपुरा और रूणजी के वीर योद्धा तुर्रा और कलंगी ने दलों में बंटकर करीब डेढ़ घंटे तक एक-दूसरे पर अग्नि बाणों की वर्षा की। इसमें पांच योद्धा घायल हो गए। इस बार हिंगोट युद्ध आधे घंटे पहले ही खत्म हो गया।

इस बार गौतमपुरा में तुर्रा और रूणजी के वीर योद्धा तुर्रा और कलंगी दल के बीच करीब डेढ़ घंटे तक हिंगोट युद्ध चला। देपालपुर एसडीएम राकेश मोहन त्रिपाठी ने बताया कि युद्ध में पांच योद्धा घायल हुए हैं। हालांकि सभी की हालत ठीक बतायी गई है। इनमें से कोई भी गंभीर नहीं है। नवरात्र से ही योद्धा युद्ध की तैयारी में लग जाते हैं। वे बड़नगर, इंगोरिया, चंबल और आसपास के क्षेत्रों के जंगल से हिंगोरिया वृक्ष के फल लाते हैं। इसे सुखाकर अंदर का गूदा निकाल दिया जाता है और खोखला बनाया जाता है,

फिर उसमें बारूद भरा जाता है, एक सिरे पर मिट्टी से मुंह बंद कर बत्ती लगाई जाती है। दिशा निर्धारण के लिए बांस की पतली डंडी बांधी जाती है। बुजुर्गों के अनुसार, परंपरा मुगलों के आक्रमण से बचाव के लिए शुरू हुई थी। चंबल घाटियों से मुगल सैनिक हमला करते, तो नगरवासी हिंगोट चलाकर उन्हें घोड़े से गिरा देते थे। इस तरह से यह तरीका आत्मरक्षा का प्रतीक बन गया। बाद में यह परंपरा धार्मिक और सामाजिक स्वरूप में बदल गई। युद्ध की शुरुआत भगवान देवनारायण के दर्शन के बाद की जाती है। तुर्रा दल के पूर्व योद्धा गोपाल खत्री का कहना है कि अब युवा स्वयं हिंगोट बनाने के बजाय दूसरों पर निर्भर हो गए हैं। अब हिंगोट बनाना महंगा हो गया है। पहले जहां एक हिंगोट 8 से 10 रुपये में बन जाता था, वहीं अब इसकी लागत 18 से 20 रुपये तक पहुंच चुकी है। वहीं अब नई पीढ़ी हिंगोट बनाने के लिए मेहनत नहीं करती है। हिंगोट तैयार करने की 21 चरणों की विधि है। वहीं, तुर्रा योद्धा राज वर्मा ने बताया कि हिंगोरिया पेड़ों की कटाई के कारण अब फल आसानी से नहीं मिलते। योद्धाओं को इन्हें लाने के लिए बड़नगर, उज्जैन, बदनावर और धार जैसे दूरस्थ क्षेत्रों तक जाना पड़ता है। इससे इस बार हिंगोट सीमित मात्रा में तैयार हो रहे हैं। पहले आसपास के जंगल में इन पेड़ों की भरमार थी। इन पेड़ों को नहीं बचाया गया तो यह परंपररा निभाना भी मुश्किल हो जाएगा।

बेहतर शिक्षा के लिए दिल्ली सरकार जारी कर चुकी है 325 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली,। दिल्ली सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 325 करोड़ रुपये की राशि विद्यार्थियों के समग्र विकास और आधुनिक शिक्षण ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए जारी की जा चुकी है। यह जानकारी सीएमओ दिल्ली एक्स पर साझा की गई। पोस्ट के मुताबिक, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध 12 कॉलेजों को वेतन, अधोसंरचना और संचालन के लिए 108 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है, ताकि उच्च शिक्षा संस्थान और अधिक सक्षम एवं सुसंगठित बन सकें।

साथ ही रखरखाव और स्वच्छता के लिए 24 करोड़ रुपये की अतिरिक्त स्वीकृति दी गई है, जिससे परिसर स्वच्छ, सुरक्षित और अध्ययन के लिए प्रेरक बने रहें। हर विद्यार्थी को उत्कृष्ट शिक्षा, हर शिक्षक को सम्मान और हर संस्थान को सशक्त आधार देना ही सरकार का उद्देश्य है। दिल्ली को शिक्षा के क्षेत्र में ऐसा वैश्विक केंद्र बनाना, जो ज्ञान, कौशल और नवाचार की मिसाल बने।

जनता समझती है कि कौन सरकार चला सकता है, एनडीए की जीत पक्की: जीतनराम मांझी

एजेंसी

गयाजी। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार की सियासत में लगाई जा रही अटकलों पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि राजद ने झामुमो के साथ कपटपूर्ण राजनीति की और उन्हें उचित सीट नहीं दी है।आईएएनएस के साथ खास बातचीत में मांझी ने कहा, यदि हम निष्पक्ष होकर सोचें तो बिहार में महागठबंधन में छोटे भाई के तौर पर शामिल झामुमो को पर्याप्त सीटें नहीं दी गईं। झारखंड में फिर भी झामुमो ने बड़े भाई की तरह काम किया, लेकिन बिहार में झामुमो की कोशिशों को राजद की तरफ से सम्मान नहीं दिया गया। गठबंधन में तो गठबंधन धर्म निभाना चाहिए था, लेकिन गठबंधन की पार्टियों ने ऐसा नहीं किया।÷ मांझी ने एनडीए की जीत का दावा करते हुए कहा, ÷बिहार में इस बार एनडीए आसानी से बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। टिकट वितरण में एनडीए में किसी तरह का घमासान नहीं हुआ, जबकि इंडिया ब्लॉक में 10, 5 और 2 सीटों पर आपसी झगड़े हुए। जनता समझती है कि कौन लोग यूनाइट होकर सरकार चला सकते हैं। नीतीश कुमार पिछले 20 साल से और नरेंद्र मोदी 11 साल से सरकार चला रहे हैं। डबल इंजन की सरकार से बिहार को

हर क्षेत्र में फायदा मिला है। 5 लाख करोड़ रुपए का अनुदान, सड़क, परिवहन, बिजली, शिक्षा सबमें नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। बिहार की जनता, खासकर महिलाएं, एनडीए के साथ हैं। मांझी ने इंडिया ब्लॉक में सीट बंटवारे के विवाद पर कहा, ÷पहले ही हमने बता दिया था कि उनके बीच पद लोलुपता और सत्ता की लालसा है। हर कोई सरकार बनाना चाहता था। इस कारण 15 सीटों पर एक से अधिक उम्मीदवार खड़े हो गए। यह साफ हो गया कि गठबंधन का यह खेल जनता के लिए भ्रम पैदा कर रहा था। इसलिए जनता ने मन बना लिया कि वह एनडीए को ही वोट करेगी। जीनत राम मांझी ने बताया कि एनडीए ने सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में अपने कार्यकर्ताओं को एकजुट किया है। उन्हें मतदान केंद्र मजबूत करने और बूथ प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण दिया गया। चुनाव घोषित होने से पहले से ही एनडीए के कार्यकर्ता सक्रिय थे और सभी दलों के उम्मीदवारों के मुकाबले एनडीए की तैयारी और संगठन बेहतर है।

संसदीय समिति ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता संशोधन विधेयक-2025 पर मांगे सुझाव

एजेंसी

नई दिल्ली। दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पर गठित प्रवर समिति ने विशेषज्ञों, उद्योग निकायों, संगठनों और अन्य हितधारकों से प्रतिक्रिया एकत्र करने के लिए आधिकारिक तौर पर परामर्श शुरू कर दिया है। लोकसभा सचिवालय ने बताया कि सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली समिति ने प्रतिक्रिया एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रस्तावित बदलाव वर्तमान आर्थिक और कानूनी चुनौतियों का व्यापक और प्रभावी ढंग से समाधान करें।हितधारकों को अपने विचार और सुझाव ज्ञापन के रूप में अंग्रेजी या हिंदी में प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है। प्रस्तुतियां लोकसभा सचिवालय में प्रवर समिति के निदेशक को भेजी जानी चाहिए। वैकल्पिक रूप से सुझाव scibc-cell@lss.sansad.in पर ई-मेल किए जा सकते हैं। प्रतिक्रिया प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि घोषणा की तिथि से दो सप्ताह है।

पुलिसकर्मियों का बलिदान प्रदेश और देश की अमूल्य पूंजी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रिज़र्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस समारोह में प्रदेश पुलिस के वीर शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान प्रदेश और देश की अमूल्य पूंजी है, जिसे हम कभी भूल नहीं सकते। उनकी स्मृतियां हमें कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और जनसेवा का अमर संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश पुलिस ने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था सुदृढ़ीकरण और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4,061.87 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर प्रदेश के तीन बहादुर पुलिसकर्मियों एसटीएफ निरीक्षक सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जौनपुर) और आरक्षी सौरभ कुमार (गौतमबुद्ध नगर) ने अपने प्राणों की आहुति दी। मुख्यमंत्री

ने शहीद पुलिस कर्मियों के परिजनों को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उनके कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ हर कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 96 पुलिस कर्मियों (केंद्रीय बलों एवं अन्य राज्यों के मूल निवासी यूपी के पुलिसकर्मी सहित) को कुल 30.70 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पुलिस बल के मनोबल, कार्यकुशलता और व्यावसायिक दक्षता को सशक्त करने के लिए कई अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस कर्मियों की सेवानिवृत्ति और मृत्यु के उपरांत 90 प्रतिशत जीपीएफ के 2,511 प्रकरणों का भुगतान किया गया, जबकि उत्तर प्रदेश सामान्य भविष्य निधि नियमावली 1985 के अंतर्गत पुलिस मुख्यालय संभाग के 108 पुलिस कार्मिकों को अग्रिम धनराशि स्वीकृत की गई। 234 पुलिसकर्मियों के मेधावी बच्चों को 51.10 लाख रुपये की छात्रवृत्ति दी गई तथा 1.12 करोड़ रुपये की अतिरिक्त स्वीकृति प्रदान की गई।स्वास्थ्य सुरक्षा के तहत चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 519 मामलों में 11.85 करोड़ रुपये की चिकित्सा प्रतिपूर्ति दी गई, जबकि 170 कर्मियों को जीवन रक्षक निधि से 6.64 करोड़ रुपये अग्रिम दिए गए।

374 मृतक पुलिस कर्मियों के आश्रितों को 11.86 करोड़ की बीमा धनराशि और 124 आश्रितों को बैंक ऑफ बड़ौदा के 'बड़ौदा पुलिस सैलरी पैकेज' से 67.76 करोड़ रुपये का भुगतान कराया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मियों के सम्मान में 34 कर्मियों को राष्ट्रपति वीरता पदक, 11 को विशिष्ट सेवा पदक और 145 को सराहनीय सेवा पदक मिले हैं। गृह मंत्रालय ने 763 कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा पदक, जबकि 486 को सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए हैं।

दिल्ली पुलिस ने ईसीएम चोरी गैंग का किया भंडाफोड़, दो कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर जिले की पुलिस ने वाहन नियंत्रण मॉड्यूल (ईसीएम) चोरी करने वाले एक गैंग का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी न केवल पेशेवर अपराधी हैं, बल्कि इनमें से एक हत्या के मामले में भी शामिल रह चुका है, जबकि दूसरा 28 आपराधिक मामलों में वांछित रहा है।पुलिस ने आरोपियों के पास से 8 चोरी किए गए ईसीएम, वाहन खोलने के औजार और एक कार बरामद की है, जिसका इस्तेमाल वारदात के दौरान किया जाता था। इस कार्रवाई से बुराड़ी थाना क्षेत्र के 6 ईसीएम चोरी के मामले सुलझा लिए गए हैं। दरअसल, 18 सितंबर को बुराड़ी के मोहम्मद रिजवान अब्बास की शिकायत पर एक मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उनके घर के पास खड़े पानी के टैंकर से किसी ने ईसीएम चोरी कर लिया है। पिछले कुछ हफ्तों में इस तरह की कई शिकायतें बुराड़ी थाना क्षेत्र में दर्ज हुई थीं, जिससे पुलिस ने इसे संगठित गिरोह की करतूत माना। इस मामले की जांच के लिए एसआई जितेंद्र (इंचार्ज, पीपी गवर्नमेंट हॉस्पिटल, बुराड़ी) के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। इस टीम में एसआई शुभम, एएसआई सुधीर, एचसी अरुण, एचसी रोहिताश, एचसी प्रदीप, एचसी रहीस, एचसी धरम, कांस्टेबल उत्तम और कांस्टेबल दिनेश शामिल थे। टीम ने इंस्पेक्टर गिरीश चंद्र (एसएचओ/पीएस बुराड़ी) के पर्यवेक्षण और एसीपी शशिकांत गौड़ (उप-विभाग बुराड़ी) के मार्गदर्शन में काम किया। टीम ने चोरी के स्थलों और आस-पास के रास्तों के 10 दिनों तक सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। फुटेज में संदिग्ध वाहन का नंबर स्पष्ट नहीं था, लेकिन आंशिक विवरण के आधार पर आरटीओ से जानकारी प्राप्त कर कई संदिग्ध वाहनों की शॉर्टलिस्टिंग की गई। तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस को निसान मैगनाइट कार संदिग्ध लगी।

लगातार निगरानी के बाद, 19 अक्टूबर को तड़के 2 बजे, पुलिस ने वजीराबाद के पास संदिग्ध कार को घेरकर दो आरोपी, मेहनूर (33) और आदिल उर्फ शाहरुख (35) को पकड़ लिया। दोनों को मौके से कार और चोरी में इस्तेमाल किए गए औजारों के साथ गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने पिछले एक महीने में ईसीएम चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात कबूल की। उन्होंने बताया कि वे बुराड़ी, तिमारपुर, वजीराबाद और स्वरूप नगर में भी ऐसी वारदातें कर चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आज दूसरे एकदिवसीय में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

एडिलेड (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच को जीतकर सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले एकदिवसीय में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे है। इस मैच में सभी की नजरें रोहित शर्मा और विराट कोहली पर भी रहेंगी। ये दोनो ही पहले एकदिवसीय में रन बनाने में विफल रहे थे। कोहली और रोहित का प्रयास इस मैच में बड़ी पारी खेलना रहेगा। पहला एकदिवसीय मैच में भारतीय टीम के लिए अच्छा नहीं रहा था। बारिश की बाधा के बीच ही बार-बार मैच रुकने से भारतीय बल्लेबाज अधिक रन नहीं बना पाये और पूरी टीम 136 रनों पर ही आउट हो गयी थी। इस मैच में भारतीय गेंदबाजी भी प्रभावित नहीं कर पाये।

अब दूसरे एकदिवीय में भारतीय टीम के बल्लेबाजों के लिए मेजबान गेंदबाजों क्योंकि मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड से सावधान रहना होगा। ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर उछाल और गति होती है और ऐसे हालातों में बल्लेबाजी करना कठिन होता है। इस मैच में अनुभवी स्पिनर एडम ज़म्पा और विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी की भी वापसी होगी।

इस मैच में रोहित पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव रहेगा क्योंकि टीम के पास यशस्वी जायसवाल जैसा खिलाड़ी बैंच पर है। रोहित ने इसी को देखते हुए मैच से पहले काफी अभ्यास किया है। रोहित अभ्यास के लिए समय से पहले ही पहुंच गये थे। अभ्यास सत्र में कोच गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ भी था।

रोहित के अलावा कोहली ने भी मंगलवार को नेट पर काफी समय बिताया।

बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने कहा इस मैच में भी पारी की शुरुआत रोहित ही कप्तान शुभमन गिल के साथ करेंगे। उन्होंने रोहित और विराट के फार्म को लेकर कहा, ''मुझे लगता है कि रोहित और विराट अच्छी लय में दिख रहे हैं। उन्होंने कल अभ्यास सत्र बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। इसलिए मुझे लगता है कि वे वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं।'' ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के नहीं होने से नीतीश रेड्डी को इस मैच में भी जगह मिलना तय है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को भी जगह मिल सकती है क्योंकि भारतीय टीम प्रबंध निचले स्तर तक बल्लेबाज चाहता है।

बल्लेबाजी कोच ने कहा, ''हार्दिक जैसे खिलाड़ी का न होना हमेशा ही झटका होता पर इससे युवा नीतीश को अनुभवी का मौका मिल रहा है और हम उसे निखारने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हर टीम को एक ऑलराउंडर की ज़रूरत होती है और हम उसे उस भूमिका में ढालने की कोशिश कर रहे हैं। इस नजर से यह एक अच्छी तैयारी है। लेकिन हार्दिक जैसे खिलाड़ी की कमी किसी भी टीम को खलेगी।'' इस बात की पूरी संभावना है कि भारत दूसरे मैच में भी उन्हें 11 खिलाड़ियों के साथ खेलेगा जो पहले मैच में खेले थे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारतः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलियाः मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी, कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा।

शमी को भारी पड़ी चयनसमिति के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी !

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भी टीम में जगह नहीं मिलने से साफ है कि अब वह चयन समिति की भविष्य की योजनाओं में शामिल नहीं है। भारत ए टीम में कई युवाओं को भी शामिल किया गया है पर शमी को ये कहने के बाद कि वह फिट है जगह नहीं मिलना हैरानी की बात है। हाल ही में उन्होंने बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी मुकाबलों भी खेला था। वहीं माना जा रहा है कि जिस प्रकार उन्होंने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बयान के बाद जिस प्रकार से मीडिया में अपनी बात रखी। उससे उन्हें नुकसान हुआ होगा।

शमी ने रणजी ट्रॉफी से पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हुए टीम में जगह नहीं मिलने पर सार्वजनिक रुप से नाराजगी जताई थी। वहीं अगरकर ने शमी को टीम में शामिल नहीं करने का कारण उनकी फिटनेस बताया गया जबकि शमी का कहना था कि अगर उन्होंने रणजी ट्रॉफी में खेला है तो वह 50 ओवर क्रिकेट भी खेल सकते हैं। कहा जा रहा है कि यही बयान उनके खिलाफ गया होगा। बीसीसीआई का कहना है कि शमी का चयन उनकी खराब फिटनेस के कारण नहीं हुआ है तो दूसरी ओर शमी ने अपने को फिट बताया है। ऐसे में हो सकता है कि चयन कमिटी पर सार्वजनिक बयानबाजी के कारण शमी को नुकसान हुआ होगा। इसी कारण से दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ इंडिया ए टीम में उन्हें नहीं चुना गया। शमी ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए उत्तराखंड के खिलाफ 7 विकेट लेकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई थी। ऐसे में साफ था कि शमी को अपने चयन की उम्मीद रही होगी और नाम नहीं आने पर उनकी निराशा बयान के रुप में सामने आई।

एशिया कप ट्रॉफी का मामला आईसीसी बैठक में उठायेगा बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब एशिया कप ट्रॉफी को हासिल करने के लिए ये मामला अगले माह होने वाली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बैठक में उठा सकता है। भारतीय टीम को जीत के बाद भी अब तक एशिया कप ट्रॉफी नहीं मिली है क्योंकि ये एशिया क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के प्रमुख और पाक क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी के कब्जे में है। भारतीय टीम ने जीत के बाद नकवी के हाथ से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। तभी से ये नकवी ने एशिया कप मुख्यालय में रखवा दी है। बीसीसीआई के बार-बार कहने के बाद भी नकवी ट्रॉफी देने तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि कि बीसीसीआई का कोई प्रतिनिधि दुबई में एसीसी मुख्यालय में से ट्रॉफी उनसे ले सकता है पर भारतीय बोर्ड ने इससे साफ इंकार कर दिया है। बीसीसीआई अब अगले महीने आईसीसी की बैठक में यह मामला उठायेगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया, एसीसी में बीसीसीआई के प्रतिनिधि राजीव शुक्ला और श्रीलंका तथा अफगानिस्तान सहित अन्य सदस्य बोर्ड के प्रतिनिधियों ने पिछले सप्ताह ही एसीसी को पत्र लिखकर ट्रॉफी भारत को देने के लिए कहा था।

इसके जवाब में नकवी ने कहा था कि बीसीसीआई से किसी को दुबई आकर उनसे ट्रॉफी लेनी होगी। इसलिये ये मामला हल नहीं हो रहा है। बीसीसीआई ने स्पष्ट कर दिया है कि वह नकवी से ट्रॉफी नहीं लेगी। ऐसे में अब इस पर फैसला आईसीसी की बैठक में ही होगा।''

आईसीसी के प्रमुख बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह हैं। ट्रॉफी को हासिल करने इससे पहले हुई एसीसी बैठक में बीसीसीआई के अधिकारियों ने ये मामला उठाया था पर वहां भी नकवी का अड़ियल रुख बना हुआ था। इस बैठक में बीसीसीआई अधिकारियों ने ट्रॉफी नहीं देने के लिये नकवी की कड़ी आलोचना की थी पर उनपर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। नकवी ने एसीसी मुख्यालय में भी कर्मचारियों को निर्देश दे दिये कि ये ट्रॉफी उनसे पूछे बिना न दी जाये।

आईसीसी रैंकिंगः जसप्रीत बुमराह की नंबर-1 पोजीशन खतरे में, पाकिस्तान का ये गेंदबाज दे रहा बड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह दुनिया के नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज बने हुए हैं। लेकिन उनकी नंबर-1 पोजीशन पर खतरा मंडरा रहा है। उन्हें पाकिस्तान के स्पिनर नौमान अली कड़ी चुनौती दे रहे हैं। वहीं महिला वनडे रैंकिंग में भारत की स्मृति मंधाना बल्लेबाजों की रैंकिंग में टॉप पर काबिज है। कुलदीप यादव को गेंदबाजी रैंकिंग में नुकसान हुआ है जबकि विराट कोहली और रोहित शर्मा वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग के टॉप-5 में बने हुए हैं। पाकिस्तान के स्पिनर नौमान अली ने टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है। वो चार स्थान की छलांग लगाते हुए दुनिया के नंबर-2 टेस्ट गेंदबाज बन गए हैं। नौमान अली अब रेटिंग्स अंकों के मामले में बुमराह से सिर्फ 29 पॉइंट पीछे हैं। टेस्ट की टॉप 10 गेंदबाजों की लिस्ट में बुमराह के अलावा कोई भारतीय नहीं है। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन गिल एक स्थान के फायदे के साथ 12वें नंबर पर आ गए हैं।

बता दें कि, नौमान अली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की दोनों पारियों में मिलाकर 10 विकेट लिए थे। वहीं दूसरे टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 2 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम इस समय ऑस्ट्रेलियाई टूर पर वनडे सीरीज खेल रही है। वनडे की बल्लेबाजी रैंकिंग के टॉप-10 में चार भारतीय हैं। शुभमन गिल दुनिया के टॉप वनडे बल्लेबाज हैं। रोहित शर्मा तीसरे और विराट कोहली नंबर-5 पर बने हुए हैं। श्रेयस अय्यर को एक स्थान का नुकसान हुआ है।

हरभजन सिंह, कीरोन पोलार्ड, पीयूष चावला फिर दिखेंगे क्रिकेट के मैदान में, खेलेंगे ये मशहूर लीग

अबू धाबी - क्रिकेट का सबसे तेज फॉर्मेट अबू धाबी टी10 के 9वें संस्करण में हरभजन सिंह, आंद्रे रसेल, कीरोन पोलार्ड, शिमरोन हेटमायर, पीयूष चावला और फाफ डू प्लेसिस जैसे दिग्गज क्रिकेटर नई टीमों के साथ मैदान में उतरेंगे। जायेद क्रिकेट स्टेडियम में 18 से 30 नवंबर चलने वाले इस टूर्नामेंट में सभी आठ प्रतिभागी फ्रेंचाइजी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सितारों और युवा प्रतिभाओं के साथ ट्रॉफी के लिए भिड़ेंगी। अजमान टाइटन्स ने इस सीजन में भारत के विश्व कप विजेता टीम के स्पिनर रहे पीयूष चावला को टीम में शामिल किया है। फ्रेंचाइजी ने मोईन अली, रिली रोसो और एलेक्स हेल्स को शामिल करके अपनी बल्लेबाजी लाइनअप को भी मजबूत किया है। शीर्ष क्रम में अनुभव और ताकत दोनों बढ़ी है। मोईन अली से टाइटन्स के लिए न केवल एक आक्रामक बल्लेबाज के रूप में, बल्कि स्पिन विभाग में एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में भी अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है। एस्पिन स्टैलियंस ने आगामी अबू धाबी टी10 के लिए पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह को अपनी टीम में शामिल किया है। हरभजन की स्पिन, सैम बिलिंग्स की चतुर बल्लेबाजी, टाइमल मिल्स की तेज गति और आंद्रे फ्लेचर की विस्फोटक बल्लेबाजी के साथ, स्टैलियंस ने आगामी टूर्नामेंट के लिए एक मजबूत टीम तैयार की है। डेक्कन ग्लेडिएटर्स की बल्लेबाजी लाइन-अप अबू धाबी टी10 में सबसे मजबूत है जिसमें निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल और मार्कस स्टोइनिस शामिल हैं। इसके अलावा, डेविड विसे का हरफनमौला अनुभव और बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देने की उनकी क्षमता टीम को बेहतरीन संतुलन और गहराई प्रदान करती है। दिल्ली बुल्स में अनुभवी ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड और सुनील नारायण हैं। इसके अलावा बुल्स के पास टिम डेविड, रोवमैन पॉवेल और फिल साल्ट जैसे धुरंधर खिलाड़ी हैं, जो आगामी टूर्नामेंट में उनकी बल्लेबाजी को मजबूती प्रदान करते है। नॉर्दर्न वॉरियर्स के पास भी शिमरोन हेटमायर, ट्रेंट बोल्ट, तबरेज शम्सी और दिनेश चांडीमल हैं।

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच पेरिस मास्टर्स से हटे, जानें बड़ी वजह

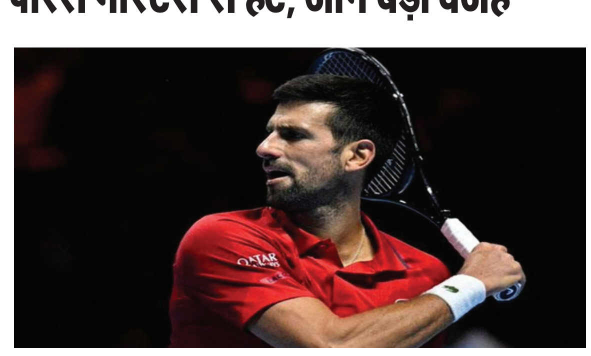

पेरिस । दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स से हट गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। इससे कुछ दिन पहले ही उन्होंने पैर में चोट के कारण एक प्रदर्शनी टूर्नामेंट में पहले सेट के बाद खेलना बंद कर दिया था। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सत्र में बहुत कम टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। उन्होंने चार ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अलावा केवल आठ ATP टूर प्रतियोगिताओं में ही भाग लिया है। जोकोविच इस सत्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचे। मई के अंत से सितंबर के अंत तक उन्होंने केवल तीन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में भाग लिया। जोकोविच ने जिस अंतिम आधिकारिक टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था वह शंघाई मास्टर्स था जिसके सेमीफाइनल में हार के दौरान वह कूल्हे में दर्द से परेशान रहे थे।

विराट, रोहित का भविष्य तय करेंगी ऑस्ट्रेलिया सीरीज : पोंटिंग

सिडनी । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के 2027 विश्वकप में खेलने को लेकर अटकलों का दौर जारी है। कुछ पूर्व क्रिकेटरों का कहना है कि उन्हें इसमें खेलना चाहिये। वहीं कुछ का मानना है कि बढ़ती उम्र के कारण ये शायद ही खेल पायें। वहीं इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि विराट और रोहित वर्तमान में जारी एकदिवसीय सीरीज में कैसा प्रदर्शन करते है। इसी पर इनका भविष्य निर्भर करेगा। इसी सीरीज से पता चलेगा कि ये दोनो 2027 विश्व कप तक खेल पायेंगे या नहीं। विराट और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं और इनका लक्ष्य विश्वकप खेलना है हालांकि अभी दोनो लय के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ब्रेक के बाद ये दोनो ही जब अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए उतरे तो उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और वे पर्थ की उछाल भरी पिच पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के सामने रन नहीं बना पाये। पोंटिंग ने पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री के साथ 'बात करते हुए कहा कि इस जोड़ी को केवल 2027 विश्व कप के बारे में सोचने की जगह अपने लिए छोटे लक्ष्य तय करने चाहिए। पोंटिंग ने कहा, ''एक बात जो मुझे किसी से सुनना पसंद नहीं है, वह यह है कि 'मैंने खेल में सब कुछ हासिल कर लिया है', क्योंकि मुझे लगता है कि आपके पास अब भी कुछ अल्पकालिक लक्ष्य होने चाहिए। आपको केवल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के बारे में अभी नहीं सोचना चाहिए।'' उन्होंने साथ ही कहा, ''विराट शुरू से ही एक बेहद प्रेरणादायी इंसान रहे हैं और मुझे लगता है कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस सीरीज के लिए कुछ लक्ष्य तय कर लिए होंगे। वह अगले विश्व कप के बारे में सोच कर अपना समय बेकार नहीं कर रहे होंगे। यह देखना होगा कि क्या वे विश्व कप तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रख पाएंगे। हमें इस सीरीज के दौरान इसका जवाब मिल जाएगा।'' पहले एकदिवसीय में रोहित और कोहली का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन शास्त्री का मानना ??है कि सीमित ओवरों के इन दो महान खिलाड़ियों को अधिक समय दिया जाना चाहिए, क्योंकि आईपीएल के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहने के बाद उन्हें लय हासिल करने में समय लगेगा।

नीरज चोपड़ा टेरिटोरियल आर्मी में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक और विश्व चैम्पियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल बनाया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यहां साउथ ब्लॉक में आयोजित एक कार्यक्रम में नीरज को टेरिटोरियल आर्मी में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल पद से सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और भारतीय सेना व टेरिटोरियल आर्मी के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

नीरज को ये सम्मान चिन्ह औपचारिक रूप से प्रदान किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) नीरज चोपड़ा दृढ़ संकल्प, देशभक्ति और उत्कृष्टता की भारतीय भावना का प्रतीक बने हैं। वह अपने अनुशासन और समर्पण से न केवल खेल जगत में, बल्कि पूरे देश में प्रेरणा का स्रोत बनकर उभरे हैं। राजनाथ ने नीरज की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि

नीरज ने मैदान में जो अनुशासन और निष्ठा दिखाई, वही भावना उन्हें सेना के आदर्शों से जोड़ती है। वह आने वाली पीढ़ियों के लिए सच्चे प्रेरणास्रोत हैं।

नीरज को साल 2016 में भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट में शामिल किया गया था। नीरज ने अपने प्रदर्शन से न केवल भारत बल्कि भारतीय सेना का भी गौरवा बढ़ाया है। उन्होंने साल 2020 के टोक्यो ओलंपिक में भारत की ओर से एथलेटिक्स में पहला स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2024 के पेरिस ओलंपिक में रजत पदक और 2023 की विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

इसके अलावा, नीरज ने एशियाई खेलों, राष्ट्रमण्डल खेलों और डायमंड लीग में भी कई स्वर्ण पदक जीते हैं। उन्होंने हाल ही में 90.23 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो (2025) कर भारतीय एथलेटिक्स इतिहास में नया रिकार्ड स्थापित किया। नीरज की इस उपलब्धियों और राष्ट्र सेवा के प्रति उनके योगदान को देखते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें 16 अप्रैल 2025 को टेरिटोरियल आर्मी में मानद कमीशन प्रदान किया था। नीरज को पद्म श्री, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, परम विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक जैसे सम्मान भी मिले हैं।

इससे पहले खेल जगत से मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि पूर्व क्रिकेट कप्तान कपिल देव, सचिन तेंदुलकर और महेन्द्र सिंह धोनी को भी दी गयी थी।

चैंपियंस लीग में हुई गोल की बरसात, पीएसजी और बार्सिलोना की बड़ी जीत

मैनचेस्टर । चैंपियंस लीग में मंगलवार की रात को गोल की जबरदस्त बरसात देखने को मिली। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने सात, बार्सिलोना ने छह और एर्लिंग हालैंड ने सत्र का अपना 24वां गोल किया। कुल मिलाकर नौ मैच में 43 गोल हुए, जिनमें से छह टीमों ने चार या उससे अधिक गोल किए। PSV आइंडहोवन ने इतालवी चैंपियन नेपोली को 6-2 से हराया, जबकि आर्सेनल और इंटर मिलान ने भी बड़ी जीत हासिल कर यूरोप के इस सबसे बड़े क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। लेकिन गत विजेता पीएसजी बायर लेवरकुसेन के खिलाफ 7-2 से जीत के बाद शीर्ष पर है। इस मैच में दोनों टीमें पहले हाफ में 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई थीं। क्लस्त्र कि यह तीन मैच में तीसरी जीत है। बार्सिलोना की 6-1 की ओलंपियाकोस के खिलाफ जीत ने उसे महीने की शुरुआत में पीएसजी से मिली हार से उबरने में मदद की। बार्सिलोना की तरफ से फर्मिन लोपेज ने हैट्रिक बनाई और मार्कस रशफोर्ड ने दो गोल दागे। यह लोपेज़ के करियर की पहली हैट्रिक थी। लामिने यामल ने भी एक गोल किया। प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से हराया, जिसमें विक्टर ग्योकेरेस ने दो गोल किए। एक अन्य मैच में हालैंड के गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने विलारियल पर 2-0 से जीत हासिल की। हार्वे बार्न्स ने न्यूकैसल की बेनफिका के खिलाफ 3-0 की जीत में दो गोल किए तथा बोरूसिया डॉर्टमंड ने कोपेनहेगन पर 4-2 से जीत हासिल की।

शुभमन को एशिया कप टीम में शामिल किये जाने के खिलाफ थे सूर्यकुमार : रिपोर्ट

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल को भविष्य में तीनो ही प्रारुपों में कप्तानी देना चाहता है और उन्हें इसके लिए तैयार करने में लगा है। इसी कारण शुभमन को पिछले माह हुए एशिया कप में भी बतौर उपकप्तान शामिल किया गया था। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव इस फैसले से खुश नहीं थे और उन्होंनें शुभमन को टीम टीम में शामिल किये जाने का विरोध भी किया था पर कोच गौतम गंभीर व चयनसमिति के प्रमुख ने उनकी बात नहीं मानी। रिपोर्ट के अनुसार सूर्या का उनका कहना था कि शुभमन का खेल टी20 के अनुरुप नहीं है। उनकी ये बात काफी कुछ सही भी निकली। शुभमन के लिए एशिया कप अच्छा नहीं रहा। 7 पारियों में वह केवल 127 रन बनाए। एक बार भी वह पचास रन नहीं बना पाये। उन्हें शामिल किये जाने के कारण अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की जोड़ी को तोड़ना पड़ा। रिपोर्ट में कहा गया है कि टीम की घोषणा होने से कुछ देर पहले सूर्यकुमार को जब बताया गया कि शुभमन को टी20 टीम में शामिल किया गया है। तो वह हैरत में पड़ गये पर चयनसमिति प्रमुख अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें समझा दिया। गंभीर ने आईपीएल में शुभमन के अच्छे प्रदर्शन का भी हवाला दिया।

मजाकिया अंदाज में बोले हसी, अगर कम उम्र में डेब्यू करता तो सचिन से अधिक रन बनाता

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइकल हसी ने कहा है कि अगर उन्हें कम उम्र में खेलने का अवसर मिल गया होता तो वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से भी अधिक रन बना देते। हसी ने हालांकि ये दावा मजाकिया अंदाज में किया और कहा कि इस प्रकार की बातें केवल सपना होती हैं। गौरतलब है कि हसी ने 28 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। वह फरवरी 2004 से जनवरी 2013 तक करीब 9 साल तक ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेले। उन्होंने अपने करियर में 302 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 49.00 के औसत से 12398 रन बनाए। इस दौरान हसी ने 22 शतक व 72 अर्धशतक लगाये। हसी ने एक चैनल से बातचीत के दौरान मजाकिया अंदाज में कहा, 'मैंने इसके बारे में बहुत सोचा है। मैं कम उम्र में डेब्यू कर पाता तो तेंदुलकर से लगभग पांच हजार रन ज्याद बना देता। तब मेरे रिकार्ड में सबसे ज्यादा शतक, सबसे ज्यादा जीत, सबसे ज्यादा एशेज जीत और सबसे ज्यादा विश्वकप जीतें होतीं। साथ ही कहा कि जब में सुबह उठता हूं तो पता चलता है कि ये सब एक सपना था। मुझे पहले मौका मिलना शानदार होता लेकिन मेरे लिए अच्छी बात यह थी कि जब मुझे चुना गया तो मुझे अपने गेम की बेहतरीन समझ थी।' सचिन सर्वकालिक महान बल्लेबाजों में शामिल है। उन्होंने 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद कई रिकार्ड बनाये है। अपने 24 साल के सबसे लंबे करियर में हर रिकार्ड उनके नाम है। इसमें सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन से लेकर शतक हैं। उन्होंने 664 मैचों में सबसे ज्यादा 34357 रन बनाये हैं। वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले एकमात्र क्रिकेटर हैं। उन्होंने 200 टेस्ट में 51 और 463 वनडे में 49 शतक लगाए।

शीर्ष क्रम का स्ट्राइक रेट चिंता का विषय नहीं लेकिन अगले मुकाबलों में बड़े स्कोर की उम्मीदः मजूमदार

मुंबई (एजेंसी)। मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने बुधवार को आलोचनाओं से घिरी भारतीय बल्लेबाजों का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें बल्लेबाजों से बड़ी पारी की उम्मीद है। बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए जूझ रही है। भारत को अंतिम चार में पहुंचने के लिए न्यूजीलैंड पर जीत की जरूरत है लेकिन इसके लिए मेजबान टीम को बृहस्पतिवार को यहां अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

मौजूदा टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों को पहले शतक का इंतजार है जबकि सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल (70.99) और हरलीन देओल (75.11) के स्ट्राइक रेट ने भी शीर्ष क्रम की धीमी बल्लेबाजी की समस्या को उजागर किया है। अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने के बारे में पूछे जाने पर मजूमदार ने जवाब दिया, 'हम अच्छी तरह जानते हैं कि इस विश्व कप में तीन अंक का आंकड़ा नहीं छू पाए हैं।'

उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'अगर आप पिछले डेढ़ साल, यानी विश्व कप से पूर्व 18 महीनों पर नजर डालें तो मुझे लगता है कि हमने पहले से कहीं अधिक शतक लगाए हैं। हां, तिहरे अंक तक नहीं पहुंचे हैं (मौजूदा विश्व कप में)।' मजूमदार ने हालांकि इस बात को खारिज कर दिया कि व्यक्तिगत बड़े स्कोर नहीं बनने के कारण भारतीय बल्लेबाज दबाव में हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि किसी पर अधिक दबाव है। हमने इस बारे में ईमानदारी से चर्चा की है और खिलाड़ी भी ईमानदार रहे हैं कि हम अर्धशतक की बजाय उसे शतक में बदल सकते थे। वे इस बात से वाकिफ हैं और मुझे उम्मीद है कि अगले कुछ मैच में ऐसा होगा।'

मजूमदार ने प्रतियोगिता में प्रतिका और हरलीन के 80 से कम के स्ट्राइक रेट को अधिक तूल नहीं दिया। इन दोनों ने मिलकर 10 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है। उन्होंने कहा, 'अगर आप पिछले साल दिसंबर में प्रतिका रावल के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से उनकी प्रगति पर नजर डालें तो उनका औसत लगभग 50 (47.04) है और उनका स्ट्राइक रेट लगभग 82-83 (81.92) है।'

मजूमदार ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह शानदार है और हम चाहेंगे कि वह इसी तरह बल्लेबाजी करती रहें। पूरी टीम उनके और हरलीन के साथ है। मुझे नहीं लगता कि इस विषय पर कोई चर्चा हुई है।' टीम की परेशानियों के बावजूद मजूमदार ने कहा कि कप्तान हरमनप्रीत कौर स्थिति को अच्छी तरह से संभाल रही हैं। उन्होंने कहा, 'घरेलू विश्व कप में थोड़ा दबाव तो होता ही है लेकिन यह टीम इससे निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।'

मजूमदार ने कहा, 'हमारे पास कुछ अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ कुछ युवा खिलाड़ियों को भी मौका देने की आजादी है। मुझे लगता है कि सभी खिलाड़ी दबाव से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

वह (हरमनप्रीत) शानदार कप्तानी कर रही हैं। अगर आप देखें तो इस विश्व कप से पहले द्विपक्षीय मैचों में उनका रिकॉर्ड पिछले दो वर्षों में शानदार रहा है।' मुंबई के इस दिग्गज पूर्व खिलाड़ी को उम्मीद है कि हरमनप्रीत जल्द ही एक बड़ी पारी खेलेंगी। उन्होंने साथ ही कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ पिछले मैच में जेमिमा रोड्रिग्स को बाहर करना एक कठिन फैसला था।

ऋतिक रोशन के साथ वर्षों बाद फिर दिखेंगे रजत बेदी

साल 2003 में 'कोई मिल गया' में ऋतिक रोशन के सामने मेन विलन के किरदार में एक्टर रजत बेदी नजर आए थे। अब खबरें हैं कि रजत वर्षों बाद 'कृष 4' में एक बार फिर वापसी करने वाले हैं और इस बार भी वो फिल्म के मुख्य खलनायक के रूप में नजर आ सकते हैं।

हाल ही में एक इंटरव्यू में जब रजत से उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जो जवाब दिया, उसे सुनकर फैंस के मन में एक उम्मीद जरूर जाग गई है। अभिनेता ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह खुद भी उम्मीद कर रहे हैं कि 'कृष 4' का हिस्सा बनें और अगर ऐसा हुआ, तो यह उनके करियर के लिए किसी बड़े पुनर्जन्म से कम नहीं होगा। रजत ने बताया कि उनके दिल में ऋतिक रोशन और राकेश रोशन के लिए बेहद सम्मान है और वह फिर से उनके साथ काम करने का मौका पाने के लिए दुआ कर रहे हैं।

ऋतिक की जमकर तारीफ की

उन्होंने ऋतिक रोशन की तारीफ करते हुए कहा कि आज ऋतिक सिर्फ एक स्टार नहीं, बल्कि एक आइकॉनिक इंसान हैं। रजत के शब्दों में, वो एक ऐसे एक्टर हैं जिनसे किसी की तुलना नहीं की जा सकती- परफॉर्मेंस, लुक्स और डांस, हर चीज में वो बेस्ट हैं। रजत के इस बयान के बाद ही लोगों ने यह मान लिया कि कहीं न कहीं, वह इस फिल्म से जुड़ चुके हैं।

रजत ने ना हां कहा और ना मना किया

कृष 4 पर बात करते हुए रजत ने कहा, मैं तो दुआ कर रहा हूं कि ऐसा हो। अगर ऐसा कुछ हुआ, तो इससे बेहतर कुछ नहीं होगा। ऑडियंस मुझे और ऋतिक को दोबारा स्क्रीन पर साथ देखना चाहती है। मैं बस दुआ कर रहा हूं कि राकेश जी और ऋतिक के साथ काम करने का मौका मिले। मेरे दिल में उन दोनों के प्रति बहुत प्यार और सम्मान है।

क्राइम कहानियों की शौकीन हैं कोंकणा सेन शर्मा

कोंकणा सेन शर्मा अपनी शानदार अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उनकी एक सीरीज 'सर्च-द नैना मर्डर केस' ओटीटी पर रिलीज हुई है, जिसका निर्देशन रोहन सिप्पी ने किया है। अभिनेत्री ने इस सीरीज में निभाए अपने किरदार के बारे में विचार प्रकट किए।

क्राइम कहानियों में रूचि रखती हैं अभिनेत्री

अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा ने एएनआई से बात की। उन्होंने कहा, मुझे बहुत मजा आया, क्योंकि मुझे सच्चा क्राइम बहुत पसंद है। सिर्फ सच्चा अपराध ही नहीं, बल्कि क्राइम फिक्शन और क्राइम सीरीज भी, मुझे ये सभी पसंद हैं। मैंने बहुत सारी देखी हैं। मुझे यह किरदार वाकई पसंद आया।

शुरुआत से ही, मैंने गौर किया कि एसीपी संयुक्ता दास को कैसे पेश किया गया है। हमने उनके घरेलू जीवन, उनके पेशेवर जीवन और दोनों के बीच संतुलन को दिखाया। एक मां के रूप में, एक एसीपी के रूप में, एक पत्नी के रूप में, इन सबके बीच संतुलन बनाए रखते हुए। यह मेरे लिए बहुत दिलचस्प था।

निर्देशक रोहन सिप्पी ने कहानी को खास बनाने पर बात की

सीरीज 'सर्च-द नैना मर्डर केस' के निर्देशक रोहन सिप्पी ने भी आज के दर्शकों के लिए कहानी को प्रासंगिक बनाए रखने के महत्व पर बात की। जब उनसे पूछा गया कि वे आधुनिक दर्शकों के लिए खुद को कैसे ढालते हैं, तो डायरेक्टर ने कहा, यह जरूरी है क्योंकि वे काल्पनिक और सच्ची अपराध कहानियां, दोनों देख रहे हैं। इसलिए हम यह भी मानते हैं कि अगर कहानी में कोई कमज़ोरी होगी, तो लोग उसे तुरंत पकड़ लेंगे। लेकिन जैसा मैंने कहा, लेखकों को यह जानना जरूरी है कि दर्शकों को यह पसंद आ रही है या नहीं। क्या वे यह अंदाजा नहीं लगा पा रहे हैं कि शक किस तरफ जाएगा।

क्या है सीरीज की कहानी?

सर्च- द नैना मर्डर केस सीरीज में नैना नाम की एक युवती की कहानी है, जिसकी जिंदगी एक पार्टी के बाद गायब हो जाने के बाद एक खतरनाक मोड़ ले लेती है। कुछ दिनों बाद, उसका शव एक जंगल में मिलता है, जिससे एक चौंकाने वाली हत्या की जांच शुरू होती है। इसके बाद कहानी में और रोमांच बढ़ जाता है।

हिंदू परिवार में शादी करने पर ट्रोल हुईं सारा खान

हाल ही में 'बिदाई' फेम टीवी एक्ट्रेस सारा खान दूसरी बार शादी के बंधन में बंधीं। आठ अक्टूबर को एक्ट्रेस ने एक्टर-प्रोड्यूसर कृष पाठक संग रजिस्टर्ड मैरिज किया है। हालांकि, दूसरे धर्म में शादी करने की वजह से सारा को ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। अब सारा के सपोर्ट में उनके ऑन स्क्रीन पति एक्टर अंगद हसीजा ने चुप्पी तोड़ी है। अंगद ने अपनी दोस्त को सपोर्ट करते हुए इंडिया फोरम से कहा- 'सारा को शादी बहुत ही सिंपल तरीके से करनी थी। उसकी हमेशा से चाहत थी। तो बस उसका परिवार और मैं अकेला दोस्त वहां मौजूद था। 18 साल की जान पहचान में आप दोस्त नहीं परिवार बन जाते हैं। उसका पार्टनर बहुत अच्छा है। सास बहुत अच्छी है। उन्होंने सारा को बहुत प्यारा से अपनाया है। वो बहुत जल्द ही धूमधाम से शादी करेगी।'

वहीं, शादी की वजह से सारा की ट्रोलिंग पर एक्टर ने कहा- अब वक्त बदल गया है। लोग अपग्रेड हो गए हैं और उनकी सोच बदल गई है। मुझे नहीं लगता कि किसी को कास्ट को लेकर फर्क पड़ता है। पहले का वक्त चला गया है। मेरे लिए ये बहुत फनी सी बात है। बता दें कि ट्रोलिंग को लेकर सारा ने भी ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया था। उन्होंने एक वीडियो मैसेज के जरिए कहा था- 'कृष और मैं अलग-अलग संस्कृतियों से हैं लेकिन हमारा मानना है कि हमारे धर्मों ने हमें प्रेम करना सिखाया है। हमारे परिवारों ने हमें सबसे पहले दूसरों का सम्मान करना सिखाया है। हम भी यही मानते हैं और एक जैसा सोचते हैं। मैं शुभचिंतकों को उनके प्यार के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं और साथ ही उन निगेटिव टिप्पणियों को भी संबोधित करना चाहती हूं, जिन्हें बहुत सीखने की जरूरत है। कोई भी धर्म आपको किसी अन्य धर्म या विश्वास को नीचा दिखाना या किसी का अनादर करना नहीं सिखाता है।

हम अपने शुभचिंतकों के साथ अपना मैरिटल स्टेटस शेयर कर रहे हैं न कि किसी की मंजूरी मांग रहे हैं क्योंकि हमें पहले ही अपने परिवारों और कानून से इसकी मंजूरी मिल चुकी है। मेरे ईश्वर के साथ मेरा रिश्ता पूरी तरह से मेरा। मेरे और मेरे ईश्वर के बीच किसी को भी कमेंट करने का कोई अधिकार नहीं है।

सैयारा की सफलता के बाद अपने करियर के नए अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं अहान पांडे

सैयारा एक्टर अहान पांडे एक बार फिर से ज़ेन जी वाली भीड़ की धड़कनें बढ़ाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। अहान पांडे ने अली अब्बास जफर की अगली फिल्म से अपना लुक दिखा दिया है, जिसपर फैन्स अभी से दिल हारे बैठे नजर आ रहे हैं। लोगों ने अभी से उनके लुक और फिल्म के लिए डेट ब्लॉक करने की बातें भी कह दी हैं। अहान पांडे अब अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट के लिए रेडी दिख रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे और इसे यशराज फिल्म्स के आदित्य चोपड़ा प्रड्यूस कर रहे हैं। सैयारा की ऐतिहासिक सफलता के बाद जो भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव-स्टोरी बनी उसके बाद अब अहान अपने करियर के नए अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं।

सैयारा के रोमांटिक लवर बॉय लुक से बिल्कुल अलग

यह फिल्म अली अब्बास जफर की यशराज फिल्म्स में वापसी को भी है। अहान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपना नया लुक शेयर किया, जिसमें सैयारा के रोमांटिक लवर बॉय लुक से बिल्कुल अलग लुक है।

अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी

माना जा रहा है कि लव-स्टोरी के बाद अब ये नई एक्शन-रोमांस फिल्म आहान को एक बिल्कुल नए अंदाज में पेश करने का वादा करती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी। ये आदित्य चोपड़ा व अली अब्बास जफर की पांचवीं फिल्म होगी, जिनकी जोड़ी ने मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है जैसी हिट फिल्में दी हैं।

150 करोड़ रुपये के बजट वाले एड फिल्म में काम कर रहे हैं बॉबी देओल, श्रीलीला और रणवीर सिंह

एक्टर बॉबी देओल, श्रीलीला और रणवीर सिंह का बीते दिन एक पोस्टर सामने आया था, जिसमें वो तीनों अलग-अलग लुक में दिखाई दे रहे थे। दावा किया जा रहा था कि किसी फिल्म का हिस्सा हैं, जिसमें उनका कोई खतरनाक रोल होगा।

मगर इस पर अफवाह अब फुलस्टॉप लगा। क्योंकि ये 150 करोड़ रुपये के बजट वाले एक एड फिल्म में काम कर रहे हैं। और इसका डायरेक्शन कोई और नहीं, बल्कि जवान के डायरेक्टर एटली करेंगे। बताया जा रहा है कि ये एड फिल्म चिंग्स देसी चाइनीज और उसके ने कैम्पेन एजेंट चिंग अटैक्स के लिए है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस एड फिल्म की शूटिंग एक फीचर फिल्म की तरह ही की जाएगी, जिसमें एक बड़ा सेट होगा। साथ ही इसके बजट के बारे में भी इस रिपोर्ट में बताया गया है, जो कि बहुत बड़ा अमाउंट है।

रणवीर-बॉबी और श्रीलीला का एड सोर्स के हवाले से बताया गया, चिंग्स देसी चाइनीज का एड कैम्पेन, जिसमें रणवीर सिंह , बॉबी देओल और श्रीलीला मुख्य भूमिकाओं में हैं, उसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं। और लगभग 150 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट पर बनाया जा रहा है। कंपनी 19 अक्टूबर को मुंबई में एक स्क्रीनिंग भी आयोजित कर रही है , जिसमें एटली, रणवीर और श्रीलीला शामिल होंगे। बता दें कि श्रीलीला को आखिरी बार भानु भोगवरपु निर्देशित मास झटारा में देखा गया था। इसके अलावा, रणवीर सिंह को रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में और बॉबी देओव को आर्यन खान की डायरेक्ट वेब सीरी बैड्स ऑफ बॉलीवुड में देखा गया था। और अब ये तीनों एड फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं।

पति पत्नी और वो दो में आयुष्मान खुराना की एंट्री

आयुष्मान खुराना इन दिनों फिल्म थामा को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म दिवाली के अवसर पर 21 अक्तूबर को रिलीज होने जा रही है। रोशनी के इस त्योहार पर आयुष्मान के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। उनकी अगली फिल्म का एलान हो गया है। नाम है- पति पत्नी और वो दो। यह फिल्म अगले साल होली पर दस्तक देगी। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना के अलावा सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह भी नजर आएंगे।

इत्ती सी खुशी में मेरा किरदार आकर्षक और दयालु है

सोनी सब का लोकप्रिय शो इत्ती सी खुशी दर्शकों को लगातार भावुक और प्रेरक कहानी के जरिए जोड़ रहा है। शो की नायिका अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान) एक ऐसी युवती है, जो पारिवारिक संघर्षों के बीच अपने पाँच भाई-बहनों की जिम्मेदारी उठाती है। उसकी जिंदगी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं विराट, जिन्हें रजत वर्मा साकार कर रहे हैं। वह एक आकर्षक और रहस्यमयी शख्सियत है, जो अन्विता की जिंदगी में प्यार, उम्मीद और भावनात्मक गहराई लाता है।प्रेम और अपराधबोध के बीच झूलता विराट शो की भावनात्मक धुरी को और सशक्त बनाता है, जिससे वह सबसे प्रभावशाली किरदारों में से एक बन जाता है। शो में अपने किरदार और सफर के बारे में बात करते हुए रजत वर्मा ने विराट को जीवंत करने के बारे में खुलकर बात की, साथ ही उनके सूक्ष्म चित्रण, सह-कलाकारों के साथ उनकी सहज ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री और दर्शकों से किरदार को मिली दिल को छू लेने वाली प्रतिक्रिया के बारे में जानकारी साझा की।

आप इत्ती सी खुशी में विराट के किरदार से खुद को किस तरह जोड़ते हैं? और उसे निभाने में सबसे बड़ा इनाम या चुनौती क्या रही?

विराट ऐसा किरदार है, जो अन्विता की जिंदगी में गर्माहट और उम्मीद लेकर आता है। वह आकर्षक और दयालु है, लेकिन उसके अतीत में एक रहस्य छिपा है। इस किरदार का सबसे पुरस्कृत हिस्सा उसके गहरे भावनात्मक पहलुओं को खोजना रहा और सबसे बड़ी चुनौती रही उसकी सहज आत्मविश्वास और भावनात्मक गहराई को निभाना, क्योंकि मेरी खुद की पर्सनैलिटी थोड़ी संकोची है। अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलना और विराट की यात्रा को प्रामाणिक रूप से दिखाना मेरे लिए शानदार अनुभव रहा है।

विराट इस समय भावनात्मक दौर से गुजर रहा है अपनी पहचान वीर के रूप में उजागर होने से लेकर अन्विता के परिवार की मदद करने तक आप उसकी इस यात्रा को कैसे देखते हैं?

विराट की यात्रा पूरी तरह प्रेम से प्रेरित एक परिवर्तन है। वह अन्विता की जिंदगी में उम्मीद की किरण बनकर आता है, उसे संघर्षों से राहत और सहारा देता है। लेकिन जब उसकी असली पहचान सामने आती है, तो उसे अपने अतीत के परिणामों का सामना करना पड़ता है और भावनात्मक चुनौतियों से जूझना पड़ता है। अन्विता के परिवार के प्रति उसका अटूट सहयोग, उसकी गहराई और जिम्मेदारी उठाने की क्षमता को उजागर करता है। यह भी बताता है कि सबसे मुश्किल क्षणों में भी उस पर भरोसा किया जा सकता है।

आप और सुम्बुल ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री कैसे क्रिएट कर रहे हैं?

सुम्बुल एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं और हमारे बीच एक नैचरल कनेक्शन है, जो स्क्रीन पर खूबसूरती से नज़र आता है। हम सीन से पहले बातचीत करते हैं, किरदारों के नजरिए और भावनाओं को समझते हैं। हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं कि सीन में ज़रूरी डायनैमिक्स, चाहे तनाव हो, गर्माहट हो या दोनों का मेल, लाकर देंगे। यही सहयोग हमारी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को वास्तविक और प्रभावी बनाता है।

आप बाल कलाकारों से सबसे ज्यादा किससे जुड़ाव महसूस करते हैं? सेट का कोई मजेदार किस्सा?

सेट पर सभी बाल कलाकारों के साथ मेरा एक सच्चा रिश्ता है; वे हर दृश्य में अविश्वसनीय ऊर्जा, आनंद और प्रामाणिकता लाते हैं। सेट पर हर दिन जीवंत और जिंदगी से भरा लगता है और उनका उत्साह हमारे साथ शूट किए गए दृश्यों को और भी बेहतर बना देता है। मुझे सबसे ज़्यादा हैरानी उनकी लगन और कौशल से होती है। इतनी छोटी उम्र के बावजूद, वे जिस परिपक्वता और कुशलता से अभिनय करते हैं, वह मुझे अक्सर अचंभित कर देता है। उन्हें काम करते हुए देखकर, आप कभी-कभी उनकी उम्र भूल जाते हैं; उनका ध्यान, समय और स्वाभाविक स्वभाव वाकई प्रेरणादायक है। उनकी उपस्थिति न केवल शो में ताज़गी लाती है, बल्कि उनके आसपास के सभी लोगों को सेट पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित भी करती है।

एक ऐसे किरदार की तैयारी कैसे करते हैं, जो अपराधबोध, प्रेम, रहस्य और जिम्मेदारी के बीच संतुलन साधता है?

विराट की जटिल भावनाओं को निभाने के लिए उसे गहराई से समझना ज़रूरी था। मैं उसके हर कदम के पीछे की प्रेरणा, उसके रहस्यों का बोझ और उन सबका उसके रिश्तों पर असर समझने की कोशिश करता हूँ। इसके लिए मैं स्क्रिप्ट का गहराई से अध्ययन करता हूँ, निर्देशक से चर्चा करता हूँ और व्यक्तिगत रूप से भी उस पर चिंतन करता हूँ। यह अवलोकन ही चिंतन और अनुभूति का मिश्रण है, जो मुझे विराट के किरदार की परतों को विश्वसनीय ढंग से निभाने में मदद करता है।

बाल कहानी

लंगड़ू लोमड़

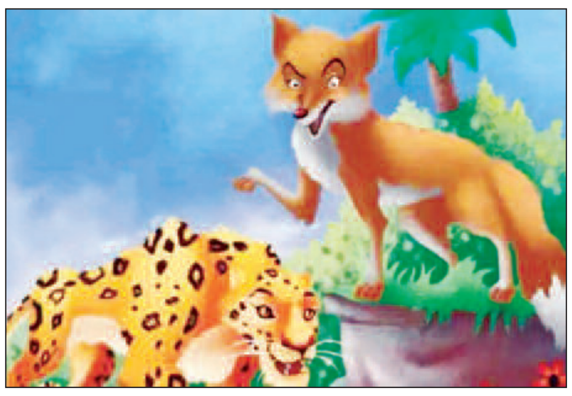

■ मीनू गुप्ता

नंदनपुर जंगल में चार दोस्त रहा करते थे-हीरा तोता, चमकू गिलहरी, राजू बंदर और कुक्कू चिड़यिा। चारों में बहुत गहरी दोस्ती थी। हीरा कभी मीठे अमरूद या सेब कहीं पा जाता तो वह राजू बंदर और कुक्कू के साथ मिल-बांटकर खाता। गिलहरी भी कहीं से अखरोट लाती तो आते ही उसे राजू बंदर को देती। राजू बंदर उसे तोड़कर सब में बराबर बांट देता। ऐसा ही दूसरे दोस्त भी करते थे।

चारों दोस्त एक-दूसरे का पूरा ध्यान रखते थे। कभी कोई बीमार हो जाता, दूसरा उसके बच्चों का ध्यान रखता। उसकी दवा लाता और उसके खाने-पीने का सामान भी लाता। जंगल का राजा शेर भी उनका पूरा सम्मान करता था। वह अपने बच्चों को उनके पास भेजता, जिससे वह उनसे कुछ अच्छी बातें सीख सकें। यही हाल हाथी दादा का था। वह उन चारों की दोस्ती से खूब खुश होते। कभी-कभी तो उन्हें अपनी पीठ पर बैठाकर जंगल की सैर करा लाते। उनकी दोस्ती जंगल के लंगड़ू लोमड़ को अच्छी नहीं लगती थी। जब वह चारों को एक साथ खेलता देखता तो उसके मन में एक ही भावना आती कि कैसे भी इन्हें आपस में लड़ा दे।

एक दिन चारों दोस्त जंगल में घूम रहे थे। तभी उन्हें तालाब के पास अमरूद के कई पेड़ दिखाई दिए। इन पर खूब अमरूद लदे थे। कई गिलहरियां इस डाल से उस डाल पर फुदक रही थीं। हीरा तोते ने जब अमरूद देखे तो उसके मुंह में पानी आ गया। उसने अपने साथियों से कहा कि चलो हम भी चलकर इन अमरूदों का आनंद लें। हीरा के तीनों दोस्तों ने कहा कि किसी के बाग में बिना पूछे जाना अच्छी बात नहीं है।

हीरा ने कहा कि हम रोज थोड़े ही जाते हैं? और जो गिलहरियां यहां हैं, उनसे पूछकर ही तो जाएंगे। हीरा तोते की बात सभी दोस्तों को जम गई। चारों साथी वहां जा पहुंचे। बाहर खेल रही गिलहरियों ने वहां तोता, चिड़यिा, बंदर को देखकर पूछा, आप लोग यहां क्यों आए हैं?

हीरा तोते ने कहा, हम जंगल में घूम रहे थे। यहां आए तो देखा कि आपके बाग में अमरूद लगे हैं। आप अगर नाराज न हों तो हम भी थोड़े-से अमरूद ले लें? मीठे अमरूद देखकर उसका मन ललचाने लगा। गिलहरियों ने हीरा तोते की बात पर आपस में चर्चा की। फिर उन्हें अमरूद लेने की अनुमति दे दी। चारों दोस्तों ने पहले तो पेट भरकर अमरूद खाए। बाद में थोड़े-से घर के लिए भी ले लिए।

चलते वक्त सभी ने गिलहरियों को धन्यवाद दिया। घर आकर सभी ने अमरूदों को नीम के पेड़ के कोटर में रख दिया। फिर अपने काम में लग गए। जब वे अमरूद रख रहे थे तो उन्हें चोरी से लंगड़ लोमड़ देख रहा था। उसने उनके जाने के बाद आधे अमरूद निकाल लिए। दूसरे दिन चारों दोस्तों ने अमरूद खाने के लिए निकाले तो देखकर दंग रह गए। यहां पर तो आधे अमरूद थे ही नहीं। सभी एक-दूसरे को देखने लगे। सभी ने एक-दूसरे से पूछा। पर जब किसी ने लिए हों तब तो हां करता। सभी ने अमरूद लेने से मना कर दिया, फिर एक-दूसरे से जोर-जोर से बोलने लगे।

लंगड़ू लोमड़ पहले से ही इस इंतजार में था कि उन चारों में झगड़ा हो तो वह उसका मजा ले। उसने उनसे पूछा, अरे कुक्कू क्या हो गया? क्यों झगड़ रहे हो? कुछ नहीं लंगड़ू लोमड़। कुक्कू ने बात टालनी चाही। नहीं कोई बात तो है, जो तुम चारों लड़ रहे हो? पहले तो मैंने तुम्हें कभी लड़ते नहीं देखा?

अब चमकू गिलहरी ने कहा, लंगड़ू लोमड़ बात यह है कि हमने कल इस पेड़ के कोटर में अमरूद रखे थे। पर आज आधे हैं ही नहीं। लंगड़ू लोमड़ ने बनावटी गंभीरता से पूछा, पक्का यहीं रखे थे? हां, हां यहीं रखे थे। दोस्तों को भिड़ाने की चाल से लंगड़ू लोमड़ ने राजू बंदर की ओर देखकर कहा, राजू, तुमने तो अमरूद नहीं निकाल लिए?

नहीं, मैं क्यों निकालता। हम सभी तो लाए थे एक साथ। फिर वह नाराज होने लगा। नहीं-नहीं, मैं तो ऐसे ही पूछ रहा था। कह कर वह मौका देखकर वहां से खिसक लिया। उसके मन की बात हो गई थी। लंगड़ू लोमड़ की बात सुनकर सभी एक-दूसरे पर शक करके झगड़ने लगे। थोड़ी देर में वहां से जंगल के राजा शेर का बेटा निकला तो उसने उन चारों को लड़ते देखकर गुर्राकर पूछा, आप सब क्यों लड़ रहे हो?

सभी ने उसे अमरूदों की बात बता दी। साथ ही यह भी बताया कि लंगड़ू लोमड़ ने उन्हें क्या कहा। शेर के बेटे ने आश्चर्य से उन्हें देखा और फिर एक-एक को अलग-अलग बुलाकर कान में कुछ कहा। उसके बाद सभी उसके पीछे चलने लगे। शेर का बेटा उन्हें लंगड़ू लोमड़ की खोह के पास ले गया। वहां उन्होंने देखा, लंगड़ू लोमड़ मजे से अमरूदों का आनंद ले रहा है। शेर के बेटे और चारों दोस्तों को देखकर उसके पसीने छूट गए। सभी उसे देखकर हैरान थे। तभी शेर के बेटे ने लंगड़ू लोमड़ के गाल पर एक थप्पड़ मारा और कहा, तू चोरी करके लाया था अमरूद?

लंगड़ू लोमड़ का दिमाग भन्ना गया। उसकी समझ में ही नहीं आया कि वह क्या उत्तर दे? उसके मुंह से निकला, हां। शेर के बेटे ने उसके गाल पर फिर एक झापड़ रसीद किया। जा, भाग जा यहां से। अब कभी जंगल में नजर मत आना। लंगड़ू लोमड़ वहां से भाग छूटा। फिर चारों दोस्त माजरा समझ गए और एक-दूसरे से माफी मांगी। सभी ने शेर के बेटे को धन्यवाद दिया, उनकी दोस्ती बचाने के लिए।

दूध पीने में करता है बच्चा आनाकानी तो क्या करें?

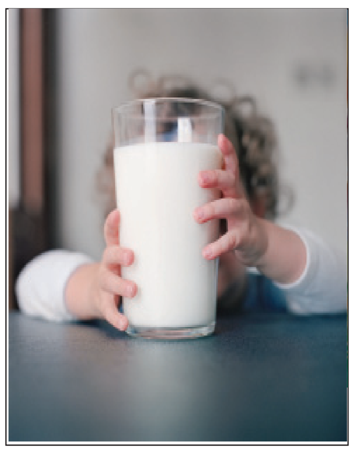

दूध को एक संपूर्ण आहार माना जाता है, जो हड्डियों व दांतों के लिए बहुत जरूरी होता है, खासकर बच्चों के लिए। दूध बच्चों की हड्डियों में मजबूत ही नहीं बल्कि शरीर विकास में भी मदद करता है लेकिन कुछ बच्चे दूध पीने में आनाकानी करते हैं और मुंह चढ़ाने लगते हैं। ऐसे में मांओं को कुछ अलग सोचना होगा। यहां हम आपको कुछ ट्रिक्स बताएंगे, जिससे बच्चे को दूध पिलाने के लिए डांटने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी और वो दूध भी पी लेगा।

ऐसे पूरी करें कैल्शियम की कमी

अगर बच्चा फिर भी दूध पीने में नखरे दिखाता है तो उनकी डाइट में बादाम बच्चा दूध पीना पसंद नहीं करता तो आप उसे बादाम या आलमंड मिल्क, दही, पनीर, ब्रोकोली, नारियल पानी, सोया प्रोडक्ट्स शामिल करें। इससे शरीर में कैल्शियम की कमी भी पूरी होगी और बच्चे स्वस्थ भी रहेंगे।

फेवरेट गिलास में दें बच्चे को दूध

बच्चें दूध न पीने का बहाना ढूंढते रहते हैं। ऐसे में उन्हें कार्टून करेक्टर गिलास में दूध देकर देखें। हो सकता है कि वो गिलास देखकर दूध पीने लगे।

पसंदीदा फ्लेवर्ड मिल्क पिलाएं

दूध का फ्लेवर चेंज करने के लिए उसमें चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, ड्राईफ्रूट्स, कॉर्नफ्लेक्स, चोकोस आदि डाल सकते हैं। इसके अलावा आप दूध में केसर, खजूर आदि भी डाल सकते हैं। इससे दूध का स्वाद और पौष्टिक तत्व बढ़ जाएंगे।

हैल्दी ऑप्शन चुनें

बच्चा सिंपल दूध नहीं पीता तो उसे मिल्कशेक, कस्टर्ड, स्मूदी, बॉर्नविटा बनाकर खिलाएं। इससे

उन्हें दूध के साथ दूसरे पौष्टिक तत्व भी मिलेंगे।

बच्चे को दूध न हो हजम तो क्या करें?

कुछ बच्चों को दूध हजम नहीं होता और उन्हें पेट में दर्द, गैस, पेट खराब जैसी समस्या होती है। ऐसे में उन्हें हल्दी वाला दूध पिलाएं।

गर्म दूध के बजाए दें कोल्ड मिल्क

बच्चों को गर्म की बजाए ठंडा दूध दें। इसे वो चाव से पी लेंगे और उनकी हड्डियों व दांतों को कैल्शियम भी मिलेगा।

दूध हजम नहीं होता तो क्या करें?

बच्चे को दूध हजम नहीं होता तो उसमें बादाम, अंजीर, हल्दी, चिया सीड्स, पीपल के पत्ते मिलाकर पीएं। इससे दूध हजम हो जाएगा और उल्टी, पेट में गड़बड़ भी नहीं होगी।

आइस क्यूब्स डालें

गर्मियों के बच्चों को दूध की तरफ आकर्षित करने के लिए उसमें कुछ कलरफुल आइस क्यूब्स डालें। इसके लिए आप फूड कलर, रूआबजा आदि का इस्तेमाल कर सकती हैं।

खेल-खेल में पिलाएं दूध

माता-पिता या कोई भी घर का बड़ा बच्चों के साथ बैठकर खेल-खेल दूध पिलाएं। इससे वो मस्ती में दूध भी पी लें और उनकी एक्टिविटी भी हो जाएगी। साथ ही इससे उन्हें दूध के पौष्टिक तत्व भी मिल जाएंगे।

बच्चों में हेमाट्यूरिया
प्रकार, कारण, लक्षण व उपचार

बच्चे को अपनी बढ़ती उम्र में कभी छोटी, तो कभी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हीं में से एक है बच्चों में हेमाट्यूरिया। मॉमजंक्शन के इस लेख में हम आपको बच्चों में हेमाट्यूरिया के बारे में विस्तार से बताएंगे। साथ ही यहां हेमाट्यूरिया के प्रकार, कारण और लक्षण के साथ ही उपचार की जानकारी भी मिलेगी। बच्चों में हेमाट्यूरिया को समझने के लिए इस लेख को अंत तक पढ़ें।

सबसे पहले समझिए कि हेमाट्यूरिया क्या होता है।

बच्चों के पेशाब में खून नजर आने की स्थिति को हेमाट्यूरिया कहते हैं। इसकी मात्रा पेशाब में इतनी कम हो सकती है कि बिना माइक्रोस्कोप के नजर ही न आए या फिर खून की वजह से पेशाब का रंग लाल या गुलाबी दिख सकता है। साथ ही पेशाब करने के बाद खून के धब्बे भी दिखाई दे सकते हैं। हेमाट्यूरिया थोड़े समय के अंतराल में या लगातार हो सकता है। ऐसे में बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाकर इसका कारण जानना और उपचार शुरू करना जरूरी है।

क्या बच्चों के मूत्र में रक्त एक गंभीर समस्या है?

हां, बच्चों के पेशाब में खून आने की समस्या कुछ मामलों में गंभीर हो सकती है। इसे वक्त रहते बढ़ने से रोका जा सकता है। इसके लिए हेमाट्यूरिया के कारण जैसे इंफेक्शन और अन्य समस्या का उपचार करने के साथ ही बच्चे को हाइड्रेट रखना जरूरी है।

हेमाट्यूरिया के प्रकार

हेमाट्यूरिया के बाद हम हेमाट्यूरिया के प्रकार बता रहे हैं। एनसीबीआई की वेबसाइट पर प्रकाशित एक शोध में हेमाट्यूरिया दो प्रकार के माने गए हैं।

माइक्रोस्कोपिक हेमाट्यूरिया: इस प्रकार का हेमाट्यूरिया होने पर पेशाब में रक्त कोशिकाएं केवल माइक्रोस्कोप से देखने पर ही नजर आती हैं। इसी वजह से इस प्रकार के हेमाट्यूरिया के बारे में तबतक पता नहीं चलता है, जबतक कि बच्चों का मूत्र परीक्षण नहीं करवाया जाता। यह हेमाट्यूरिया अपर यूरीनरी ट्रेक के घाव जैसे ग्लोमेरुलस या ट्यूबलोइंटरस्टिटियम के कारण हो सकता है।

ग्रॉस हेमाट्यूरिया: जब बिना माइक्रोस्कोप की सहायता के भी पेशाब में लाल रक्त कोशिकाएं नजर आती हैं, तो उसे ग्रॉस हेमाट्यूरिया कहते हैं। इस हेमाट्यूरिया के प्रकार में खून की मात्रा पेशाब में इतनी होती है कि उसका रंग लाल, भूरा या गुलाबी दिखने लगता है। आम तौर पर यह हेमाट्यूरिया लोअर यूरीनरी ट्रेक जैसे मूत्राशय और मूत्रमार्ग में होने वाले घाव के कारण हो सकता है।

बच्चा हमेशा रहता है चिड़चिड़ा तो फॉलो करें ये टिप्स

कोरोना का असर अभी तक बच्चों की जिंदगियों में देखने को मिल रहा है। अभी तक स्कूल पूरी तरह से ना खुलने के कारण उन्हें ऑनलाइन पढ़ाई करनी पड़ रही है। वहीं बच्चे लंबे समय तक घर पर बंद है। इसके कारण कई बच्चों को स्ट्रेस होने से उनके स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। असल में, उन्हें अपनी पर्सनल और स्कूल लाइफ में बैलेंस बनाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे इस मुश्किल दौर में बच्चे का खास ध्यान रखकर उनकी लाइफ में बदलाव लाएं। चलिए आज हम आपको कुछ टिप्स बताते हैं, जिसकी मदद से आप बच्चे की पर्सनल जिंदगी और स्कूल लाइफ के बीच बैलेंस बना सकती है...

एक्टिव रखें : बच्चे घर पर रहकर या ऑनलाइन क्लासिस लगाकर थका-थका महसूस करते हैं। मगर इसमें पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे बच्चे को एक्टिव रखने की पूरी कोशिश करें। इसके लिए आप घर पर ही उसे कोई छोटे-मोटे गेम्स

खिला सकते हैं। ताकि आपका बच्चा एक्टिव रहे। एक्टिव रहने से स्ट्रेस हार्मोन कम होने में मदद मिलती है। ऐसे में आपका बच्चा खुश रहेगा। आप कोरोना गाइलाइन्स का पालन करते हुए कभी-कभाव उसे घर से बाहर भी लेकर जा सकते हैं।

बच्चे से बातचीत करें : अगर आपका बच्चा स्ट्रेस महसूस कर रहा हो तो उसके साथ समय गुजारें। उनके साथ बातें करें। उसे समझाएं कि इस तरह गुस्सा करने से उसकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। आप उसे खुश रखने के लिए उसका मनपसंद काम कर सकते हैं। इसके अलावा उसकी ऑनलाइन क्लास में उसकी मदद करें।

फैमिली गेम नाइट करें प्लान : बच्चे को एक्टिव व हैप्पी रखने के लिए आप कभी-कभार फैमिली गेम नाइट आयोजित कर सकते हैं। इसमें आप कुछ आसान सी फिजिकल एक्टिविटीज शामिल कर सकती है। इसके अलावा कुछ बच्चे की पसंद की डिशेज भी रख सकती है। इससे आपका बच्चा उस पल को अच्छे से एन्जॉय करेगा। साथ ही अपनी चिंता व एंजाइटी को भूल जाएगा।

बच्चे की डाइट का रखें ध्यान : शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने से भी बच्चे चिड़चिड़ा स्वभाव करने लगते हैं। इसलिए बच्चे की डेली डाइट में पोषक तत्वों व एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर चीजें शामिल करें। इससे आपके बच्चे की इम्यूनिटी बढ़ेगी। वे दिनभर एनर्जेटिक रहेगा। अगर आपके बच्चे को बाहर का खाना ज्यादा पसंद है तो आप उसे घर पर ही पिज्जा, सैंडविच, फ्रूट कस्टर्ड, शैक, स्मूदी आदि हेल्दी चीजें बनाकर खिला सकती है। ये सब चीजें आपका बच्चा खुशी-खुशी खाएगा। साथ ही इससे उसकी सेहत को कोई नुकसान भी नहीं झेलना पड़ेगा।

बच्चे का एक रूटीन सेट करें : आप अपने बच्चे का एक रूटीन सेट कर सकती है। इसमें आपको उसके जागने से लेकर सोने तक का सारा टाइम टेबल सेट करना होगा। इससे बच्चे को इस बात की समझ आएगी कि उसे कब जागना है, कब खाना है, कब खेलना व पढ़ना है। एक रूटीन सेट होने पर वह अपने सारे काम उसी मुताबिक करेगा। ऐसे में उसे एक खुशहाली और ट्रेंशन फ्री जिंदगी जीने में मदद मिलेगी।

बच्चों को शुरुआत से ही सिखाएं ये आदतें
पढ़ाई में हमेशा रहेंगे अव्वल

हर माता-पिता अपने बच्चे को एक अच्छा व कामयाब इंसान बनना देखना चाहते हैं। इसकी शुरुआत स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करने से ही होती है। इसके लिए कई पेरेंट्स बच्चों को ट्यूशन क्लास भी ज्वाइंन करवाते हैं जिससे उनका दिमाग तेज हो पाए। मगर आप चाहे तो बच्चे की डेली रूटीन में कुछ खास बदलाव करके उन्हें एक बेहतर विद्यार्थी बना सकते हैं। चलिए आज हम आपको इससे जुड़े कुछ खास टिप्स बताते हैं...

नियमित रुप से पढ़ना

बच्चा सही से पढ़ रहा है या नहीं इसके लिए पेरेंट्स जिम्मेदार होते हैं। इसलिए माता-पिता का फर्ज बनता है कि वे अपने बच्चे को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही बच्चे के पढ़ाई दौरान उनके साथ बैठें। इससे उन्हें पढ़ाई में मदद मिलेगी और रोजाना पढ़ने की आदत बनेगी।

पढ़ने का समय तय करें

बच्चों को कोई आदत डालने के लिए जरूरी है कि समय तय करें। इसके लिए आप बच्चे के पढ़ने का भी एक समय सेट करें। इससे उनकी एक रूटीन बन जाएगी। साथ ही आपको बार-बार उसे पढ़ने के लिए नहीं कहना पढ़ेगा।

किताबें व्यवस्थित रखना

कई पेरेंट्स बच्चे की किताबें व जरूरी सामान को खुद संभालते हैं। मगर ऐसा करने की जगह पर बच्चे को इस बात की आदत लगानी चाहिए। बच्चों को उसका स्कूल बैग खुद सेट करना सिखाएं। इससे वे अपनी चीजें

संभालना सिखेंगे साथ ही वे पढ़ने व स्कूल जाने के लिए प्रेरित होंगे।

खुद का टेस्ट लेना सिखाएं

खुद को तैयार करने के लिए स्वयं की परीक्षा लेना बेस्ट माना जाता है। ऐसे में अगर आपका बच्चा 7-8 साल है तो उसे खुद से पढ़ना व परीक्षा लेना सिखाएं। इससे उसे पता चलेगा कि उसे किस विषय में कितनी मेहनत करने की जरूरत है। इसके अलावा आप पढ़ने में उसकी मदद जरूर करें।

नॉलेज का इस्तेमाल करें

बच्चे को सिखाएं कि चीजों को समझ व उन्हें याद करना ही काफी नहीं होता है। उन्हें जरूरत पढ़ने पर अपनी नॉलेज का इस्तेमाल करना भी जरूरी है। बच्चे को दूसरों के आगे बात करना व बोलना सिखाएं। इससे बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ेगा साथ ही उसे अपनी कमियों के बारे में पता चलेगा।

भरपूर मात्रा में पानी पीना

ज्ञान के साथ सेहत का होना भी बेहद जरूरी है। इसलिए बच्चों को भरपूर पानी पीने की आदत डालें। इससे शरीर में मौजूद विषैले पदार्थ बाहर निकलने में मदद मिलती है। ऐसे में बीमारियों से बचाव रहता है। वहीं सेहत दुरुस्त होने से बच्चे का पढ़ाई में पूरा ध्यान लगेगा। एक्सपर्ट्स के अनुसार, बच्चों को रोजाना 8-9 गिलास पानी का सेवन करना चाहिए। आप बच्चे की डेली डाइट में पानी वाले फल व सब्जियां, सूप, जूस आदि भी शामिल कर सकती है।

अच्छे दोस्तों की संगत में रहना

एक अच्छा इंसान बनने के लिए अच्छी आदतों का होना बेहद जरूरी है। इसलिए अपने बच्चों को हमेशा अच्छी संगत में रहने के लिए प्रेरित करें। बुरी संगत में आने से बच्चे पढ़ाई में पीछे होने के साथ जीवन में भी गलत आदतें सिख सकते हैं। वहीं अच्चे दोस्त पढ़ाई के लिए प्रेरित करने के साथ पढ़ने में साथ भी देते हैं। इसलिए आपका फर्ज बनता है कि आप बच्चे को सही दोस्त चुनने में मदद करें।

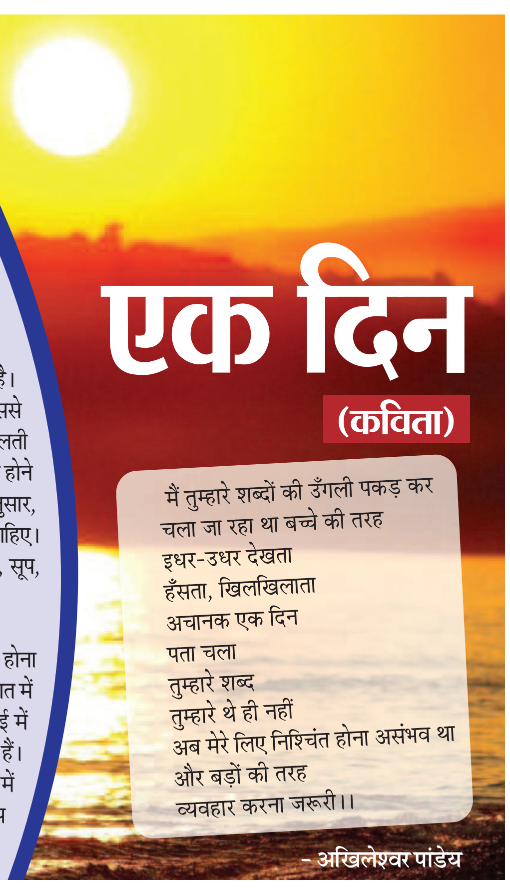

एक दिन
(कविता)

मैं तुम्हारे शब्दों की उँगली पकड़ कर
चला जा रहा था बच्चे की तरह
इधर-उधर देखता
हँसता, खिलखिलाता
अचानक एक दिन
पता चला
तुम्हारे शब्द
तुम्हारे थे ही नहीं
अब मेरे लिए निश्चिंत होना असंभव था
और बड़ों की तरह
व्यवहार करना जरूरी।।

- अखिलेश्वर पांडेय